डालटनगंज (मेदिनीनगर), गुरुवार । 02 जुलाई 2026 । वर्ष-32, अंक-256, पृष्ठ-12

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 02, संवत 2083 । डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: 61316/94

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com

हर पक्ष की खबर । हर पक्ष पर नजर

पेज 12

मेदिनीनगर		गढ़वा	
अधिक.	36.0°	अधिक.	38.3°
न्यून.	25.0°	न्यून.	28.9°

दृष्टिपात

वकारिब को जमशेदपुर और स्वर्गियारी को सरायकेला खरसावां की कमान

रांची। राज्य सरकार ने पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने वर्ष 2015 बैच के आईपीएस अधिकारी एहतेशाम वकारिब को जमशेदपुर का नया वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नियुक्त किया है। इससे पहले वे सीआईडी में पुलिस अधीक्षक (एसपी) के पद पर कार्यरत थे। अब अगले आदेश तक वे जमशेदपुर जिले की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, धनबाद के झारखंड सशस्त्र पुलिस-3 गोविंदपुर के कमांडेंट वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज स्वर्गियारी को सरायकेला-खरसावां जिले का नया पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता और आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में लापरवाही के कारण पूर्वी सिंहभूम जिले के एसएसपी पीयूष पांडेय और उनकी पत्नी सरायकेला-खरसांवा जिले की एसपी निधि द्विवेदी को उनके पद से हटा दिया था और उन्हें पुलिस मुख्यालय में योगदान देने का आदेश दिया गया था। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि राज्य में आम जनता की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आज कल

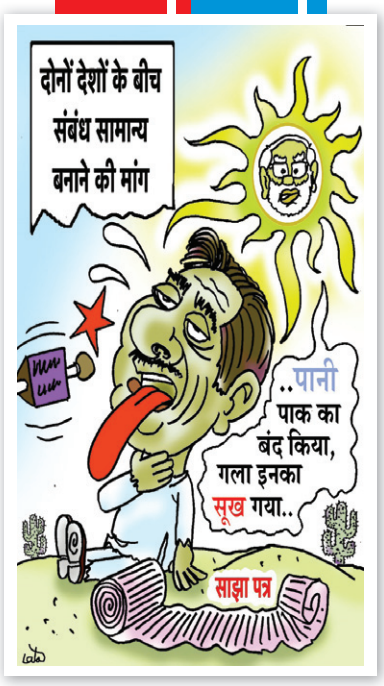

राज्यपाल ने दिलाई लोकभवन के दरबार हॉल में शपथ, सीएम थे मौजूद

4 नए सूचना आयुक्त ने ली शपथ

- अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक ने ली है शपथ
- झारखंड राज्य सूचना आयोग करीब छह वर्ष बाद फिर पूरी क्षमता से काम करने की ओर बढ़ा

नवीन मेल संवाददाता

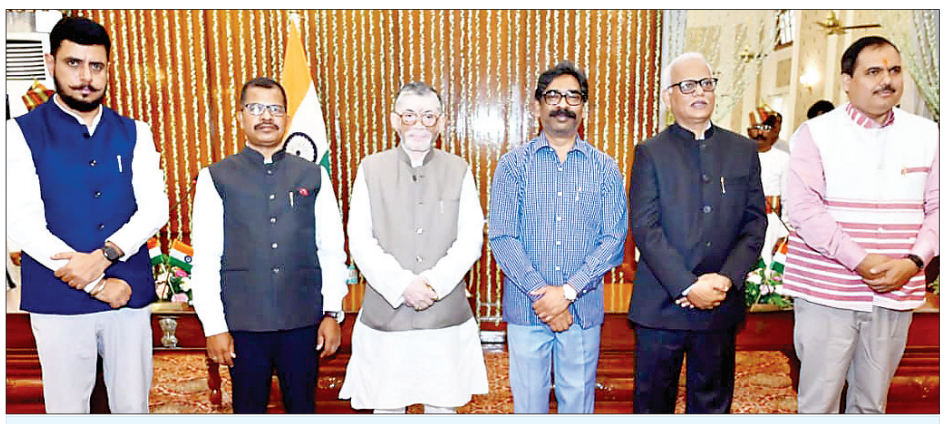

रांची। झारखंड में करीब छह वर्ष बाद राज्य सूचना आयोग फिर पूरी क्षमता के साथ काम करने की दिशा में आगे बढ़ गया है। बुधवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोकभवन के दरबार हॉल में आयोजित समारोह में चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विशेष रूप से मौजूद रहे। इन नियुक्तियों के साथ ही लंबे समय से ठप पड़ी आयोग की नियमित सुनवाई दोबारा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है।

समारोह की शुरुआत राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार द्वारा राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी वारंट के वाचन से हुई। इसके बाद राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ नितिन कुलकर्णी ने क्रमवार सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया और राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सभी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद राज्यपाल ने सभी नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने 10 जून 2026 को चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की थी। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15(3) के तहत अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो और शिवपूजन पाठक की नियुक्ति की गई थी।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद बैजनाथ राम और महुआ माजी, राज्य सरकार में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित कई जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

शेष पेज 11 पर...

सूचना का अधिकार देता है लोकतंत्र को मजबूती : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सभी नवनियुक्त सूचना आयुक्तों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना आयोग लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवनियुक्त सूचना आयुक्त पारदर्शिता, जवाबदेही तथा जनहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूचना का अधिकार लोकतंत्र को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है। सूचना आयोग की सक्रिय और पारदर्शी कार्यप्रणाली से आम नागरिकों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने नवनियुक्त आयुक्तों से संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपेक्षा जताई।

रांची में 26 जुलाई से 16 अगस्त तक होगा आयोजन

झारखंड में पहली बार डूरंड कप

- रांची में इस प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट का एक क्वार्टर फाइनल मैच भी होगा
- 23 अगस्त को कोलकाता में होगा फाइनल मुकाबला
- रांची और कोलकाता के अलावा इंफाल, शिलांग और गुवाहाटी में भी होंगे मुकाबले

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के खेल इतिहास में पहली बार डूरंड कप का आयोजन राज्य में होने वाला है। राज्य को पहली बार इस प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला है। डूरंड कप के 135वें संस्करण का आयोजन 26 जुलाई 2026 से राजधानी रांची में होने जा रहा है। यह झारखंड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत 25 जुलाई 2026 से होगी, जबकि रांची में मुकाबले 26 जुलाई से 16 अगस्त तक खेले जाएंगे। सभी मैच बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित होंगे। यहां लीग चरण के कई मुकाबलों के साथ एक क्वार्टर फाइनल मैच भी खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल मैच 23 अगस्त 2026 को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।

रांची में होने वाले मैचों में इंडियन सुपर लीग की मजबूत टीम जमशेदपुर एफसी और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के अलावा भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम भी मैदान में उतरेगी।

शेष पेज 11 पर...

डूरंड कप एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट, 1888 से हो रहा आयोजन

डूरंड कप भारत का एक प्रमुख वार्षिक घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट है। साथ ही, यह दुनिया का तीसरा और एशिया का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह प्रतियोगिता देश के उभरते फुटबॉल खिलाड़ियों को बड़ा मंच देने के लिए जानी जाती है। डूरंड कप की शुरुआत वर्ष 1888 में शिमला में हुई थी। इसे सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड ने शुरू किया था। इसका आयोजन डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसायटी और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ भारतीय सशस्त्र बलों के सहयोग से करता है। यह एकमात्र ऐसा टूर्नामेंट है, जिसमें विजेता टीम को तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां (द मास्टर पीस, शिमला ट्रॉफी और द प्रेसिडेंट कप) प्रदान की जाती हैं।

पुलिस मुखबिर के आरोप में दो की हत्या का था मामला

पूर्व विधायक पौलुस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप बरी

- हाई कोर्ट में निचली अदालत की आजीवन कारावास की सजा हुई निरस्त

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने खूंटी जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में वर्ष 2013 में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की हत्या के मामले में बुधवार को फैसला सुनाते हुए सजायाफ्ता पूर्व विधायक पौलुस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को बरी कर दिया। अदालत ने दोनों की ओर से निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर क्रिमिनल अपील स्वीकार करते हुए आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर दिया।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई। दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे बुधवार को सुनाया गया। खंडपीठ ने साक्ष्यों और पक्षकारों की दलीलों पर विचार करने के बाद दोनों अपीलकर्ताओं को दोषमुक्त कर दिया।पूर्व विधायक पौलुस सुरीन की ओर से वरीय अधिवक्ता बीएम त्रिपाठी तथा अधिवक्ता नवीन कुमार जायसवाल ने पैरवी की, जबकि नक्सली जेठा कच्छप की ओर से अधिवक्ता मनोज चौबे ने न्यायालय में पक्ष रखा। इससे पहले, रांची के अपर न्यायायुक्त दिनेश कुमार की अदालत ने इस दोहरे हत्याकांड में

शेष पेज 11 पर...

हत्याकांड की जांच के लिए बनी एसआईटी

सब रजिस्ट्रार की हत्या मामले में 7 गिरफ्तार

- गिरिडीह जिले के सब रजिस्ट्रार थे बालेश्वर पटेल
- दो ऐसे लोग भी हैं अभियुक्त, जो घटनास्थल पर नहीं थे

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ और हजारीबाग जिले के सीमा पर स्थित रबोध गांव निवासी सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बुधवार को रामगढ़ के एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने इस हत्याकांड पर प्रेसवार्ता की और बताया कि सभी आठ हत्यारे मोबाइल कैमरे में कैद हुए हैं।

रामगढ़ एसपी लुनायत ने कहा कि गिरिडीह जिले के सब रजिस्ट्रार रहे बालेश्वर पटेल ने भी अपने मोबाइल से हमले के दौरान वीडियो बनाया था। इसमें यह स्पष्ट है कि घटनास्थल पर कुल आठ लोग मौजूद थे। इनमें 4 महिलाएं और 4 पुरुष शामिल हैं। उन लोगों ने ईंट- पत्थर से पहले हमला किया। इसके बाद लाठी-डंडे से पिटाई की। सारे हमलावर के चेहरे मोबाइल कैमरे में कैद हैं।

एसपी ने बताया कि इस हत्याकांड में आठ लोग शामिल थे, जिनमें से सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना में शामिल संतोष कुमार साव उर्फ पप्पम, रामू साव उर्फ ज्ञानी, शकुंतला देवी, रूबी कुमारी, विनय कुमार, पूजा कुमारी और लक्ष्मी देवी उर्फ डॉली कुमारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक हत्यारोपी विष्णु अभी भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

शेष पेज 11 पर...

आरटीआई में सूचना नहीं देने पर सीओ को नोटिस

9 जुलाई को होगी सुनवाई, व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

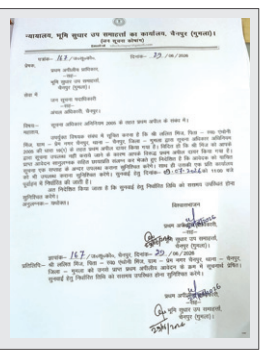

चैनपुर। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत समय पर सूचना उपलब्ध नहीं कराने के मामले में चैनपुर के लोक सूचना पदाधिकारी-सह-अंचल अधिकारी को प्रथम अपीलीय प्राधिकार-सह-भूमि सुधार उप समाहर्ता (एलआरडीसी) की अदालत ने नोटिस जारी किया है। न्यायालय ने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर आवेदक को मांगी गई सूचना उपलब्ध कराते हुए 9 जुलाई 2026 को सुबह 11 बजे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों।

जानकारी के अनुसार, चैनपुर प्रखंड के प्रेमनगर निवासी ललित मिंज ने 9 मई 2026 को अंचल कार्यालय में आरटीआई आवेदन देकर मौजा प्रेमनगर (थाना संख्या-114, खाता संख्या-180, प्लॉट संख्या-2740) से संबंधित पंजी-2 (रजिस्टर-2), बंदोबस्ती विवरण तथा भूमि की प्रकृति (रैयती, गैर-मजरूआ अथवा सरकारी) से जुड़ी प्रमाणित प्रतियों की मांग की थी।आरटीआई अधिनियम के तहत निर्धारित 30 दिनों की अवधि बीत जाने के बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद आवेदक ने प्रथम अपीलीय प्राधिकार के समक्ष अपील दायर की।अपील पर सुनवाई करते हुए भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय ने

शेष पेज 11 पर...

टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या से त्रस्त हैं किसान

सीजेआई से मांगी इच्छामृत्यु की अनुमति

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। टोरी रेलवे क्रॉसिंग पर वर्षों से बनी जाम की समस्या से परेशान किसानों ने देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को पत्र भेजकर इच्छामृत्यु की अनुमति देने की मांग की है। किसानों ने मंगलवार को चंदवा उपडाकघर के माध्यम से हस्ताक्षरयुक्त पत्र भेजते हुए कहा कि रेलवे क्रॉसिंग की समस्या अब उनके लिए असहनीय हो चुकी है और संबंधित विभागों की उदासीनता के कारण आमजन का जीवन लगातार प्रभावित हो रहा है। पत्र में किसानों ने उल्लेख किया है कि एनएच-99 (वर्तमान एनएच-22) स्थित टोरी रेलवे क्रॉसिंग (एलसी संख्या-12ए/टी) पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का शिलान्यास 3 अप्रैल 2021 को किया गया था। उनका आरोप है कि अब तक कई बार टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। उनका कहना है कि परियोजना की लागत भी बढ़कर करीब 119 करोड़ रुपये पहुंच गई है। किसानों ने कहा कि रेलवे फाटक लंबे समय तक बंद रहने और लगातार ट्रेनों के आवागमन के कारण घंटों जाम लगा रहता है।

शेष पेज 11 पर...

आरओबी निर्माण में देरी पर जताई नाराजगी

हाल बेहाल

30-40 आदिवासी परिवार बूंद-बूंद पानी को तरस रहे

महुआडांड़ का ग्वालखाड़ आज भी विकास से कोसों दूर

- सड़क, बिजली और स्वास्थ्य सुविधा का भी अभाव

नवीन मेल संवाददाता

आजादी के दशकों बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है गांव

गांव तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं है। मरीजों को 6 से 8 किलोमीटर तक खाट या टोकरी में ढोकर ले जाना पड़ता है। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती। बिजली नहीं होने से पूरा गांव अंधेरे में रहता है और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। बरसात में नदी पर पुल नहीं होने से बच्चों का स्कूल जाना भी बंद हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि रोजगार के अवसर नहीं होने के कारण पलायन करना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क भी उपलब्ध नहीं है और आपात स्थिति में पहाड़ पर चढ़कर नेटवर्क तलाशना पड़ता है।

महुआडांड़। लातेहार जिले के महुआडांड़ प्रखंड स्थित ग्वालखाड़ गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। आजादी के 78 वर्ष बाद भी नागेसिया एवं कोरवा समुदाय के 30 से 40 परिवार सड़क, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में जीवनयापन करने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में न चापाकल है, न जलमीनार, न कुआं और न ही तालाब। महिलाएं और बच्चे प्रतिदिन जंगल स्थित चुआ से पानी लाते हैं। बरसात में यही पानी गंदा हो जाता है और गर्मी में सूख जाता है। ग्रामीण अजय बृजिया ने बताया कि लोग मजबूरी में दूषित पानी पी रहे हैं, जिससे उल्टी-दस्त और बुखार जैसी बीमारियां आम हो गई हैं।80 वर्षीय ग्रामीण महिला ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने तीन पीढ़ियां देख लीं, लेकिन आज तक गांव में न सड़क आई और न बिजली। उन्होंने मरने से पहले अपने घर में बिजली का बल्ब जलते देखने की इच्छा जताई।

ग्रामीणों ने प्रशासन से जामकोना-ग्वालखाड़ सड़क निर्माण, बिजली आपूर्ति, दो डीप बोरिंग चापाकल, एक सोलर जलमीनार, बरसाती नदी पर पुल तथा साप्ताहिक मोबाइल मेडिकल वैन की व्यवस्था की मांग की है। चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी ने कहा कि गांव की समस्याओं की जानकारी मिली है। संबंधित विभागों से रिपोर्ट लेकर सड़क, पेयजल, बिजली, पुल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संसद के मानसून सत्र में नए कानून की तैयारी

30 दिन जेल में रहे मंत्री, तो स्वतः चली जाएगी कुर्सी?

उदय चंद्र सिंह

नई दिल्ली। देश की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने वाले संविधान संशोधन विधेयक पर अब संसद में घमासान तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार उस प्रस्तावित कानून को आगे बढ़ाने की तैयारी में है, जिसके तहत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी भी मंत्री को अगर किसी गंभीर मामले में लगातार 30 दिन तक जेल में रहना पड़े, तो उनकी कुर्सी स्वतः चली जाएगी।

इस विवादित 130वें संविधान संशोधन विधेयक पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) 17 जुलाई 2026 को अपनी रिपोर्ट मंजूर कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, समिति इस कानून के सबसे चर्चित प्रावधान को बरकरार रख सकती है। हालांकि, राजनीतिक बदले की भावना से दुरुपयोग रोकने के लिए कुछ सुरक्षा प्रावधान जोड़ने की भी सिफारिश की जा सकती है।

विपक्षी दलों के कई नेताओं ने पहले ही इस पर जताया है कड़ा विरोध

शेष पेज 11 पर...

एनजीटी की रोक के बावजूद बालू का अवैध परिवहन, पांकी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

आसेहार-सगालिम क्षेत्र से तीन ट्रैक्टर जब्त, अवैध कारोबारियों में मचा हड़कंप

● जब्त किए गए ट्रैक्टरों को पुलिस अभिरक्षा में पांकी थाना लाया गया

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) द्वारा बालू उठाव पर प्रतिबंध के बावजूद अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ पांकी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी करते हुए पुलिस ने आसेहार-सगालिम क्षेत्र से अवैध बालू लदे तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र के बालू माफियाओं एवं अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, एनजीटी के प्रतिबंध के बावजूद क्षेत्र में दिनदहाड़े अवैध बालू का परिवहन किया जा रहा था। सूचना मिलते ही पांकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। जब्त किए गए ट्रैक्टरों में से दो को पुलिस अभिरक्षा में पांकी थाना लाया गया है, जबकि तीसरे ट्रैक्टर का टायर पंचर हो जाने के कारण वह रास्ते में ही रुक गया। पुलिस की निगरानी में उसे भी थाना लाने की प्रक्रिया जारी है।

ट्रैक्टर मालिकों की पहचान में जुटी पुलिस

पुलिस अब ट्रैक्टर मालिकों की पहचान करने और अवैध बालू कारोबार से जुड़े लोगों के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

पहली बारिश के साथ नजर आए पीले 'भदईया बेंग', गूंज उठे नदी-नाले

मोहम्मदगंज। प्री-मानसून की पहली बारिश के बाद बुधवार सुबह मोहम्मदगंज क्षेत्र में बड़ी संख्या में पीले रंग के दुर्लभ मेढ़क दिखाई दिए। नदी-नालों एवं जलजमाव वाले स्थानों पर इन मेढ़कों की मौजूदगी और उनकी टर्र-टर्र की आवाज से पूरा वातावरण गूंज उठा। ग्रामीणों के अनुसार, वर्षा ऋतु की पहली बारिश के साथ हर वर्ष ये विशेष प्रकार के मेढ़क दिखाई देते हैं। स्थानीय भाषा में इन्हें 'भदईया बेंग' कहा जाता है। लोगों का मानना है कि इन मेढ़कों का दिखाई देना अच्छी बारिश का शुभ संकेत होता है। बरसात समाप्त होने पर ये पुनः जमीन के भीतर चले जाते हैं और अगली वर्षा ऋतु में फिर बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं।

65 छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिल वितरित

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। वित्तीय वर्ष 2026-27 के तहत राज्य सरकार की 'उन्नति का पहिया' योजना के अंतर्गत बुधवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय के आठवीं कक्षा के 65 छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि पंचू रजवार ने छात्र-छात्राओं को साइकिलें सौंपी। साइकिल मिलने पर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। प्रखंड कल्याण पदाधिकारी विवेकानंद पटेल ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना तथा शिक्षा के प्रति उनका उत्साह बढ़ाना है। इस अवसर पर विद्यालय के वरीय शिक्षक रामनाथ राम, मुखिया प्रतिनिधि रौशन कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय में एसआईआर को लेकर चुनाव पाठशाला आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त एवं जिला शिक्षा अधीक्षक के निर्देश पर इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तहत पीएमश्री प्लस-टू कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, हुसैनाबाद में चुनाव पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवा एवं भावी मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदाता सूची के महत्व तथा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रति जागरूक करना था। इस दौरान छात्राओं को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता, उसके उद्देश्य तथा पात्र नागरिकों का नाम त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची में शामिल कराने के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही मतदान के अधिकार एवं जिम्मेदार नागरिक के कर्तव्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वार्डेन सह शिक्षिका वंदना पांडेय ने छात्राओं से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी एसआईआर अभियान के प्रति जागरूक करने की अपील की। जागरूकता बढ़ाने के लिए पेंटिंग, पोस्टर, निबंध, रंगोली एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। छात्राओं ने अपनी रचनाओं के माध्यम से शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शिक्षिका दीपमाला कुमारी, शारदा भारती, आरजू खान, नीलम मेहता, मीना देवी, सुमन कुमारी, चांदनी कुमारी, मनीष सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

पहले दिन 120 एलपीजी सिलेंडरों का वितरण

● 50 सिलेंडर काउंटर से और 70 की हुई होम डिलीवरी, जल्द मिलेगी पूरी आपूर्ति

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड मुख्यालय स्थित चौहान इंडेन गैस एजेंसी द्वारा बुधवार को उपभोक्ताओं के बीच 120 भरे हुए एलपीजी सिलेंडरों का वितरण किया गया। एजेंसी के प्रबंधक अक्षय सिंह ने बताया कि इनमें 50 सिलेंडर एजेंसी के काउंटर से तथा 70 सिलेंडरों की होम डिलीवरी की गई। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शेष सभी भरे हुए सिलेंडर भी ग्राहकों को उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार को प्लांट से सिलेंडरों की खेप लेकर निकला ट्रक बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे गोदाम पहुंचा। इसके बाद पूर्वाह्न 11 बजे से उपभोक्ताओं को सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू कर दी गई। प्रबंधक ने कहा कि एक ट्रक में 342 भरे हुए सिलेंडरों की खेप आती है और उसके पहुंचते ही वितरण प्रारंभ कर दिया जाता है, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से सिलेंडरों की उपलब्धता की नियमित जानकारी साझा किए जाने से उपभोक्ताओं को गैस संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एजेंसी पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ ग्राहकों को बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज

मारपीट, लूटपाट और जातिसूचक गाली देने के आरोप; पुलिस जांच में जुटी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अघेरियाकला गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। एक पक्ष के निलेश कुमार (पिता–सुरेंद्र बैठा) ने आवेदन में आरोप लगाया है कि 29 जून की सुबह जपला जाने के दौरान गांव के कुएं के पास श्रीराम सिंह, जयराम सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, सूरज कुमार सिंह, चंदन कुमार सिंह एवं विन्ध्याचल सिंह ने हॉकी, लाठी और डंडे से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। उनका इलाज अनुमंडलीय अस्पताल, हुसैनाबाद में कराया गया। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट के दौरान उनके गले से करीब 60 हजार रुपये मूल्य की सोने की चेन और जेब से पांच हजार रुपये नकद छीन लिए गए। साथ ही जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं दूसरे पक्ष के विन्ध्याचल सिंह (पिता–मुन्द्रिका सिंह) ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि निलेश बैठा, सुरेंद्र बैठा, मनिया देवी, कामेश्वर सिंह, चंदन सिंह, आकाश कुमार सिंह, अमन कुमार, अमित कुमार सिंह, नरेश सिंह, जनम देवी उर्फ कमला देवी, फिरोज अंसारी, रामाधार शर्मा, महेंद्र साव सहित अन्य लोग तलवार, कुल्हाड़ी, लोहे की रॉड एवं अन्य हथियार लेकर उनके घर पहुंचे और जानलेवा हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना में उन्हें, उनके भाई एवं पुत्र को गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई तथा गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया गया। विन्ध्याचल सिंह ने घटना का कारण पैतृक जमीन को लेकर चल रहा विवाद बताया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। हुसैनाबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चैनपुर पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को लेकर बुधवार को चैनपुर पुलिस ने शाहपुर कोयल पुल स्थित चेक पोस्ट पर वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान एएसआई टीपी रजक ने बताया कि थाना क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के लिए प्रेरित करना है। जांच के दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन के कागजात, हेलमेट सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गहन जांच की गई। पुलिस ने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

मलय डैम की टूटी नहर पर किसानों का फूटा आक्रोश

105 गांवों के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से मिलकर शीघ्र मरम्मत कराने का लिया निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। मलय डैम की चैनल संख्या-18 (सतबहिनी) पिछले छह माह से क्षतिग्रस्त रहने के कारण सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने से किसानों में भारी नाराजगी है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को पोलपोल पंचायत भवन में 105 गांवों के किसानों, जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पोलपोल पंचायत के मुखिया आनंद कुमार ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गुरुवार को किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल पलामू उपायुक्त से मिलकर नहर की अविलंब मरम्मत कराने की मांग करेगा। किसानों ने कहा कि छह माह बीत जाने के बावजूद नहर की मरम्मत नहीं होने से खरीफ खेती पर संकट गहरा गया है। यदि शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि मलय डैम की यह नहर क्षेत्र के 105 गांवों की सिंचाई का प्रमुख स्रोत है। इसके क्षतिग्रस्त रहने से हजारों एकड़ कृषि भूमि प्रभावित हो रही है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की। बैठक में पूर्व जिला परिषद सदस्य अर्जुन सिंह, लहलहे पंचायत के मुखिया संजय यादव, पंचायत समिति सदस्य पति सुभाष तिवारी, महेश्वर सिंह, सांसद प्रतिनिधि (सदर) सुशील सिंह, मंडल अध्यक्ष आनंद सिंह, निर्मल सिंह, कृष्णा मेहता, उमापति सिंह, मोहम्मद टुनटुन, पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद जुबेर, हीरानंद सिंह, कमलेश पांडेय, जवाहर चंद्रवंशी, नंदकिशोर राम, रामेश्वर चौधरी, वीरेंद्र सिंह, प्रभुनाथ राम सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। बैठक में सतबरवा, पोंची, लहलहे, झाबर, कुंडलेवा, पोलपोल, बड़ी पोंची, हलुमाड़, मानासोती समेत 105 गांवों के किसानों ने नहर की शीघ्र मरम्मत की मांग का समर्थन किया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों को भावभीनी विदाई, सम्मान समारोह आयोजित

● शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते, समाज को जीवनभर दिशा देते हैं : सुदामा प्रसाद

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा। प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय, सरईडीह में बुधवार को सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक अनुज कुमार यादव ने की, जबकि संचालन नीरज कुमार पांडेय ने किया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य सुदामा प्रसाद एवं प्रखंड प्रमुख रेशम कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सुदामा प्रसाद ने कहा कि शिक्षक समाज की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। आज जो व्यक्ति नेता, अधिकारी या जनप्रतिनिधि बनता है, उसके पीछे किसी न किसी शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होते, बल्कि सरकारी सेवा से नियमानुसार सेवानिवृत्त होते हैं। समाज के निर्माण में उनका योगदान जीवनभर बना रहता है। उन्होंने विद्यालय के विकास में सेवानिवृत्त शिक्षकों शिवपूजन प्रसाद सिंह, महादेव प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद एवं सीताराम प्रसाद के योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। कार्यक्रम में दीपक पासवान, मनीराम बागड़ी, सरईडीह मुखिया प्रतिनिधि धनंजय प्रसाद सहित विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधे लगाए गए

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज (पलामू)। विश्व पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन (पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल) की ओर से पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में बुधवार को पूर्व मध्य रेल इंटर कॉलेज परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत मेगा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना, महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष चित्रा सिंह, अपर मंडल रेल प्रबंधक कुलदीप सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी, संगठन की सदस्याएं, विद्यालय के प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। अभियान के दौरान 600 पौधे लगाए गए। विद्यार्थियों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष चित्रा सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता तथा आजीवन जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। मंडल रेल प्रबंधक उदय सिंह मीना ने विद्यार्थियों से अधिक समय मोबाइल और स्क्रीन पर व्यतीत करने के बजाय प्रकृति से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने प्रत्येक विद्यार्थी से एक पौधा लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। अभियान के तहत चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें लगभग 603 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व तथा प्रकृति एवं मातृत्व के भावनात्मक संबंध को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

केनरा बैंक का 121वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

हैदरनगर। केनरा बैंक की हैदरनगर शाखा में बैंक का 121वां स्थापना दिवस उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्राहकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई। शाखा प्रबंधक रघुवेंद्र कुमार ने बैंक की 121 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्राहकों के विश्वास और सहयोग के कारण केनरा बैंक आज देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए है।

डिजिटल कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर-पीतांबरपुर। किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर से सांगबार की मुखिया गीता देवी एवं प्रधान सहायक सूरज कुमार राम ने संयुक्त रूप से डिजिटल कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी आलोक कुमार तिवारी ने कहा कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी 'डिजिटल कृषि रथ' योजना का उद्देश्य किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, फसल प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, जैविक खेती तथा सरकारी कृषि योजनाओं की जानकारी सरल एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि यह रथ ग्राम पंचायत स्तर तक भ्रमण कर किसानों को जागरूक करेगा, जिससे वे नई तकनीकों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकेंगे और उनकी आय में वृद्धि होगी। उन्होंने किसानों से अपील की कि कृषि रथ गांव पहुंचने पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त करें तथा सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं। मौके पर सहायक तकनीकी प्रबंधक अनिल कुमार, अशोक प्रसाद, सत्येंद्र पासवान सहित कृषि विभाग के अन्य कर्मी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रेल सुविधाओं की मांग को लेकर 5 जुलाई को धरना और चक्का जाम

हैदरनगर। रेल उपभोक्ता समिति की बैठक में क्षेत्र की वर्षों पुरानी रेल समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 5 जुलाई को हैदरनगर रेलवे स्टेशन परिसर में धरना एवं चक्का जाम करने का निर्णय लिया गया। समिति ने कहा कि यह आंदोलन क्षेत्र के यात्रियों, श्रद्धालुओं एवं आम जनता के रेल अधिकारों की लड़ाई है। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि एनएसजी-5 श्रेणी का स्टेशन होने के बावजूद हैदरनगर रेलवे स्टेशन पर आज भी यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, जबकि देश के कई छोटे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत आधुनिक सुविधाओं से विकसित किए जा रहे हैं।

स्कूल से टीसी लेने निकली छात्रा की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद (पलामू)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से 18 वर्षीय छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान सोनपुरवा गांव निवासी सतेंद्र मेहता की 18 वर्षीय पुत्री बबिता कुमारी के रूप में हुई है। बताया जाता है कि बबिता अपने विद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) लेने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान वह रेलवे ट्रैक पर ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रेलवे ट्रैक पर शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका के पास मिले एडमिट कार्ड के आधार पर उसकी पहचान की गई। घटना की जानकारी मिलते ही हुसैनाबाद के एसडीपीओ (आईपीएस) दिव्यांश शुक्ला, थाना प्रभारी चंदन कुमार तथा जपला आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि यह हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

एसआईआर को लेकर विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का होगा सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड के रामबांध पंचायत अंतर्गत तारा स्थित आदर्श राजकीयकृत प्लस-टू रहमानिया उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को जागरूकता रैली निकाली। रैली विद्यालय के पोषक क्षेत्र में निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां एवं स्वयं तैयार किए गए पोस्टर और पेंटिंग लेकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के महत्व की जानकारी दी। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने बताया कि अभियान के माध्यम से लोगों को एसआईआर की आवश्यकता, उद्देश्य तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित एवं अद्यतन रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय में 4 जुलाई को अभिभावक-शिक्षक गोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जागरूकता अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ-साथ मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट के सभी संकायों के टॉप-10 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

विद्यार्थी को सम्मानित करना अपने दायित्वों प्रति निर्वहन करने में सहायक: प्रधानाध्यापक

प्रधानाध्यापक ने कहा कि विद्यालय के विद्यार्थी नियमित अध्ययन के साथ-साथ सरकार की विभिन्न जनजागरूकता योजनाओं में भी सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसी कारण समय-समय पर उन्हें सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि उनका मनोबल बना रहे और वे समाज के प्रति अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सकें।

किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए 15 दिवसीय डिजिटल जागरुकता अभियान शुरु

● तीन डिजिटल कृषि रथों को उपायुक्त ने दिखाई हरी झंडी, गांव-गांव पहुंचकर देंगे योजनाओं और नई तकनीकों की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक खेती तथा कृषि विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से पलामू में 15 दिवसीय डिजिटल कृषि जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। बुधवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने समाहरणालय परिसर से तीन डिजिटल कृषि जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह विशेष अभियान जिले के सभी प्रखंडों एवं ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा। निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार जागरूकता रथ पंचायतों का भ्रमण करेंगे और ऑडियो-वीडियो तथा डिजिटल माध्यमों से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, उन्नत बीज, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, कृषि यंत्रीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती सहित विभिन्न कृषि गतिविधियों की जानकारी देंगे। उपायुक्त ने कहा कि अभियान का उद्देश्य किसानों तक कृषि एवं इससे संबंधित विभागों की योजनाओं की जानकारी सरल और प्रभावी तरीके से पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक किसान सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय बढ़ा सकें।

उन्होंने किसानों से अपील की कि जागरूकता रथ उनके गांव पहुंचने पर वे सक्रिय रूप से इसमें भाग लें तथा कृषि विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों से संवाद कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें। अभियान के दौरान प्रत्येक पंचायत में किसान संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। इसमें कृषि विशेषज्ञ किसानों को आधुनिक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य पालन तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देंगे। साथ ही सरकारी योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और तकनीकी सहायता के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी दीपक वर्मा, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : उपायुक्त

● फॉर्म वितरण और डिजिटलीकरण में तेजी लाने के निर्देश, प्रतिदिन होगी प्रगति की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत गणना प्रपत्रों के वितरण एवं डिजिटलीकरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने स्पष्ट कहा कि निर्धारित समयसीमा के अनुरूप कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर संबंधित बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार को उपायुक्त ने अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों से गणना प्रपत्रों के वितरण एवं डिजिटलीकरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पाया कि दोनों कार्यों की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। इस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग के इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि 30 जून से बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण कर रहे हैं। इसके बाद इन प्रपत्रों का डिजिटलीकरण कर संबंधित अनुप्रयोग पर अद्यतन किया जाना है। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रतिदिन शाम पांच बजे बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा करें तथा प्रपत्र वितरण और डिजिटलीकरण में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक गणना प्रपत्र पहुंचना चाहिए और निर्धारित समय के भीतर सभी प्रपत्रों का डिजिटलीकरण भी पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने दो टूक कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत निर्धारित लक्ष्य सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉक्टर्स डे पर आईएमए ने लगाया रक्तदान शिविर

● चिकित्सकों ने किया रक्तदान, लोगों से भी आगे आकर रक्तदान करने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) पलामू की ओर से आईएमए हॉल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों ने स्वयं रक्तदान कर समाज के लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। आईएमए के चिकित्सकों ने कहा कि पलामू जिला ब्लड बैंक में अक्सर रक्त की कमी बनी रहती है। विशेष रूप से सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान से कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचाया जा सकता है। चिकित्सकों ने कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति निर्धारित अंतराल पर रक्तदान कर सकता है। उन्होंने आम लोगों से भी आगे आकर नियमित रूप से रक्तदान करने तथा दूसरों को इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। आईएमए के पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव जीवन बचाने का सबसे बड़ा माध्यम है। समाज के अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता से ही रक्त की कमी की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

झारखंड की पहली रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की सफलता पर डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ सम्मानित

● प्रेस क्लब पलामू ने अंगवस्त्र व स्मृति-चिह्न देकर किया सम्मान, डॉ. प्रवीण बोले- पलामू की जनता को आधुनिक चिकित्सा सुविधा देना मेरा सपना था

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड में पहली सफल रोबोटिक टोटल नी रिप्लेसमेंट (घुटना प्रत्यारोपण) सर्जरी करने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ को प्रेस क्लब पलामू की ओर से सम्मानित किया गया। मंगलवार को स्थानीय निर्मला मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रेस क्लब के सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

प्रेस क्लब पलामू की बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि झारखंड में पहली बार रोबोटिक तकनीक से सफल घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी कर पलामू का नाम गौरवान्वित करने के लिए डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ को सम्मानित किया जाए। सम्मान ग्रहण करने के बाद डॉ. प्रवीण सिद्धार्थ ने कहा कि उनकी डॉक्टरी शिक्षा का पहला उद्देश्य अपने क्षेत्र की जनता को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना था, जो अब पूरा हुआ है। उन्होंने कहा कि उन्हें सबसे अधिक खुशी इस बात की है कि अपनी जन्मभूमि के लोगों को महानगरों जैसी चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करा पा रहे हैं।

उन्होंने राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकारी कर्मियों के लिए संचालित स्वास्थ्य बीमा योजना से रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण जैसी महंगी सर्जरी भी अपेक्षाकृत कम खर्च में संभव हो रही है। उन्होंने सरकारी कर्मियों एवं उनके आश्रितों को हड्डी संबंधी किसी भी समस्या के लिए विशेषज्ञ परामर्श लेने की अपील की।

एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. सिद्धार्थ ने बताया कि उन्होंने रोबोटिक घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी का विशेष प्रशिक्षण सिंगापुर के एक प्रतिष्ठित अस्पताल से प्राप्त किया है।

इस अवसर पर प्रेस क्लब पलामू के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, अश्विनी कुमार घई सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पीएलवी गांव-गांव पहुंचकर कानूनी अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति करें जागरूक : सचिव

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) के सचिव राकेश रंजन ने बुधवार को पारा विधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी पीएलवी को अपने-अपने क्षेत्र में आम लोगों को कानूनी अधिकारों, लोक अदालत और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया।

सचिव ने कहा कि पीएलवी गांवों में जाकर बाल विवाह, मानव तस्करी, नशा उन्मूलन, डायन-बिसाही कुप्रथा, पीड़ित प्रतिकर योजना तथा प्राकृतिक आपदाओं में मिलने वाली सरकारी सहायता की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने बरसात के मौसम में ठनका (वज्रपात), विषैले जीव-जंतुओं के काटने तथा सड़क दुर्घटना में आकस्मिक मृत्यु होने पर अंचल कार्यालय से मिलने वाली सहायता राशि के संबंध में भी लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान सचिव ने पीएलवी के दैनिक कार्यों की समीक्षा की और उन्हें अधिक सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विधिक सहायता रक्षा अधिवक्ता (एलएडीसी) के मुख्य अधिवक्ता अमिताभ चंद्र सिंह ने कहा कि पीएलवी जरूरतमंद, असहाय और बुजुर्ग लोगों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। वहीं उप मुख्य अधिवक्ता (डिप्टी चीफ) संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि पीएलवी थाना एवं पंचायत स्तर पर गरीब और वंचित लोगों को सुलभ न्याय दिलाने के लिए नियुक्त किए गए हैं। उन्हें सेवा भाव से कार्य करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने पीएलवी को जेल में बंद व्यक्तियों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें सरकारी सहायता योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने तथा छोटे-मोटे विवादों का समाधान आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से कराने के लिए लोगों को प्रेरित करने का भी निर्देश दिया।

हृदयानंद मिश्र के आवास पहुंचीं महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रमा खलखो, हुआ आत्मीय स्वागत

● सौहार्दपूर्ण मुलाकात में संगठनात्मक एकता, हूल क्रांति और सामाजिक सरोकारों पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष एवं रांची की पूर्व मेयर रमा खलखो ने बुधवार को अपने सहयोगियों के साथ मेदिनीनगर के गायत्रीनगर (सुदना) स्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेता, हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस समन्वय समिति के सदस्य हृदयानंद मिश्र के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। उनके साथ रांची की पूर्व वार्ड पार्षद सविता कुजूर, अनिता तिर्की सहित कई कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

आवास पहुंचने पर हृदयानंद मिश्र एवं उनकी धर्मपत्नी बिमला मिश्रा ने सभी अतिथियों का पारंपरिक ढंग से स्वागत किया। बिमला मिश्रा ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया, जबकि हृदयानंद मिश्र ने रमा खलखो को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर डॉ. सुमित मिश्रा, अन्नपूर्णा मिश्रा तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

मुलाकात के दौरान रमा खलखो ने हृदयानंद मिश्र को अपना बड़ा भाई बताते हुए कहा कि उनके घर आकर उन्हें पारिवारिक अपनापन महसूस हुआ। उन्होंने कहा कि पलामू आने पर वह आगे भी इस घर को अपना घर मानकर आती रहेंगी। इस दौरान उन्होंने हृदयानंद मिश्र एवं बिमला मिश्रा का आशीर्वाद भी लिया।

बैठक के दौरान हूल क्रांति, आदिवासी इतिहास तथा सामाजिक सरोकारों पर भी चर्चा हुई। रमा खलखो ने हृदयानंद मिश्र से हूल क्रांति की वीरांगनाओं फूलो-झानो के योगदान पर शोधपरक लेख लिखने का आग्रह किया। इस पर हृदयानंद मिश्र ने कहा कि वे इस विषय पर विस्तृत आलेख तैयार करेंगे, ताकि नई पीढ़ी इन वीरांगनाओं के साहस और बलिदान से परिचित हो सके।

कार्यक्रम में इंटक के वरिष्ठ नेता राजकुमार सिंह, झारखंड प्रदेश कांग्रेस शिक्षा विभाग के अध्यक्ष श्याम नारायण सिंह, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव बिट्टू पाठक, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष नवल किशोर पाठक, पूर्व उपाध्यक्ष विद्या सिंह चेरो, स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष विनोद पाठक, अधिवक्ता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमित पांडेय, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष तिवारी, कांग्रेस नेता गणेश रवि सहित कई कांग्रेस पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक एकता, पारस्परिक सम्मान और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया।

जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी के नेतृत्व में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा

● कांग्रेस नेताओं ने किया बूथों का दौरा

● पात्र मतदाताओं का नाम सूची में सुनिश्चित कराने और मतदान अधिकार की सुरक्षा पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष बिमला कुमारी के नेतृत्व में बुधवार को विश्रामपुर एवं हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्रों के विश्रामपुर, उटारी रोड और हुसैनाबाद प्रखंडों का दौरा कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न पंचायतों के बूथों का निरीक्षण कर अभियान की प्रगति का जायजा लिया गया। जिला प्रभारी विनय सिन्हा उर्फ दीपु ने कहा कि दौरे के दौरान कांग्रेस के बीएलए-2, मंडल अध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस लगातार सक्रिय है तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराना प्राथमिकता है। जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि कांग्रेस के बीएलए-2 और सभी पदाधिकारी पंचायत एवं बूथ स्तर पर सक्रिय होकर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में लोगों की सहायता कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे समय रहते विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया पूरी कर अपने मतदान के अधिकार को सुरक्षित करें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित न रहे। दौरे के दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी सत्यानंद दुबे, विजय चौबे, विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुधीर चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, महासचिव सत्येंद्र सिंह, गोपाल शर्मा, राजा पाठक, गोपाल त्रिपाठी, जितेंद्र कमलापुरी, विवेकानंद त्रिपाठी, विश्रामपुर प्रखंड अध्यक्ष रवींद्र शुक्ला, उटारी रोड प्रखंड अध्यक्ष रिंकू सिंह, हैदरनगर प्रखंड अध्यक्ष गुप्तेश्वर पांडे, हुसैनाबाद प्रखंड अध्यक्ष शैलेश सिंह सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विनोद सिंह बने प्रेस क्लब पलामू के अध्यक्ष

संगठन विस्तार और पंजीकरण कराने का लिया गया निर्णय, चार नए पत्रकार हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रेस क्लब पलामू की बैठक में सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार विनोद सिंह को संगठन का जिला अध्यक्ष चुना गया।

मंगलवार को स्थानीय सर्किट हाउस में शैलेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार चंद्रदेव प्रजापति ने विनोद सिंह के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका सभी सदस्यों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच समर्थन किया।

इसके बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माला एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। बैठक में प्रेस क्लब को अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए संगठन के विस्तार और विधिवत पंजीकरण कराने का भी निर्णय लिया गया।

इसी क्रम में पंडवा के शशिभूषण सिंह उर्फ पप्पू सिंह, मनातू के अनिल कुमार, पांकी के अमलेश ठाकुर तथा तरहसी के चंदन कुमार राय को संगठन की सदस्यता प्रदान की गई।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष विनोद सिंह ने संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का भरोसा दिलाया। बैठक में अश्विनी कुमार घई, रमाकांत प्रसाद, चंदन लाल मंडल, चंद्रदेव प्रजापति, संजीव कुमार प्रजापति, अमित कुमार शर्मा, अमलेश ठाकुर, अनिल कुमार, चंदन कुमार राय, शशिभूषण सिंह सहित अन्य पत्रकार उपस्थित थे।

ग्रासरूट इनोवेशन इंटर्नशिप के तहत छात्राओं ने किया गांव का शैक्षिक भ्रमण

● लोहड़ा पंचायत में ग्रामीण जीवन, कृषि और स्थानीय नवाचारों का किया अध्ययन

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। ग्रासरूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम के तहत वाईएसएनएम कॉलेज के जूलॉजी विभाग की छात्राओं ने मंगलवार को सहायक प्राध्यापिका शालिनी मुर्मू के नेतृत्व में पंडवा प्रखंड की लोहड़ा पंचायत स्थित लोहड़ा गांव का शैक्षिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने ग्रामीणों से संवाद कर उनके जीवन, आजीविका और कृषि व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। जूलॉजी विभाग की टीम-1 में टीम लीडर आस्था सिंह, इशिका सिंह, काजल कुमारी और सिमरन खानम शामिल थीं। छात्राओं ने ग्रामीणों के रहन-सहन, खेती की पारंपरिक पद्धतियों, उगाई जाने वाली फसलों एवं साग-सब्जियों के साथ-साथ सिंचाई के संसाधनों का अध्ययन किया।

महाविद्यालय की ओर से बताया गया कि आगामी दिनों में टीम लोहड़ा पंचायत के अन्य गांवों का भी शैक्षिक भ्रमण करेगी। इस दौरान स्थानीय औषधीय पौधों, पारंपरिक कृषि तकनीकों, हस्तशिल्प तथा ग्रामीण ज्ञान प्रणाली का अध्ययन किया जाएगा। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, पर्यावरण और आजीविका से जुड़ी समस्याओं को भी समझने का प्रयास किया जाएगा। जूलॉजी विभाग की दूसरी टीम भी इसी इंटर्नशिप योजना के तहत पंडवा पंचायत के अन्य गांवों का भ्रमण करेगी। दोनों टीमों का मार्गदर्शन विभाग की सहायक प्राध्यापिका शालिनी मुर्मू मेंटर के रूप में कर रही हैं।

दोनों टीमें अपने अध्ययन के आधार पर विलेज विजिट रिपोर्ट तैयार कर झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को सौंपेंगी। ग्रासरूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके तहत चार छात्र-छात्राओं की टीम बनाकर किसी एक पंचायत के कम से कम दो गांवों का अध्ययन कराया जाता है। योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण विकास, स्थानीय चुनौतियों, जमीनी नवाचारों तथा ग्रामीण समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ना है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को स्थानीय समुदायों के साथ जोड़ते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार करने वाले लोगों की पहचान और उनके कार्यों के अध्ययन का अवसर प्रदान करती है।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णत: गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

दृष्टिपात

आवास के अभाव में पारिवारिक विवाद के बाद महिला ने खाया जहर, इलाज के दौरान मौत

मेराल। प्रखंड के संगबरिया पंचायत अंतर्गत राजहरा गांव में आवास के अभाव में उपजे पारिवारिक विवाद के बाद एक महिला की जहर खाने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और अबुआ आवास योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर कई सवाल उठने लगे हैं। मृतका की पहचान रबीना खातून, पत्नी अनवर अंसारी, के रूप में हुई है। बताया जाता है कि लंबे समय से पक्का मकान नहीं होने के कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। मंगलवार को भी इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जिसके बाद मानसिक तनाव में महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां से बेहतर इलाज के लिए डाल्टनगंज रेफर किया गया। हालांकि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पड़ोसी कदम रसूल अंसारी ने बताया कि परिवार लंबे समय से आवास की समस्या से जूझ रहा था। महिला अपने पीछे दो छोटे बच्चों को छोड़ गई है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पात्र परिवार को समय पर सरकारी आवास मिल जाता तो संभवतः यह दुखद घटना टाली जा सकती थी। लोगों ने आरोप लगाया कि कई पात्र परिवार आज भी आवास योजना के लाभ से वंचित हैं, जबकि कुछ अपात्र लोगों को लाभ मिलने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। बीडीसी प्रतिनिधि रमेश बैठा ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी आवास योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने मृतका के परिवार को प्राथमिकता के आधार पर आवास उपलब्ध कराने और योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर मिलाप मेडिकल हॉस्पिटल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

गढ़वा। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर बुधवार को मिलाप मेडिकल हॉस्पिटल में डॉ. बिधान चंद्र राय की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर केक काटकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श शिविर लगाया गया। शिविर में 60 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाइयां तथा चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। डॉ. असजद अंसारी ने कहा कि मरीज के चेहरे पर लौटती मुस्कान ही डॉक्टर का सबसे बड़ा पुरस्कार है। डॉ. महजबी यमानी ने सेवा और मानवता को चिकित्सा पेशे की पहचान बताया। वहीं डॉ. शमशेर सिंह, डॉ. सुमित प्रसाद और डॉ. पल्लवी सिंह ने नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर उपचार और मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार पर बल दिया। कार्यक्रम में अस्पताल के चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया और भविष्य में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया।

भारतीय स्टेट बैंक का 71वां स्थापना दिवस मनाया गया, ग्राहकों के विश्वास को बताया सबसे बड़ी पूंजी

श्री बंशीधर नगर। भारतीय स्टेट बैंक की श्री बंशीधर नगर शाखा में बुधवार को बैंक का 71वां स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ पेंशनर शारदा महेश प्रताप देव, पेंशनर समाज के अनुमंडल अध्यक्ष गजाधर पांडेय एवं शाखा प्रबंधक सरोज कुमार केसरी ने संयुक्त रूप से केक काटकर किया। इस अवसर पर बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्कृष्ट ग्राहक सेवा, पारदर्शी कार्यसंस्कृति तथा बैंक की निरंतर प्रगति के लिए सामूहिक संकल्प लिया। शाखा प्रबंधक सरोज कुमार केसरी ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है और ग्राहकों का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कर्मचारियों से ग्राहकों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार, पारदर्शिता और बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए बैंक को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को बैंक की विभिन्न बचत योजनाओं, ऋण सुविधाओं, बीमा सेवाओं तथा डिजिटल बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई और अन्य डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर बैंक परिसर को आकर्षक ढंग से गुब्बारों से सजाया गया था। कार्यक्रम में बैंक के फील्ड ऑफिसर, पेंशनर समाज के कोषाध्यक्ष शिवनारायण चौबे, राजकिशोर प्रताप देव, सेवानिवृत्त दारोगा गिरिवर राम, देवकुमार, आनंद कमलापुरी, संतोष कमलापुरी, प्रदीप शुक्ला सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ग्राम सेवा परियोजना के तहत 40 छात्राओं को मिली साइकिल

रमना। एसबीआई फाउंडेशन से वित्तपोषित तथा केजीवीके द्वारा संचालित ग्राम सेवा परियोजना के तहत ग्राम सेवा केंद्र सिलीदाग में बुधवार को 40 जरूरतमंद छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सिलीदाग पंचायत की मुखिया अनीता देवी, गमहरिया पंचायत की मुखिया पानपती देवी तथा भारतीय स्टेट बैंक, रमना शाखा के प्रबंधक जितेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से छात्राओं को साइकिलें प्रदान कीं। मुखिया अनीता देवी एवं पानपती देवी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। साइकिल मिलने से उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, समय की बचत होगी और वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगी। शाखा प्रबंधक जितेंद्र कुमार ने बताया कि ग्राम सेवा परियोजना का उद्देश्य शिक्षा, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, आजीविका, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास को गति देना है। वहीं केजीवीके के प्रतिनिधि धर्मेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि छात्राओं को साइकिल उपलब्ध कराने से उनकी शिक्षा और कौशल विकास तक पहुंच आसान होगी। कार्यक्रम में छात्राओं एवं उनके अभिभावकों ने एसबीआई फाउंडेशन और केजीवीके के प्रति आभार व्यक्त किया।

जर्जर आयुष्मान आरोग्य मंदिर से प्रभावित हो रही स्वास्थ्य सेवाएं

केतार (गढ़वा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जर्जर स्थिति के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। केंद्र में पदस्थापित एएनएम अनुराधा कुमारी ने भवन की मरम्मत और आधारभूत सुविधाएं बहाल कराने की मांग करते हुए संबंधित विभाग का ध्यान इस ओर आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक केंद्र बंद रहने के कारण यहां की अधिकांश आधारभूत सुविधाएं खराब हो चुकी हैं। पानी का मोटर खराब है, शौचालय उपयोग योग्य नहीं है, कमरों की खिड़कियां क्षतिग्रस्त हैं तथा बिजली व्यवस्था भी बदहाल है। कई लाइटें खराब हैं और भवन का रंग-रोगन भी उखड़ चुका है। एएनएम ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था नहीं होने से भी परेशानी बढ़ गई है। घाटी क्षेत्र के समीप स्थित इस केंद्र में बिजली, पानी और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में अकेले 24 घंटे स्वास्थ्य सेवाएं देना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने विभाग से भवन की शीघ्र मरम्मत, बिजली-पानी की समुचित व्यवस्था, शौचालय एवं खिड़कियों की मरम्मत, रंग-रोगन और सुरक्षा गार्ड की तैनाती सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सेल परिसर से ट्रांसफॉर्मर और समरसेबल पंप की चोरी, प्रबंधन ने थाने में की शिकायत

भवनाथपुर। सेल परिसर के आवासीय क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामले में अंबेडकर पार्क के समीप स्थित पुराने 500 केवीए ट्रांसफॉर्मर तथा माइंस अस्पताल सह प्रशासनिक भवन में लगे समरसेबल पंप की चोरी हो गई। मामले में सेल प्रबंधन ने भवनाथपुर थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, पिछले लगभग एक वर्ष से माइंस अस्पताल भवन में ही सेल का प्रशासनिक कार्यालय संचालित हो रहा है।

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में योजनाओं, विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं और शैक्षणिक गुणवत्ता की हुई विस्तृत समीक्षा

शिक्षा व्यवस्था में सुधार पर गढ़वा उपायुक्त सख्त, लापरवाही पर स्पष्टीकरण के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को टाउन हॉल में शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। खराब प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने तथा आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, बीपीओ, बीपीएम, बीआरपी, सीआरपी, एमआईएस समन्वयक एवं विद्यालयों के

प्रधानाचार्यों से विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं होने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताते हुए नियमित निरीक्षण और प्रभावी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रखंडों में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि छात्र उपस्थिति मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। कमजोर प्रदर्शन वाले जिम्मेदार अधिकारियों से स्पष्टीकरण लेने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में समग्र शैक्षणिक प्रगति, जिला रैंकिंग, छात्र-शिक्षक उपस्थिति, आधार और बायोमेट्रिक अपडेट, निपुण भारत मिशन, पीएम-श्री विद्यालय, पलाश कार्यक्रम, पीएम पोषण (मध्याह्न भोजन), स्मार्ट क्लास, स्वास्थ्य जांच, आयरन-फोलिक एसिड वितरण, सतत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण, यू-डायस, न्यायालय से संबंधित मामलों तथा समग्र शिक्षा के लंबित कार्यों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अभिभावकों को अपार आईडी के महत्व की जानकारी दी जाए तथा सरकारी विद्यालयों में नामांकन लेकर निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना की ओर से "गढ़वा लर्न्स, गढ़वा लीड्स" पहल की विस्तृत जानकारी दी गई। उपायुक्त ने कहा कि यह कार्यक्रम जिले में शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों में गुणात्मक सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के सभी कर्मियों से सकारात्मक सोच और समर्पण के साथ कार्य करने की अपील की। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रेमलता मुर्मू, जिला शिक्षा पदाधिकारी कैसर रजा, जिला शिक्षा अधीक्षक अनुराग मिंज सहित शिक्षा विभाग के सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है: उपायुक्त

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शिक्षा विभाग की सभी योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में पीएम पोषण योजना की जिला स्तरीय स्टीयरिंग सह मॉनिटरिंग समिति की भी समीक्षा की गई। विद्यालयों में निर्धारित मेन्यू के अनुसार पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने, खाद्यान्न वितरण, ऑनलाइन डाटा प्रविष्टि तथा किचन सह स्टोर की मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान बिना यू-डायस कोड वाले विद्यालयों और छात्रों की अपार आईडी से संबंधित समस्या पर भी चर्चा हुई।

तेली समाज ने शिक्षा और दहेज उन्मूलन पर लिया संकल्प

रंका। प्रखंड के बाहारा पंचायत में तेली समाज की बैठक अध्यक्ष जनेश्वर प्रसाद गुप्ता एवं संरक्षक पंकज गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शिक्षा, सामाजिक एकता, संगठन विस्तार और दहेज प्रथा उन्मूलन समेत कई विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने, दहेज प्रथा समाप्त करने और प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। समाज के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कोष गठन, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी तथा राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर भी सहमति बनी। अंत में समाज के सर्वांगीण विकास और संगठन की मजबूती के लिए सभी सदस्यों ने मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में गढ़वा की तेज प्रगति

- शत-प्रतिशत ईपी पार्ट्स डाउनलोड व प्रिंट, बीएलओ घर-घर पहुंचाकर बांट रहे गणना प्रपत्र

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत गढ़वा जिले में मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने का कार्य तेज गति से जारी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा के नेतृत्व में अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है और दोनों विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन तथा गणना प्रपत्रों का वितरण कर रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार गढ़वा और भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्रों में कुल 8,62,092 मतदाता सूचीबद्ध हैं। इनके लिए 957 बीएलओ तैनात किए गए हैं, जिनमें से 715 बीएलओ का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। अभियान के तहत दोनों विधानसभा क्षेत्रों के सभी ईपी पार्ट्स का शत-प्रतिशत डाउनलोड और प्रिंट कार्य पूरा कर लिया गया है। अब तक 27,611 गणना प्रपत्र मतदाताओं के बीच वितरित किए जा चुके हैं। इनमें से 472 प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन, 56 का ऑनलाइन सबमिशन तथा 416 प्रपत्रों का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में 4,26,661 मतदाताओं के लिए 455 बीएलओ कार्यरत हैं। यहां 16,645 गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं, जबकि 292 का डिजिटाइजेशन और 260 का सत्यापन पूरा हुआ है। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में 4,35,431 मतदाताओं के लिए 502 बीएलओ कार्यरत हैं। यहां अब तक 10,966 गणना प्रपत्र वितरित किए गए हैं तथा 180 का डिजिटाइजेशन और 156 का सत्यापन किया जा चुका है। जिला प्रशासन ने बताया कि मतदाता विवरण की मैपिंग का कार्य भी लगातार जारी है। अब तक 198 प्रपत्रों की मैपिंग तथा 218 प्रोजेनी मैपिंग पूरी हो चुकी है। उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि बीएलओ के घर आने पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं, गणना प्रपत्र समय पर भरकर जमा करें तथा अपने मतदाता विवरण का सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि पूरी तरह शुद्ध एवं विश्वसनीय मतदाता सूची तैयार की जा सके।

श्री बंशीधर नगर की बहू डॉ. मीरा ने हासिल की पीएचडी

श्री बंशीधर नगर। नगर उंटारी की बहू एवं व्यवसायी सह भाजपा नेता अशोक सेठ की पत्नी मीरा कुमारी ने हिंदी विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर परिवार और पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। रामचंद्र चंद्रवंशी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजय कुमार झा ने उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। डॉ. मीरा ने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा बिहार के सासाराम में हुई। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और बाद में मान नगीना शाही महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में भी सेवाएं दीं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय पति अशोक सेठ और परिवार के सहयोग को दिया। इस उपलब्धि पर क्षेत्र के अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी।

डॉक्टर्स डे पर रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल गढ़वा, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा परमेश्वरी मेडिकल सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 35 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। पूर्व उप प्रमुख एवं आजसू पार्टी के जिला प्रवक्ता गोरखनाथ चौधरी ने रक्तदान करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। उन्होंने सभी स्वस्थ लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। आईएमए की सचिव डॉ. नीतू सिंह ने कहा कि रक्तदान पूरी तरह सुरक्षित प्रक्रिया है, जबकि डॉ. निशांत कुमार सिंह ने लोगों से भ्रांतियां दूर कर अधिक से अधिक रक्तदान करने का आह्वान किया।

शिक्षक राजेश्वर ठाकुर को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

केतार। स्तरोन्नत प्लस टू उच्च विद्यालय, छाताकुंड में शिक्षक राजेश्वर ठाकुर की सेवानिवृत्ति पर बुधवार को सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय परिवार एवं गणमान्य लोगों ने उनके लंबे शैक्षणिक, सामाजिक और संगठनात्मक योगदान को याद करते हुए भावभीनी विदाई दी। वक्ताओं ने कहा कि राजेश्वर ठाकुर ने अपने सेवाकाल में शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों और शिक्षक हितों से जुड़े आंदोलनों में भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कुछ समय तक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक के रूप में भी सफलतापूर्वक दायित्व निभाया। उनका अनुशासन, सरल स्वभाव और कर्तव्यनिष्ठा हमेशा शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगी।

नई रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

केतार (गढ़वा)। प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में विकसित भारत–रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई योजना की कार्यप्रणाली, पंजीकरण प्रक्रिया तथा श्रमिकों के ई-केवाईसी पर विस्तार से चर्चा की गई। बीडीओ ने बताया कि पूर्व में संचालित मनरेगा योजना के स्थान पर बुधवार से नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत सभी पंजीकृत एवं नए श्रमिकों के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य होगा। उन्होंने योजना से जुड़े मेंठों को नई व्यवस्था की पूरी जानकारी देने तथा पात्र श्रमिकों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने पंचायत सचिवों एवं रोजगार सेवकों से कहा कि वे गांव-गांव और टोला-टोला जाकर श्रमिकों को नई योजना के प्रावधानों, ई-केवाईसी, पंजीकरण और अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दें, ताकि पात्र लाभुकों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। बैठक में बीपीओ आनंद कुमार, नवपदस्थापित बीपीओ चितरंजन कुमार, अविनाश कुमार, पंचायत सचिव आयुषी चौबे, मुकेश मेहता, रोजगार सेवक रामकुमार प्रजापति, धीरेंद्र विश्वकर्मा, दीपक जायसवाल, सुधांशु यादव, दिनेश कुमार, पंकज सिंह, विनय कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बिजली सब स्टेशन के पास मोपेड बिजली के पोल से टकराई, एक गंभीर घायल

चिनिया। थाना क्षेत्र के चिनिया–कदवा मुख्य मार्ग पर स्थित छतैलिया गांव के समीप बिजली सब स्टेशन के पास बुधवार शाम करीब छह बजे एक सड़क दुर्घटना में मोपेड सवार 45 वर्षीय मुन्ना कोरवा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान चिखुरा पत्थर टोला निवासी मुन्ना कोरवा के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह कदवा रोड से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी टीवीएस मोपेड अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

भव्य कलशयात्रा के साथ ताली में प्रतिष्ठात्मक चंडी महायज्ञ का शुभारंभ

हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, पांच जुलाई को होगी मां दुर्गा की प्राण-प्रतिष्ठा और महाभंडारा

नवीन मेल संवाददाता

केतार। प्रखंड के मुकुन्दपुर पंचायत अंतर्गत ताली गांव में बुधवार को प्रतिष्ठात्मक चंडी महायज्ञ सह मां दुर्गा प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ का शुभारंभ भव्य कलशयात्रा के साथ हुआ। नवनिर्मित मां दुर्गा मंदिर परिसर से निकली कलशयात्रा में हजारों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे क्षेत्र में जय माता दी के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बना रहा। यज्ञाचार्य सौरभ भारद्वाज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इसके बाद श्रद्धालु अमराहीदह स्थित जलकुंड पहुंचे, जहां विधिवत पूजन के बाद कलश में पवित्र जल भरकर पुनः मंदिर परिसर लौटे। यज्ञशाला में कलश स्थापना के साथ महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ हुआ। यज्ञाचार्य ने बताया कि दो जुलाई को मूर्ति का कर्मकुटी संस्कार, तीन जुलाई को मंडप पूजन, चार जुलाई को मूर्ति नगर परिक्रमा तथा पांच जुलाई को मां दुर्गा की प्राण-प्रतिष्ठा एवं महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन शाम सात बजे से श्रीराम कथा का भी आयोजन होगा। इस अवसर पर ब्रह्मऋषि योगिराज जंगली बाबा, जिला परिषद सदस्य ज्वाला प्रसाद, समाजसेवी पंकज सिंह, मुखिया मूंगा साह, प्रदीप सिंह, गुड्डू साह, अनीश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार,
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
जिला नियोजन कार्यालय, लातेहार

सुनहरा अवसर सुनहरा अवसर सुनहरा अवसर

भर्ती कैम्प –सह– निबंधन कैम्प : 2026

झारखण्ड राज्य के बेरोजगार युवक/युवतियों की निजी क्षेत्र के कम्पनियों/प्रतिष्ठानों/संस्थानों में रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान करने हेतु जिला नियोजन कार्यालय, लातेहार के द्वारा एक दिवसीय भर्ती कैम्प –सह– निबंधन कैम्प का आयोजन दिनांक : 07.07.2026, दिन– मंगलवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से 4:00 बजे अपराह्न तक जिला खेल स्टेडियम, लातेहार परिसर में आयोजित किया जा रहा है।

इस भर्ती कैम्प हेतु कम्पनियों/प्रतिष्ठानों/संस्थानों से विभिन्न पदों हेतु रिक्तियाँ प्राप्त हो रही है। अन्य कम्पनियों/प्रतिष्ठानों/संस्थानों से लगातार सम्पर्क स्थापित की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा विभिन्न पदों हेतु रिक्तियाँ प्राप्त हो, जिससे युवक/युवतियों को ज्यादा से ज्यादा रोजगार पाने का अवसर प्रदान किया जा सके। इस भर्ती कैम्प–सह– निबंधन कैम्प में भाग लेने हेतु निम्न दस्तावेजों की आवश्यकता होगी :–

1. झारखण्ड राज्य के किसी भी नियोजनालय में निबंधित नियोजन कार्ड।
2. शैक्षणिक योग्यता से संबंधित कागजातों की छाया प्रति। 3. 2 कॉपी पासपोर्ट साईज फोटो
4. आधार कार्ड की छाया प्रति 5. स्थानीय निवास प्रमाण पत्र
6. जाति प्रमाण पत्र की छाया प्रति 7. बायोडाटा की दो कॉपी

इच्छुक उम्मीदवार उपरोक्त दस्तावेजों के बिना भाग नहीं ले सकते हैं। जो अपना निबंधन नियोजनालय में नहीं कराये हैं, वे अपना निबंधन ऑनलाईन विभाग के अधिकृत वेबसाईट https://jharniyojan. jharkhand. gov.in पर स्वयं कर सकते हैं या जिला नियोजन कार्यालय में उपस्थित होकर करा लें, ताकि आयोजित रोजगार मेला में भाग लें सकें।

लातेहार जिला के तमाम युवक/युवतियों से अपील है कि वे इस भर्ती कैम्प में भाग ले एवं अपनी योग्यता/इच्छानुरूप रोजगार पा कर अपने भविश्य को स्वर्णिम बनायें।

नोट : विशेष जानकारी के लिए जिला नियोजन कार्यालय, लातेहार से सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

।। आपके उज्जवल भविष्य के शुभ कामानाओं के साथ ।।

भर्ती कैम्प –सह– निबंधन कैम्प स्थल : जिला खेल स्टेडियम, लातेहार परिसर
दिनांक : 07.07.2026, दिन– मंगलवार
समय : 10:30 बजे पूर्वाह्न से 4:00 बजे अप0 तक

निवेदक,
जिला नियोजन पदाधिकारी,
लातेहार

PR.NO.383696 Labour Employment and Traning(26-27):D

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(गव्य विकास प्रभाग)
जिला गव्य विकास कार्यालय, लोहरदगा

दुधारू पशुपालकों के लिए आम सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में लोहरदगा जिला के दुधारू पशुपालकों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची स्थित दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण विषयक छः दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण हेतु मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयनित लाभुकों/डेयरी में दुध आपूर्तिकर्ता सदस्यों/JSLPS महिला समूह के सदस्य एवं अन्य दुधारू पशुपालकों से अनुरोध है कि प्रशिक्षण, प्रसार एवं कौशल विकास योजना अन्तर्गत निम्न वर्णित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु कार्यालय कार्य दिवस में आवेदन पत्र आमंत्रित/प्राप्त किया जा सकता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की विवरणी :–

क्रं	दिनांक	OSP		TSP		SCSP		कुल
		पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	
1	08.07.2026 to 13.07.2026	5	2	15	10	4	2	38
2	29.07.2026 to 03.08.2026	5	2	15	10	5	2	39
3	19.08.2026 to 24.08.2026	5	2	15	10	5	2	39
4	16.09.2026 to 21.09.2026	5	2	15	10	5	2	39
5	23.09.2026 to 28.09.2026	4	2	15	10	4	2	37
6	07.10.2026 to 12.10.2026	4	2	15	5	4	2	32
7	14.10.2026 to 19.10.2026	4	2	15	5	4	2	32
8	25.11.2026 to 30.11.2026	4	2	15	5	4	2	32
9	02.12.2026 to 07.12.2026	4	2	10	5	4	2	27
10	03.02.2027 to 08.02.2027	4	2	15	5	3	3	32
11	10.02.2027 to 15.02.2027	4	2	20	5	4	2	37
	कुल योग :–	48	22	165	80	46	23	384

शर्तें :–

- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत् चयनित लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी
- प्रशिक्षणार्थियों को अपने पास आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की मूल प्रति साथ रखना आवश्यक है।
- प्रशिक्षणार्थियों को अपने साथ बच्चा को लेकर प्रशिक्षण संस्थान जाना वर्जित है।
- प्रशिक्षणार्थी गंभीर रोग, अवसाद, मानसिक इत्यादि रोग से ग्रसित न हों।
- प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों के लिए भोजन एवं आवास की व्यवस्था निःशुल्क होगी।
- प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दैनिक भत्ता रू0 200/– प्रतिदिन एवं आने–जाने का मार्ग व्यय का भुगतान प्रशिक्षणार्थियों के बैंक खाता में प्रशिक्षण पश्चात् प्रशिक्षण संस्थान, राँची द्वारा किया जाएगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
लोहरदगा

PR 383682 Lohardaga(26-27).D

दृष्टिपात

प्री-मानसून एक्वा वीक की शुरुआत नन्हे बच्चों ने की जल क्रीड़ा

लातेहार। सरस्वती विद्या मंदिर, धर्मपुर में बुधवार से प्री-मानसून एक्वा वीक की शुरुआत हुई। पहले दिन शिशु वाटिका की नर्सरी कक्षा के बच्चों ने विद्यालय परिसर स्थित मिनी स्विमिंग पूल में जल क्रीड़ा का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने किया। शिशु वाटिका प्रमुख गीता कुमारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जल के प्रति सहजता, आत्मविश्वास और तैराकी की प्रारंभिक समझ विकसित करना है। मातृ आचार्य शिल्पा कुमारी एवं सहयोगी मातृ आचार्य मनीष कुमारी की देखरेख में बच्चों ने पानी में उछल-कूद की और तैराकी की शुरुआती गतिविधियों का अनुभव प्राप्त किया। उन्हें डूबने और तैरने वाली वस्तुओं का प्रयोगात्मक ज्ञान भी दिया गया, जिससे उनकी जिज्ञासा और सीखने की रुचि बढ़ी। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था।

भाजपा के वरिष्ठ नेता उज्जवल कुमार दत्ता का निधन

चंदवा। चंदवा के श्रीराम चौक निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष उज्जवल कुमार दत्ता (60) का मंगलवार शाम निधन हो गया। वे लंबे समय से असाध्य बीमारी से पीड़ित थे। निधन के बाद मंगलवार रात को कोलकाता में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके परिवार में दो पुत्रियां हैं। उज्जवल कुमार दत्ता के निधन पर सांसद कालीचरण सिंह, विधायक प्रकाश राम सहित भाजपा के अनेक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने उनके निधन को संगठन एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया। भाजपा नेता महेंद्र साहू ने कहा कि स्व. दत्ता संगठन के समर्पित कार्यकर्ता थे और सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में हमेशा सक्रिय रहते थे। शोक व्यक्त करने वालों में पूर्वी मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष रिकी वर्मा, राजकुमार पाठक, अमित गुप्ता, आदर्श रविराज, अमित शाहदेव, निर्मल शर्मा, रामबृक्ष चौधरी, दीपक निषाद, सुबोध जायसवाल, गोपाल जायसवाल सहित कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता शामिल थे।

एसबीआई स्थापना दिवस पर विद्यार्थियों को मिली साइकिल व छात्रवृत्ति

मनिका। प्रखंड में सेपोर्ट संस्था द्वारा एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से संचालित एसबीआई ग्राम सेवा परियोजना के तहत एसबीआई बैंक के स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 10 विद्यार्थियों के बीच साइकिल तथा पांच छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं शिक्षा के महत्व के प्रति प्रेरित किया। साथ ही ग्रामीणों से शिक्षा एवं सामुदायिक विकास के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत की उपमुखिया ऊषा उरांव, परियोजना प्रबंधक पी.एम. जितेंद्र कुमार, एफओ-सह-एपीएम दिलीप रजक, निखिल कुमार, डॉ. अमर भगत, अपग्रेड मिडिल स्कूल औराटांड़ की प्रधानाध्यापिका दमयंती मिंज, अपग्रेड हाई स्कूल के सहयोगी शिक्षक राजेंद्र कुमार भगत, ग्राम सेवक हरिहर सिंह, द्वारिका उरांव, रवि कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, ग्रामीण एवं परियोजना के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सरयू प्रखंड में 13 लोगों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए किया आवेदन

गारू। परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण अभियान के तहत सरयू प्रखंड में आयोजित विशेष शिविर में 13 लोगों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया। प्रखंड कार्यालय परिसर में आयोजित शिविर में आवेदकों के दस्तावेजों की जांच की गई तथा उन्हें लाइसेंस निर्माण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पात्र आवेदकों के आवेदन नियमानुसार आगे की प्रक्रिया के लिए अग्रेषित किए जाएंगे। इस अवसर पर लोगों से यातायात नियमों का पालन करने तथा वैध ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही वाहन चलाने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस अत्यंत आवश्यक है।

युवाओं और महिलाओं से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की अपील

महुआडांड़। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) पूजा कुमारी ने युवाओं एवं महिलाओं से 6 जुलाई से शुरू होने वाले लर्निंग लाइसेंस (एलएल) एवं ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) विशेष शिविर में अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जिम्मेदार एवं प्रशिक्षित नागरिक होने का प्रमाण है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश दिया। महिलाओं को संबोधित करते हुए डीएसपी ने कहा कि आत्मनिर्भर महिला ही परिवार और समाज को सशक्त बनाती है। उन्होंने महिलाओं से भी लाइसेंस बनवाकर आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। जिला परिवहन विभाग के निर्देश पर पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविर 6 जुलाई को चटकपुर पंचायत सचिवालय, 7 जुलाई को महुआडांड़ पंचायत सचिवालय तथा 14 जुलाई को नेतरहाट पंचायत सचिवालय में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होंगे। शिविर में आधार कार्ड, दो रंगीन फोटो, जन्मतिथि प्रमाण के लिए दसवीं का अंकपत्र तथा निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन किया जा सकेगा।

ग्रीनफील्ड एकेडमी में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू

चंदवा। ग्रीनफील्ड एकेडमी परिसर में बुधवार से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पहले दिन विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यालय की निदेशिका आनंदी सोरेंग ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करना है। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन लीफ पेंटिंग, फ्रूट पेंटिंग सहित विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जबकि तीसरे दिन 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' कार्यक्रम के तहत बेकार वस्तुओं से उपयोगी सामग्री बनाने की प्रतियोगिता होगी। इसके अलावा डस्टबिन के उपयोग, स्वच्छता, रैंप वॉक एवं अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में प्रकृति प्रेम, स्वच्छता और पुनर्चक्रण के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

एसडीओ ने किया बूथों का निरीक्षण

महुआडांड़। अनुमंडल पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी ने मंगलवार को प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। एसडीओ ने कहा कि बीएलओ विषम परिस्थितियों में भी घर-घर जाकर लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं। उनका समर्पण अनुकरणीय है और अभियान की सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ का मनोबल बढ़ाते हुए अभियान को और गति देने की अपील की। साथ ही दिव्यांग, बुजुर्ग एवं महिला मतदाताओं का नाम प्राथमिकता के आधार पर मतदाता सूची में जोड़ने तथा मोबाइल ऐप के अधिकाधिक उपयोग पर बल दिया।

चलंत लोक अदालत से गांव-गांव पहुंचेगी न्यायिक सेवा

- डीएलएसए ने 'जस्टिस ऑन व्हील्स' वाहन को किया रवाना, कानूनी अधिकारों के प्रति करेंगे जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। ग्रामीणों तक न्याय और कानूनी सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) लातेहार ने बुधवार को 'जस्टिस ऑन व्हील्स' (चलंत लोक अदालत) वाहन की शुरुआत की। व्यवहार न्यायालय परिसर से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष शेष नाथ सिंह ने हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया।

इस अवसर पर शेष नाथ सिंह ने कहा कि न्याय पाना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है, लेकिन जागरूकता के अभाव में ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक लोग अपने अधिकारों से वंचित रह जाते हैं। चलंत लोक अदालत इस दूरी को कम करने का कार्य करेगी। यह वाहन पूरे जुलाई माह जिले के सभी प्रखंडों, पंचायतों और सुदूरवर्ती गांवों का भ्रमण करेगा।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना तथा विधिक जागरूकता बढ़ाना है। वाहन के साथ विधिक स्वयंसेवकों और कानूनी विशेषज्ञों की टीम रहेगी, जो लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान का प्रयास करेगी। साथ ही छोटे-छोटे विवादों का आपसी समझौते के माध्यम से निपटारा कराने की भी पहल की जाएगी।

डीएलएसए के अनुसार, इस पहल से दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को न्यायिक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी तथा उन्हें समय पर कानूनी परामर्श भी मिल सकेगा। कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय सुनील दत्त द्विवेदी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (प्रोबेशनरी) दीपक कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विक्रम आनंद, डीएलएसए सचिव शिवम चौरसिया, बार एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार, अधिवक्तागण, पीएलवी तथा न्यायालयकर्मी उपस्थित थे।

रेलवे साइडिंग शुरू होते ही दुवारी में बढ़ा विवाद, रोजगार को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

- झड़प और सड़क जाम के बाद पुलिस ने शुरू की जांच, ग्रामीणों ने भाईचारा बनाए रखने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। गिद्धौर थाना क्षेत्र की दुवारी पंचायत में कोयला डंपिंग के लिए रेलवे साइडिंग शुरू होने के साथ ही क्षेत्र में रोजगार को लेकर विवाद भी सामने आने लगा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना से जहां युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं, वहीं वर्चस्व की होड़ के कारण गांव का वर्षों पुराना सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार 27 जून की दोपहर रेलवे साइडिंग से करीब एक किलोमीटर दूर दुवारी बाजार टांड़ में स्थानीय युवाओं और जनप्रतिनिधियों के समर्थक दो गुटों के बीच विवाद हो गया, जो बाद में झड़प में बदल गया। घटना के बाद एक पक्ष ने सड़क जाम कर विरोध जताया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित रहा।

ग्रामीणों ने बताया कि दुवारी गांव विभिन्न समुदायों और जातियों के लोगों का बड़ा गांव है, जहां लंबे समय से आपसी भाईचारा कायम रहा है। उनका कहना है कि रोजगार और कोयला परिवहन से जुड़े आर्थिक हितों को लेकर उत्पन्न विवाद सामाजिक सौहार्द पर असर डाल रहा है।

दोनों पक्षों ने गिद्धौर थाना में अलग-अलग लिखित आवेदन देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने सभी पक्षों से संयम बरतने और आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर सीएचसी राजहार में रक्तदान शिविर

- छह यूनिट रक्त संग्रहित, चिकित्सकों ने दिया मानव सेवा का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजहार में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा तथा डॉ. एस.के. सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो ने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि समाज को स्वस्थ, सुरक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और मानवता चिकित्सा पेशे की सबसे बड़ी पहचान है। रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवाओं में से एक है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचा सकता है।

पूर्व सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. शर्मा ने लोगों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की। वहीं डॉ. एस.के. सिंह ने कहा कि रक्तदान से समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा मिलता है तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है। शिविर में कुल छह यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस दौरान डॉ. सैमयूल लकड़ा, डॉ. श्रवण कुमार महतो, डॉ. सुनील भगत, डॉ. रुबी कुमारी, चिकित्साकर्मी पंकज कुमार तथा सफरुल अंसारी ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

कार्यक्रम में ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन बिनय कुमार सिंह सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। अंत में सभी रक्तदाताओं को सिविल सर्जन एवं अन्य अतिथियों ने प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

मारवाड़ी युवा मंच ने चिकित्सकों और बैंककर्मियों का किया सम्मान

चंदवा। डॉक्टर्स डे एवं एसबीआई डे के अवसर पर बुधवार को मारवाड़ी युवा मंच, चंदवा शाखा ने चिकित्सा एवं बैंकिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले चिकित्सकों और बैंक अधिकारियों को सम्मानित किया। मंच के सदस्यों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सा प्रभारी डॉ. नीलिमा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. मनोज एवं डॉ. रमेश को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। इसके बाद एसबीआई चंदवा शाखा के प्रबंधक प्रकाश चंद्र को भी सम्मानित किया गया। वहीं वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. जे.एन. पंडित को चिकित्सा क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि चिकित्सक मानव जीवन की रक्षा करते हैं, जबकि बैंककर्मी आर्थिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं। ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान समाज की कृतज्ञता का प्रतीक है।

टोरी में आरओबी निर्माण की मांग को लेकर 13 जुलाई को धरना

चंदवा। टोरी रेलवे जंक्शन पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की वर्षों पुरानी मांग को लेकर आजसू पार्टी ने 13 जुलाई को टोरी रोड बैरियर के समीप एक दिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की है। धरना से पहले सोमवार से हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें स्थानीय लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। अभियान के माध्यम से आरओबी निर्माण के समर्थन में जनसमर्थन जुटाया जा रहा है। आजसू प्रखंड अध्यक्ष विवेक कुमार दुबे उर्फ राजा ने पूर्व मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक के नाम आवेदन सौंपकर धरना की आधिकारिक सूचना दी है। उन्होंने कहा कि टोरी रेलवे फाटक पर प्रतिदिन लगने वाले जाम से मरीजों, स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों तथा आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं भी जाम में फंस जाती हैं, जिससे गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य सरकार एवं रेलवे प्रशासन का ध्यान आरओबी निर्माण की लंबित मांग की ओर आकर्षित करना है। धरना की सूचना अंचलाधिकारी एवं थाना प्रभारी को भी दे दी गई है।

3 को लातेहार आएंगे कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के. राजू

लातेहार। कांग्रेस के झारखंड प्रदेश प्रभारी के. राजू 3 जुलाई को लातेहार दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे जिले के विभिन्न प्रखंडों में कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती तथा आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा करेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद यादव ने बताया कि के. राजू का पहला कार्यक्रम पूर्वाह्न 10:30 बजे चंदवा प्रखंड की पूर्वी पंचायत में होगा, जहां वे ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद अपराह्न 1 बजे मनिका के लोहिया भवन में प्रखंड कांग्रेस कमेटी एवं ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। दौरे के अंतिम चरण में संध्या 4 बजे लातेहार परिसदन में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, प्रखंड अध्यक्षों, विभिन्न मोर्चा संगठनों के प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने, सदस्यता अभियान तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा होगी। जिला अध्यक्ष ने जिले के सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

घर-घर पहुंच रही विधिक जागरूकता पीएलवी जितेंद्र दास चला रहे अभियान

गिद्धौर (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), चतरा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 90 दिवसीय आउटरीच डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान के तहत थाना पीएलवी जितेंद्र दास ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर लोगों को विधिक अधिकारों एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक कर रहे हैं। अभियान के दौरान ग्रामीणों को वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, बाल विवाह निषेध, बाल श्रम उन्मूलन, नशा मुक्ति, निःशुल्क विधिक सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण तथा विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। साथ ही सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने, कानून का सम्मान करने और जागरूक एवं सशक्त समाज के निर्माण का संदेश भी दिया जा रहा है। थाना पीएलवी जितेंद्र दास ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय एवं कानूनी सहायता की जानकारी पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से वे लगातार गांव-गांव और घर-घर जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

नशे की हालत में बाइक चला रहे युवक की सड़क हादसे में हालत गंभीर

गिद्धौर (चतरा)। थाना क्षेत्र के तिलैया मोड़ स्थित मचैनियां मोड़ के समीप बुधवार को तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची गिद्धौर थाना पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से घायल युवक को एंबुलेंस के माध्यम से प्राथमिक उपचार के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवक हजारीबाग की ओर से बाइक पर आ रहा था। बताया जा रहा है कि वह नशे की हालत में था। मचैनियां मोड़ के समीप पहुंचते ही उसने बाइक से नियंत्रण खो दिया, जिससे बाइक सड़क पर फिसल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान इचाक निवासी दीपक राम (पिता- टुन्नू राम) के रूप में हुई है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर थाना ले गई है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नशे की हालत में वाहन न चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

हुल दिवस श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाया गया

बारियातू। प्रखंड के नचना स्थित सरना भवन परिसर में बुधवार को हुल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संथाल हुल के महानायक सिद्धू, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो एवं झानो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मुखिया प्रमोद उरांव, दिगंबर टाना भगत, राजदेव उरांव, मनोज उरांव, राजू रामवृक्ष लोहरा सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल हुल के वीरों ने अंग्रेजी हुकूमत, जमींदारों एवं महाजनों के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध ऐतिहासिक विद्रोह का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पहली बड़ी जनक्रांति माना जाता है।

शिव गुरु गोष्ठी में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की गुरु दीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। शहर के नगवां देवी मंडप प्रांगण में बुधवार को आयोजित शिव गुरु गोष्ठी में जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने शिव गुरु की दीक्षा ग्रहण कर आध्यात्मिक जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जिला प्रभारी सह पाठी भैया अखिलेश कुमार, पाठी संतोष कुमार, लक्ष्मण कुमार, राजेंद्र कुमार तथा जिला संयोजिका राधा बहन मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का श्रद्धालुओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भगवान शिव के बताए मार्ग पर चलने, आत्मिक शांति प्राप्त करने तथा अनुशासित और सकारात्मक जीवन जीने का संदेश दिया। जिला प्रभारी अखिलेश कुमार ने कहा कि शिव गुरु से जुड़कर व्यक्ति अपने जीवन को संयमित और सार्थक बना सकता है। जिला संयोजिका राधा बहन ने शिव के तीन सूत्रों की विस्तार से चर्चा करते हुए श्रद्धालुओं से भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिव भक्ति व्यक्ति के जीवन में शांति, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने नियमित साधना करने तथा शिव गुरु के बताए मार्ग का पालन करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

- आध्यात्मिक आयोजन में शिव के तीन सूत्रों पर चलने और सदाचारपूर्ण जीवन अपनाने का लिया संकल्प

अंधविश्वास की भेंट चढ़ा आठ वर्षीय मासूम

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। लावालौंग थाना क्षेत्र के हाहे गांव में अंधविश्वास के कारण एक आठ वर्षीय बालक की मौत हो गई। सांप के डंसने के बाद समय पर अस्पताल नहीं ले जाकर झाड़-फूंक कराने के कारण मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी और अंधविश्वास की गंभीर समस्या को एक बार फिर उजागर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, हाहे गांव निवासी दसाय गंझू का आठ वर्षीय पुत्र मनीष कुमार सोमवार देर रात घर में सोया हुआ था। मंगलवार तड़के करीब तीन बजे वह शौच के लिए बाहर निकला। इसी दौरान किसी विषैले सांप ने उसे डंस लिया। घटना के बाद परिजन बच्चे को अस्पताल ले जाने के बजाय गांव के ओझा-गुनी के पास ले गए, जहां काफी देर तक झाड़-फूंक की जाती रही। बाद में ग्रामीणों के कहने पर उसे चतरा सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। हजारीबाग से उसे रांची स्थित रिम्स ले जाने की सलाह दी गई। परिजनों ने बताया कि इसी दौरान किसी व्यक्ति के कहने पर वे बच्चे को रिम्स ले जाने के बजाय लावालौंग प्रखंड के पूर्णाडीह गांव स्थित एक ओझा के पास ले गए, जिसने ठीक करने का दावा किया था। मंगलवार शाम से देर रात तक झाड़-फूंक चलती रही, लेकिन बुधवार तड़के करीब चार बजे बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बच्चे को समय पर रिम्स पहुंचाया जाता तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। प्रखंड विकास पदाधिकारी विपिन कुमार भारती ने लोगों से अपील की कि सर्पदंश की स्थिति में किसी भी प्रकार के अंधविश्वास या झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें। उन्होंने कहा कि पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय उपचार कराना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर नन्हे-मुन्ने बने डॉक्टर, डॉ. बीसी राय को किया नमन

- वेशभूषा एवं वक्तव्य प्रतियोगिता में बच्चों ने दिया सेवा और मानवता का संदेश

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सरस्वती विद्या मंदिर, धर्मपुर में बुधवार को उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्ले ग्रुप एवं शिशु वाटिका के बच्चों ने डॉक्टर की वेशभूषा धारण कर प्रसिद्ध चिकित्सक एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य उत्तम कुमार मुखर्जी ने किया। उन्होंने कहा कि डॉ. बिधान चंद्र राय का जीवन सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। भावी पीढ़ी उनके आदर्शों से प्रेरणा ले, इसी उद्देश्य से विद्यालय में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शिशु वाटिका प्रमुख गीता कुमारी ने बताया कि अरुण, उदय, प्रभात एवं प्रथम वर्ग के लगभग तीन दर्जन छात्र-छात्राएं डॉक्टर की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ चिकित्सक की भूमिका निभाते हुए स्वास्थ्य, सेवा और मानवता का संदेश दिया तथा अपने संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली वक्तव्यों से सभी को प्रभावित किया। आयोजित वेशभूषा एवं वक्तव्य प्रतियोगिता में अरुण एवं उदय वर्ग में शताक्षी मिश्रा प्रथम, अथर्व आर्य द्वितीय तथा ऋत्विक रंजन एवं अथर्व राज संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। वहीं प्रभात एवं प्रथम वर्ग में दीक्षा अग्रवाल प्रथम, अयांश सिन्हा द्वितीय तथा शनवी अग्रवाल तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिल्पा कुमारी, नीलम अंबष्टा, पूनम गुप्ता, मनीषा कुमारी, नीलम कुमारी एवं रूबी कुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

दृष्टिपात

उप विकास आयुक्त ने किया कुडू प्रखंड का निरीक्षण व योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

लोहरदगा। उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम द्वारा आज कुडू प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान तरुण कुमार (निम्न वर्गीय लिपिक), विकास कुमार (राजस्व उप निरीक्षक, कुडू), विशाल मिंज (सहायक अभियंता), अजय कच्छप (कनीय अभियंता), मो. आसिफ (कनीय अभियंता), सुमति कुमारी (लेखा सहायक) तथा मुकेश यादव (कंप्यूटर सहायक) से स्पष्टीकरण पूछा गया। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने कोलसिमरी पंचायत के कोलसिमरी ग्राम का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान कंचन देवी एवं सुनीता देवी द्वारा संचालित कुक्कुट पालन इकाइयों का निरीक्षण किया गया तथा आजीविका संवर्धन गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने लाभुकों से योजनाओं के क्रियान्वयन एवं प्राप्त लाभ के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की। उप विकास आयुक्त ने दीदी कैफे कुडू का निरीक्षण किया व डीपीएम जेएसएलपीएस को इसका प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का कुडू में सूड़ी समाज ने किया भव्य स्वागत

कुडू। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के कुडू आगमन पर सूड़ी समाज द्वारा उनका जोरदार एवं गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कुडू प्रखंड सूड़ी समाज के अध्यक्ष गंगा प्रसाद के नेतृत्व में मेन रोड स्थित उनके आवास पर प्रदेश अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। मौके पर समाज के लोग एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आदित्य साहू का अभिनंदन करते हुए उनके नेतृत्व में संगठन की मजबूती एवं राज्य के विकास को लेकर विश्वास व्यक्त किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने स्वागत के लिए सूड़ी समाज के प्रति आभार जताया। मौके पर जिला अध्यक्ष रितेश साहू, उपाध्यक्ष धीरज प्रसाद, कोषाध्यक्ष ज्योति कुमार, सचिव संजय साहू, ओंकार साहू, अमर कुमार, बाबुलाल साहू सहित कई लोग उपस्थित थे।

आमजन का जीवन बचाने के लिए सभी को रक्तदान करना चाहिए : सीओ

सेन्हा। जेएसएलपीएस और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में प्रखंड कार्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित रक्तदान शिविर में अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत और अंचलकर्मियों के साथ अन्य लोगों द्वारा स्वैच्छिक रूप से रक्तदान किया गया। वही रक्त दान करने के पूर्व सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। रक्त दान के पश्चात अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत ने कहा कि आमजन का जीवन बचाने के लिये सभी को रक्त दान करना चाहिए। खून देकर किसी का जान बचाना बहुत ही पुनीत कार्य है। सभी लोगों से रक्त दान करने के लिये अपील किया गया। जिसे उत्साहित हो कर रक्त दान करने वालों में विशाल सिंह,नितशिखा तिर्की, कुर्बान अंसारी, बिनोद, प्रवीण साहू समेत सभी अंचलकर्मी तथा रामकुमार मिश्रा,नवल कुमार, प्रभुदयाल, दुर्गा महली,सुजीत उरांव समेत सभी अंचल गार्ड तथा ग्रामीण चौकीदार के अलावे अन्य ग्रामीण शामिल थे। मौके पर सदर अस्पताल लोहरदगा के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ विनीता, उमेश कुमार, जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक बिनोद होरो, बीएमपी हेमंत कुमार, चंदन मिश्रा, नितेश कुजर, वचनदेव उरांव, ममता कुमारी के अलावे सखी मंडल की दीदी उपस्थित थी।

भंडरा के ठाकुरबाड़ी मंदिर में संपन्न हुआ महाप्रभु जगन्नाथ का देव स्नान

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर भंडरा प्रखंड के ऐतिहासिक ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के विग्रहों का पारंपरिक देव स्नान अनुष्ठान वैदिक रीति-रिवाजों और पूरी श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। स्नान के तुरंत बाद तीनों विग्रह 15 दिवसीय अनासर काल के लिए एकांतवास में चले गए। मुख्य पुजारी आचार्य विभाकर पाठक के सस्वर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गर्भगृह से विग्रहों को स्नान मंडप में लाया गया। इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान के मुख्य यजमान राधा मोहन शर्मा एवं किशोरी शर्मा रहे, जिन्होंने पूरे नियम-निष्ठा के साथ संकल्प लेकर महास्नान संपन्न कराया। गंगा जल, तीर्थों के जल, दूध, दही, घी, शहद और सुगंधित औषधियों से निर्मित 108 कलश जल से तीनों विग्रहों को स्नान कराया गया। स्नान के बाद परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को विशेष विधि से एकांतवास में भेज दिया गया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के इस महास्नान के बाद भगवान जगन्नाथ अत्यधिक स्नान के कारण बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें तेज बुखार आ जाता है। इसी अवधि को अनासर काल कहा जाता है।

परंपरा के अनुसार अगले 15 दिनों तक भगवान को मंदिर के एक विशेष कक्ष में एकांतवास में रखा जाता है। इस दौरान ठाकुरबाड़ी मंदिर के कपाट आम भक्तों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए गए हैं। अब भक्तों को 15 दिनों तक महाप्रभु के दर्शन नहीं होंगे। एकांतवास में भगवान का उपचार वैद्य-सेवकों द्वारा किया जाता है। इस अवधि में उन्हें केवल जड़ी-बूटियों से बना विशेष काढ़ा, तुलसी दल और सादा फलाहार का भोग अर्पित किया जाता है।

15 दिनों के लिए अनासर काल में गए विग्रह

15 दिनों के उपचार और एकांतवास के बाद जब महाप्रभु पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं, तब वे भक्तों को नवयौवन रूप में दर्शन देते हैं। मान्यता है कि इस रूप में भगवान अत्यंत आकर्षक लगते हैं। नवयौवन दर्शन के तुरंत बाद ही विश्व प्रसिद्ध आषाढ़ रथ यात्रा की शुरुआत होती है। इसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा भव्य रथों पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हुए अखिलेश्वर धाम स्थित अपनी मौसी के घर जाते हैं। मंदिर समिति ने बताया कि रथ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

जिले में एसआईआर का कार्य प्रारंभ, सभी का सहयोग जरूरी : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार लोहरदगा जिला में विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) 2026 के सफल संचालन को लेकर आज उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। उपायुक्त ने बताया कि एसआइआर कार्य को सफलता पूर्वक संपन्न कराने एवं अनुश्रवण के लिए पेशरार, किस्को, कुडू, सदर प्रखण्ड व नगर परिषद क्षेत्र में जिला स्तर से पदाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। बीएलओ के सहयोग के लिए वॉलेंटियर्स की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है। वहीं प्रत्येक प्रखण्ड व नगर क्षेत्र में एईआरओ हैं। जिला स्तर पर अनुमण्डल पदाधिकारीस-सह-इआरओ , उप निर्वाचन पदाधिकारी और पीडी आइटीडीए द्वारा भी अनुश्रवण किया जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसमें 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ जिला के प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर गणना पत्र का वितरण करेंगे। मतदाता को गणना पत्र की दो प्रतियां दी जाएंगी जिसमें दोनों प्रपत्रों को उसे भरना होगा। एक प्रति में मतदाता हस्ताक्षर कर बीएलओ को वापस करेंगे। वहीं दूसरी प्रति में बीएलओ हस्ताक्षर कर मतदाता को पावती के रूप में वह प्रति वापस करेंगे। बीएलओ द्वारा उस प्रति को बीएलओ एप के माध्यम से डिजिटाइज किया जाएगा। जिन मतदाताओं द्वारा गणना पत्र को भरने के पश्चात् हस्ताक्षर कर वापस किया जाएगा उन्हीं का नाम प्रारूप मतदाता सूची में रहेगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त को होगा। गणना प्रपत्र भरकर जमा करने व हस्ताक्षर कर वापस देने का कार्य संबंधित मतदाता के परिवार के वयस्क सदस्य द्वारा भी किया जा सकता है। जो मतदाता जिला में नहीं हैं वे अपने बीएलओ से संपर्क कर या भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल के माध्यम से भी गणना प्रपत्र जमा कर सकते हैं। जो मतदाता अभी तक अपनी मैपिंग नहीं करा सके हैं उनकी भी मैपिंग 30 जून से 29 जुलाई 2026 के दौरान हो सकेगी। इसके लिए वे अपने बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं। जिनकी उम्र 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो या हो चुकी हो वे बीएलओ से फार्म-6 प्राप्त कर एक घोषणा पत्र के साथ भरकर बीएलओ के पास जमा करेंगे। इस प्रकार 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन में उनका नाम शामिल हो सकेगा। यदि आप पात्र भारतीय नागरिक हैं और आपका नाम वर्तमान मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं हैं तो फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ जन्मतिथि के अनुसार स्वयं के साथ माता/पिता या स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों के

निम्नलिखित में से किसी एक दस्तावेज की स्व-सत्यापित प्रति प्रस्तुत करनी होगी

- केंद्र/राज्य सरकार अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी को जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश।
- 01 जुलाई 1987 से पूर्व सरकार, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी अथवा सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, प्रमाण-पत्र या अन्य दस्तावेज।
- सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र।
- पासपोर्ट।
- मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक अथवा शैक्षणिक प्रमाण-पत्र।
- स्थायी निवास प्रमाण-पत्र।
- वन अधिकार प्रमाण-पत्र।
- ओबीसी, एससी, एसटी अथवा अन्य जाति प्रमाण-पत्र।
- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (लोहरदगा जिला के लिए लागू नहीं)।
- राज्य अथवा स्थानीय प्राधिकरण द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर (लोहरदगा जिला के लिए लागू नहीं)।
- सरकार द्वारा जारी भूमि अथवा मकान आवंटन प्रमाण-पत्र (खतियान)।
- आधार की प्रति प्रस्तुत करने की स्थिति में उपर्युक्त 11 दस्तावेजों में से किसी एक की स्व-सत्यापित प्रति।

दस्तावेज निम्न प्रकार से देना होगा- यदि आपका जन्म 1 जुलाई 1987 के पहले भारत में हुआ है तो आपको सिर्फ स्वयं का दस्तावेज देना होगा।

यदि आपका जन्म 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच भारत में हुआ है तो आपको स्वयं के साथ माता अथवा पिता में से किसी एक का दस्तावेज देना होगा। यदि आपका जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद भारत में हुआ है तो आपको स्वयं के साथ माता एवं पिता दोनों का दस्तावेज देना होगा। यदि आपका जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं आपके माता-पिता भारतीय नागरिक हैं तो आपको, आपके जन्म वाले देश में स्थित भारतीय दूतावास से जारी जन्म प्रमाण-पत्र देना होगा। यदि आपका जन्म भारत के बाहर हुआ है एवं आपके माता-पिता भारत के नागरिक नहीं हैं तो आपको नागरिक प्रमाण-पत्र देना होगा। जिला प्रशासन की ओर से आमजनों से अपील है कि 30 जून से प्रारंभ हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में जिला प्रशासन का सहयोग करें।

सड़क हादसे में दंपत्ति की मौत के बाद भड़का ग्रामीणों का आक्रोश

मुआवजे की मांग को लेकर एनएच जाम

- गुमला के आंजन धाम से पूजा कर लौटने के दौरान हुआ था हादसा
- माता-पिता की मौत से चार बच्चे हुए अनाथ; बीडीओ और थाना प्रभारी की पहल पर हटा जाम

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा (लोहरदगा)। गुमला जिले में हुए एक सड़क हादसे में सेन्हा थाना क्षेत्र के कुंदगड़ी गांव निवासी दंपत्ति की मौत के विरोध में बुधवार को स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीणों ने शवों के साथ सेन्हा थाना अंतर्गत कुंदगड़ी मोड़ के समीप लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ को घंटों जाम रखा। ग्रामीण पीड़ित बच्चों के लिए तत्काल उचित सरकारी मुआवजे की मांग कर रहे थे। सड़क जाम की सूचना मिलते ही सेन्हा पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया, जिसके बाद यातायात सुचारू हो सका। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुंदगड़ी निवासी गुरुदत्त उरांव (42 वर्ष) और उनकी पत्नी लक्ष्मी उरांव (38 वर्ष) मंगलवार को गुमला जिले के प्रसिद्ध आंजन धाम से पूजा-अर्चना कर स्कूटी से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक मवेशी को बचाने के क्रम में उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दंपत्ति की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गुमला पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर देर शाम परिजनों को सौंप दिया था। इस भीषण हादसे ने एक हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया है। गुरुदत्त और लक्ष्मी की मौत से उनकी बेटियां खुशबू उरांव (20 वर्ष), पुनिता उरांव (16 वर्ष), पूजा उरांव (12 वर्ष) और पुत्र शैलेश उरांव (15 वर्ष) के सिर से माता-पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इन चार बच्चों के अलावा परिवार में आगे-पीछे संभालने वाला कोई नहीं है। इसी को लेकर ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रशासन से आश्रितों के लिए तुरंत ठोस वित्तीय मदद की मांग की। इधर, प्रखंड और पुलिस प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, लेकिन साथ ही सड़क जाम करने के कदम को गलत बताते हुए कहा कि कानून हाथ में लेना उचित नहीं है। बच्चों की दयनीय स्थिति को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) संग्राम मुर्मू की पहल पर अंतिम संस्कार के लिए तत्काल 10 हजार रुपए की सहयोग राशि प्रदान की गई। वहीं, सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा ने भावुक पहल करते हुए अनाथ हुए बच्चों की आगे की पढ़ाई में व्यक्तिगत रूप से हरसंभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। अधिकारियों के इस ठोस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम समाप्त किया।

दशकों के इंतजार के बाद 4.43 करोड़ से बना बंडा पुल पहली ही बारिश में जवाब दे गया

नवीन मेल संवाददाता

कैरो / लोहरदगा। लोहरदगा जिले के भंडरा और कैरो प्रखंड की सीमा पर नंदनी नदी (बंडा गांव) में हाल ही में बनकर तैयार हुआ पुल पहली ही हल्की बारिश में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा 4 करोड़ 43 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से नवनिर्मित इस पुल का गार्डवाल हल्की बारिश के दबाव को भी नहीं झेल सका और ताश के पत्तों की तरह ढह गया। गौर करने वाली बात यह है कि इस पुल का निर्माण कार्य महज कुछ महीने पहले ही पूरा हुआ था। दशकों के लंबे इंतजार के बाद जब यह पुल बनकर तैयार हुआ, तो इलाके के हजारों ग्रामीणों को सुगम आवागमन की उम्मीद जगी थी और लोगों में भारी उत्साह था। लेकिन मानसून की शुरुआती बारिश ने ही ठेकेदार और विभागीय दावों की पोल खोलकर रख दी है। पहली ही बारिश में गार्डवाल के ध्वस्त हो जाने से अब पूरे इलाके के लोगों में विभाग के प्रति गहरी नाराजगी और चिंता देखी जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों का साफ कहना है कि हल्की बारिश में गार्डवाल का इस तरह जमींदोज होना सीधे तौर पर लापरवाही और घटिया निर्माण कार्य का जीता-जागता सबूत है। किसी भी नवनिर्मित सरकारी संरचना का पहली ही बारिश में ढह जाना यह स्पष्ट करता है कि निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का धड़ल्ले से इस्तेमाल हुआ।ग्रामीणों ने याद दिलाया कि जब इस पुल का निर्माण कार्य चल रहा था, तब जिले के उपायुक्त (डीसी) और जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उरांव समेत कई परिषद सदस्यों ने मौके का मुआयना किया था। उस दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने कड़े लहजे में चेतावनी दी थी कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लेकिन वर्तमान स्थिति को देखकर लगता है कि ठेकेदार और संवेदक ने उन चेतावनियों को पूरी तरह हवा में उड़ा दिया। दशकों के इंतजार के बाद मिले इस पुल के क्षतिग्रस्त होने से न केवल आवाजाही पर संकट मंडराने लगा है, बल्कि यह सरकारी राशि के दुरुपयोग और व्यापक भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा कर रहा है।

गार्डवाल ढहा

निर्माण की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल, ग्रामीणों में भारी आक्रोश, जांच की मांग

बड़ा तालाब में डूबने से किशोरी की तबीयत बिगड़ी

लोहरदगा। नगर परिषद क्षेत्र के बड़ा तालाब में डूबने से एक 15 वर्षीय किशोरी की तबीयत गंभीर रूप से बिगड़ गई। पीड़ित किशोरी की पहचान थाना टोली निवासी मोहम्मद जैनुल अंसारी की पुत्री आफरीन (15 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, बड़ा तालाब में डूबने के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और परिजनों के सहयोग से उन्हें आनन-फानन में बाहर निकाला गया। किशोरी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरंत लोहरदगा सदर अस्पताल ले जाया गया। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने मुस्तैदी दिखाते हुए बच्ची की प्राथमिक जांच की और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कर लिया।

रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी : लोहरदगा में पल्स पोलियो अभियान ने रचा इतिहास, 99.47% लक्ष्य हासिल

छूटे बच्चों को जल्द दी जाएगी खुराक, अभिभावकों का सहयोग जरूरी' : सीएस

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में स्वास्थ्य विभाग की मुस्तैदी और जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य कर्मियों की कड़ी मेहनत की बदौलत सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान ने सफलता की एक नई इबारत लिख दी है। गत 28 से 30 जून तक चले इस तीन दिवसीय महाअभियान के दौरान जिले के 83,582 नौनिहालों को 'जिंदगी की दो बूंद' पिलाई गई। स्वास्थ्य विभाग ने इस बार निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 99.47 प्रतिशत की ऐतिहासिक सफलता दर हासिल की है, जो जिले में बेहतर कार्ययोजना और व्यापक जनसहभागिता का जीवंत प्रमाण है। सिविल सर्जन डॉ. राजू कच्छप ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य पांच वर्ष से कम आयु के हर एक बच्चे तक पहुंचना था। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने चौतरफा रणनीति अपनाई। अभियान के शुरुआती चरण में जिले के विभिन्न बूथों पर रिकॉर्ड 66,275 बच्चों को पोलियो रोधी दवा दी गई। बूथों से छूटे बच्चों के लिए टीमों ने जिले के 97,110 घरों का दरवाजा खटखटाया और 12,520 बच्चों को कवर किया। घरों के बाहर मिले 1,255 बच्चों और 117 प्रैक्टिस हाउस में मौजूद बच्चों को भी मौके पर ही दवा पिलाई गई। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और हाट-बाजारों जैसे 3,273 ट्रांजिट पॉइंट पर भी विशेष अभियान चलाया गया ताकि कोई भी बच्चा सुरक्षा चक्र से बाहर न रहे। इस दौरान कुल 4,901 ओपीवी वायल की खपत हुई।अभियान के तहत प्रखंडवार आंकड़ों पर नजर डालें तो कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र में सबसे ज्यादा बच्चों को सुरक्षित किया गया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में बच्चों को दी गई खुराक में कुडू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 16,430 बच्चे (सर्वाधिक), किस्कोः 15,016 बच्चे, नगर परिषद लोहरदगा क्षेत्रः 14,779 बच्चे, सेन्हाः 13,887 बच्चे, भंडराः 12,536 बच्चे, लोहरदगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रः 10,884 बच्चे को पिलाया गया।

गरमाया सरना लोटा पूजा स्थल विवाद भंडरा में दबंगई के खिलाफ अंचल कार्यालय पहुंचे सैकड़ों ग्रामीण

बारिश व बाजार के दिन चुपके से डिप बोरिंग की कोशिश

- "आदिवासी संस्कृति को खत्म करने की साजिश, होगा उग्र आंदोलन"

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा (लोहरदगा)। थाना क्षेत्र के डुमरी गांव में ऐतिहासिक पूजा स्थल पर एक दबंग व्यक्ति द्वारा अवैध अतिक्रमण किए जाने के प्रयास को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता कार्तिक उरांव के नेतृत्व में डुमरी गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रखंड कार्यालय स्थित अंचलाधिकारी (सीओ) दफ्तर का घेराव किया और न्याय की गुहार लगाई। ग्रामीणों के उग्र तेवर को देखते हुए सीओ ने उन्हें शांत कराया और आश्वासन दिया कि किसी भी धार्मिक या सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि डुमरी में वर्षों से 'सरना लोटा पूजा स्थल' पर पूरा गांव पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना करता आ रहा है। आरोप है कि गांव के ही एक रसूखदार व्यक्ति महेंद्र लोहरा द्वारा इस जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बीते सोमवार को जब गांव के अधिकांश लोग साप्ताहिक बाजार गए हुए थे और तेज बारिश हो रही थी, तब महेंद्र लोहरा ने मौके का फायदा उठाकर चुपके से उक्त धार्मिक जमीन पर डिप बोरिंग कराने का प्रयास किया। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में भी महेंद्र लोहरा ने इस पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन ग्रामीणों के भारी विरोध और अदालती आदेश के बाद उसने सुलहनामा कर लिया था। आरोपी खुद को सेना का सेवानिवृत्त जवान बताकर धौंस जमा रहा है और उसका दावा है कि यह जमीन उसे आर्मी ने दान में दी है।

सामाजिक कार्यकर्ता कार्तिक उरांव ने बताया कि डुमरी गांव में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा आदिवासी एकता और संस्कृति को नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। हमारे ऐतिहासिक पूजा स्थल पर अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरा समाज इसका पुरजोर विरोध करता है। अगर प्रशासन ने इस पर तुरंत कड़ा एक्शन नहीं लिया, तो ग्रामीण उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सीओ का आश्वासन : जांच कर होगी न्यायसंगत कार्रवाई

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए भंडरा सीओ ने बेहद शांत और सुलझे हुए लहजे में उग्र ग्रामीणों से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होंने ग्रामीणों को पूरी तरह आश्वस्त करते हुए कहा कि गांव के पूजा स्थल या किसी भी सरकारी जमीन पर किसी को भी अवैध अतिक्रमण करने की छूट नहीं दी जाएगी। जल्द ही अंचल कर्मियों की एक टीम को मौके पर भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और कानून के दायरे में रहते हुए न्यायसंगत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

निखिल सर्राफ 'मोनू' चुने गए मारवाड़ी युवा मंच लोहरदगा शाखा के अध्यक्ष

लोहरदगा। क्षेत्र में मारवाड़ी युवा मंच अपनी जनसेवा और सहयोग को लेकर लगातार काम करती रही है। मंच के नए अध्यक्ष के रूप में सर्व सम्मति से निखिल सर्राफ को चयनित किया गया। निवर्तमान प्रांतीय संयोजक एवं पूर्व अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंच संविधान के अनुसार प्रत्येक वर्ष चुनाव करा कर नया अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है। इस बार सर्वसम्मति से निखिल सर्राफ को निर्विरोध अध्यक्ष मनोनित किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष अभिषेक पोद्दार का कार्यकाल समाप्त हो गया , अभिषेक पोद्दार के कार्यकाल में निखिल सर्राफ शाखा कोषाध्यक्ष के रूप में मंच को अपना भरपूर सहयोग दिया था। नव नियुक्त अध्यक्ष के नेतृत्व में जल्दी ही एक बैठक बुला कर संगठन विस्तार कर जनसेवा के कार्यक्रमों को गति देने का काम किया जाएगा। अध्यक्ष नियुक्त होने पर मंच के जय प्रकाश शर्मा,अभिषेक पोद्दार, अनुराग पोद्दार, चंदन राजगढ़िया, निशांत सर्राफ, आशीष पोद्दार, शैलेश पोद्दार, शुभम शर्मा, रितेश चौधरी, मयंक मोदी, मनीष राजगढ़िया, अपूर्व पोद्दार, कन्हैया राजगढ़िया, अभिषेक बंका, यश मित्तल, रूपेश चौधरी, गोकुल मित्तल, विक्रांत सर्राफ, आशीष अग्रवाल, विकास सर्राफ, सूरज शर्मा, हर्ष बंका, अतुल सर्राफ सहित अन्य सभी सदस्यों ने अपनी शुभकामनाएं और बधाई दी।

भरनो के कस्तूरबा विद्यालय में 10वीं की छात्रा ने की आत्महत्या

● छात्रावास के कमरे में फंदे से लटका मिला शव, हर पहलू की जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) के छात्रावास में बुधवार सुबह 10वीं कक्षा की छात्रा प्रियंका कुमारी का शव कमरे में दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका मिला। घटना के बाद विद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, शिक्षा विभाग और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले की जांच शुरू कर दी।

विद्यालय की वार्डन दिव्या टोप्पो ने बताया कि बुधवार सुबह नियमित पीटी के दौरान प्रियंका ने पेट दर्द की शिकायत करते हुए मैदान जाने से मना कर दिया था और अपने कमरे में ही रुक गई थी। पीटी के बाद जब छात्राएं उसे बुलाने पहुंचीं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर विद्यालय कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा, जहां छात्रा फंदे से झूलती मिली। उसे तत्काल नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही भरनो थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ विद्यालय पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर मृतका के परिजन भी विद्यालय पहुंचे। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की। मृतका के पिता ने कहा कि उनकी बेटी शांत एवं मिलनसार स्वभाव की थी। उन्होंने आशंका जताई कि केवल पेट दर्द के कारण वह इतना बड़ा कदम नहीं उठा सकती थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो, एसडीएम अखिलेश कुमार, बीडीओ अरुण कुमार सिंह, बीपीओ सूरज लकड़ा सहित कई प्रशासनिक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी विद्यालय पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रावास का निरीक्षण किया और अन्य छात्राओं से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया।

पुलिस ने बताया कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

तेज रफ्तार अल्टो की टक्कर से 13 वर्षीय बालक की मौत

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के डीवीडीह पतरा टोली के समीप बुधवार को हुए सड़क हादसे में तेज रफ्तार अल्टो कार की टक्कर से साइकिल सवार 13 वर्षीय सूरज उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में नौ वर्षीय रितेश उरांव गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि एक अन्य बच्चे को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल रितेश उरांव को सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, तीनों बच्चे साइकिल से घूमने निकले थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ्तार अल्टो कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सूरज उरांव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल रितेश उरांव पनसो गांव का रहने वाला है और अपने ननिहाल डीवीडीह पतरा टोली आया हुआ था। उसके माता-पिता हिमाचल प्रदेश में मजदूरी करते हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त अल्टो कार और क्षतिग्रस्त साइकिल को जब्त कर लिया है। चालक की पहचान कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

डॉक्टर्स डे पर लायंस क्लब ने 15 चिकित्सकों को किया सम्मानित

● पौधा और शॉल भेंट कर सेवा भावना को किया नमन, नए सत्र की हुई शुरुआत

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। लायंस क्लब गुमला ने नए सत्र 2026-27 की शुरुआत सेवा और सम्मान के संकल्प के साथ करते हुए बुधवार को सदर अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस मनाया। इस अवसर पर सदर अस्पताल के 15 चिकित्सकों को शॉल ओढ़ाकर एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल सर्जन गुमला थे, जबकि अध्यक्षता क्लब अध्यक्ष लायन पदम साबू ने की। समारोह में चिकित्सकों, समाजसेवियों एवं लायंस क्लब के पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सिविल सर्जन ने कहा कि डॉक्टर और समाजसेवी संस्थाओं का उद्देश्य मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का सम्मान समाज में सकारात्मक संदेश देता है तथा सेवा कार्यों के प्रति प्रेरित करता है। क्लब अध्यक्ष लायन पदम साबू ने कहा कि डॉक्टर दिन-रात कठिन परिस्थितियों में मरीजों की सेवा करते हैं। कई बार वे अपने आराम और निजी जीवन का त्याग कर लोगों की जान बचाने में जुटे रहते हैं। उन्होंने लोगों से चिकित्सकों के प्रति सम्मान और सहयोग का भाव बनाए रखने की अपील की।

पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन अशोक जायसवाल ने कहा कि डॉक्टर धरती पर भगवान का स्वरूप हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान चिकित्सकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर हजारों लोगों की जिंदगी बचाई। उन्होंने कहा कि लायंस क्लब हमेशा चिकित्सकों और सदर अस्पताल के साथ खड़ा रहेगा। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से सभी सम्मानित चिकित्सकों को पौधे भी भेंट किए गए।

कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था क्लब के सचिव एमजेएफ लायन शंकर लाल जोजोदिया ने की। अपरिहार्य कारणों से वे कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन आयोजन की सभी व्यवस्थाएं उन्होंने सुनिश्चित कीं।

इस अवसर पर एमजेएफ लायन संजय अग्रवाल, लायन अनिल अग्रवाल, लायन योगेंद्र प्रसाद साहू, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अनुपम किशोर, डॉ. राहुल देव, डॉ. शकुंतला मुर्मू, डॉ. कृष्ण प्रसाद, डॉ. के.के. मिश्रा, डॉ. सुनील राम, डॉ. सतना प्रसाद, डॉ. शाजिया खातून, डॉ. अनूप, डॉ. शिल्पी खालको, एसीएमओ डॉ. समरी, डॉ. जमुना कुमारी, डॉ. गणेशाराम, डॉ. प्रतिभा नूतन मिंज, डॉ. निर्मला मुंडा सहित अनेक चिकित्सक एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बारिश से कुदाई नदी के पास गिरा विशाल जामुन का पेड़, घंटों बाधित रहा चैनपुर-महुआडांड़ मुख्य मार्ग

चैनपुर (गुमला)। लगातार हो रही बारिश का असर अब जनजीवन पर भी पड़ने लगा है। बुधवार को चैनपुर थाना क्षेत्र के चैनपुर-महुआडांड़ मुख्य मार्ग पर कुदाई नदी के समीप एक विशाल जामुन का पेड़ अचानक सड़क पर गिर गया, जिससे मुख्य मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। पेड़ गिरने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और घंटों तक आवागमन बाधित रहा। अचानक मार्ग बंद होने से यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए स्वयं पेड़ की डालियां काटकर सड़क से हटाने में जुट गए। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने पेड़ को सड़क किनारे कर रास्ता साफ कराया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। मार्ग खुलने के बाद जाम में फंसे सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों ने राहत की सांस ली और अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। ग्रामीणों की तत्परता और सामूहिक प्रयास की राहगीरों तथा स्थानीय लोगों ने सराहना की।

एफएमडी टीकाकरण अभियान को लेकर टीकाकर्मियों को मिला प्रशिक्षण

● भारत पशुधन ऐप पर डेटा एंट्री की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर (गुमला)। राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में संचालित होने वाले खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) टीकाकरण अभियान के छठे चरण की तैयारियों को लेकर बुधवार को चैनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित अनुमंडलीय पुस्तकालय के सभाकक्ष में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में चैनपुर एवं जारी प्रखंड के कुल 35 टीकाकर्मियों को एफएमडी टीकाकरण के सफल संचालन के साथ-साथ भारत पशुधन ऐप पर ऑनलाइन डेटा एंट्री की तकनीकी जानकारी दी गई। शिविर का उद्घाटन जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। इससे पशुधन सुरक्षित रहेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने सभी टीकाकर्मियों से अभियान को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से सफल बनाने की अपील की। प्रशिक्षण के दौरान भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी एवं चैनपुर के प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी ने टीकाकर्मियों को फील्ड में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। साथ ही टीकाकरण के तुरंत बाद भारत पशुधन ऐप पर शत-प्रतिशत डेटा अपलोड सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में दोनों प्रखंडों के टीकाकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए ऐप संचालन की बारीकियां सीखीं।

सेवानिवृत्त पदाधिकारियों व कर्मियों को भावभीनी विदाई

● भरनो प्रखंड कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित, शॉल व स्मृति-चिह्न देकर किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को सेवानिवृत्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने की। समारोह में सेवानिवृत्त बीपीआरओ देवमुनि साहू, पंचायत सचिव सरफराज अहमद, जनसेवक राजकिशोर राम, जनसेवक धनंजय प्रसाद, लिपिक सबील अहमद एवं अनुसेवक लालन राम को गुलदस्ता, शॉल और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके स्वस्थ, सुखमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी गई। बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सरकारी सेवा का एक निश्चित कार्यकाल होता है और सभी कर्मियों को एक दिन सेवानिवृत्त होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया है। उनके अनुभव और योगदान से प्रखंड प्रशासन को हमेशा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का नया अध्याय है। अब सभी सेवानिवृत्त कर्मी अपने परिवार और समाज के बीच समय बिताएं तथा स्वस्थ एवं सुखद जीवन व्यतीत करें। इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि भरनो प्रखंड में कार्यकाल के दौरान उन्हें अधिकारियों एवं सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने सम्मान और स्नेह के लिए प्रखंड प्रशासन का आभार व्यक्त किया। मौके पर बीडब्ल्यूओ मंजू खाखा, एलईओ स्मिता लुगुन, एई मो. वसीम, जेई तारीख अनवर, ब्रजेश उरांव, विकास साहू, कुमार नवीन, पंचायत सचिव वासुदेव राय, प्रवण लकड़ा, बीपीएम नीलकंठ कच्छप, बिपिन साहू सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

भरनो में नवनिर्मित शिव व हनुमान मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ

● भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान शुरू, आज होगी प्राण-प्रतिष्ठा

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो ब्लॉक चौक स्थित नवनिर्मित शिव मंदिर एवं हनुमान मंदिर में बुधवार से तीन दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। पहले दिन श्रद्धालुओं ने भव्य कलश यात्रा निकालकर धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत की। कलश यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर पारस नदी पहुंची, जहां वैदिक विधि-विधान से कलश में जल भरने के बाद श्रद्धालु महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चियों ने नगर भ्रमण किया। इसके बाद सभी श्रद्धालु कलश लेकर मंदिर पहुंचे।

आचार्य नवलकिशोर मिश्रा एवं सीताराम पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि गुरुवार, 2 जुलाई को मंदिर की विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रात्रि में अखंड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन होगा। वहीं शुक्रवार, 3 जुलाई को हवन-पूजन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ महोत्सव का समापन किया जाएगा।

कलश यात्रा में आचार्य गौतम मिश्रा, प्रमुख पारसनाथ उरांव, पंचायत समिति सदस्य बिरसा उरांव, हरिशंकर शाही, देवकुमार गुप्ता, श्रीकांत केशरी, जयदीप गिरी, किशोर साहू, सुधीर ओहदार, अर्जुन सिंह, कैलाश केशरी, नीलम गुप्ता, पिंटू शाही, कौशलेश मिश्रा, मनोहर लाल अग्रवाल, दीपक अधिकारी, रमेश ठाकुर, हरिओम प्रसाद, सत्यनारायण केशरी, गोपाल सिंह, उमेश होता, बाल किशुन साहू, संतोष कुमार पांडा, अजय केशरी, पी.के. सिंह, नितेश शाही, हर्ष गुप्ता, रिशु गुप्ता, राहुल शाही सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

'वृक्ष ही जीवन का आधार', लायंस क्लब गुमला फैमिली ने चलाया पौधारोपण अभियान

● पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प, लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। पर्यावरण संरक्षण और हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब गुमला फैमिली ने बुधवार को वृक्षारोपण अभियान चलाया। इस दौरान सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत क्लब अध्यक्ष लायन शिशिर गुप्ता के नेतृत्व में हुई। पौधारोपण के बाद सभी सदस्यों ने ₹एक व्यक्ति-एक पौधा, एक परिवार-एक हरित संकल्प₹ का संदेश देते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने की अपील की। लायन शिशिर गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान और प्रदूषण जैसी समस्याओं का सबसे प्रभावी समाधान वृक्षारोपण है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी सभी की जिम्मेदारी है। क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन श्वेता गुप्ता ने कहा कि वृक्ष ऑक्सीजन देने के साथ जल संरक्षण, मिट्टी के कटाव की रोकथाम और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने महिलाओं और युवाओं से पर्यावरण संरक्षण अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताते हुए प्रत्येक परिवार से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने का आग्रह किया। मौके पर लायन शिशिर गुप्ता, लायन श्वेता गुप्ता, लायन तृप्ति केशरी, लायन उज्जवल केशरी, लायन कृष्णा, लायन सुबोध, लायन रंजीत, लायन अर्चना, लायन शिवानी, लायन दीपिका सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

झारखण्ड सरकार
वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग वन प्रमण्डल पदाधिकारी,लातेहार वन प्रमण्डल

आम नीलामी सूचना

सर्व साधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि लातेहार वन प्रमण्डल के अंतर्गत राजसात वाहन (जहाँ है, जिस स्थिति में है) की बिक्री दिनांक–21.07.2026 के पूर्वाहन 11:00 बजे से लातेहार वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय, लातेहार में आम नीलामी द्वारा की जायेगी। यदि निलामी तिथि को किसी कारणवश अवकाश या बंदी घोषित होता है तो उसके अगले कार्य दिवस को निलामी की तिथि तय मानी जायेगी। किसी भी व्यक्ति को यह आपत्ति हो कि आम निलामी सूचना में उल्लेखित वाहन के संबंध में सुनवाई किसी न्यायालय में विचाराधीन है तो वे संबंधित मामले में अपना दावा स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से साक्ष्य हेतु दस्तावेज के साथ कार्यालय अवधि में लातेहार वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में दिनांक 20.07.2026 के अपराह्न 05:00 बजे तक या उसके पूर्व समर्पित कर सकते हैं। यदि उक्त तिथि तक उल्लेखित राजसात वाहनों पर कोई दावा लातेहार वन प्रमण्डल के प्रमण्डलीय कार्यालय में समर्पित नही किया जाता है तो यह समझा जाएगा कि उक्त राज्यसात वाहनों की आम निलामी द्वारा बिक्री करने पर किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति नही है। नीलामी हेतु राजसात वाहनों की सूची, क्रमानुसार विवरणी निम्नांकित है :–

क0सं0	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन सं0/ चेचीस सं0/ इंजन सं0	वाहन जहाँ स्थित है
1	जेसीबी	Chassis No.-15J3311, Eng. No.- PUNRG5EA1014	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
2	महिन्द्रा ट्रैक्टर, ट्रेलर	Model No. 265DI, SR No.- NGN3213CB	बालूमाथ प्रक्षेत्र कार्यालय
3	पियागो टेम्पू	Reg. No.- JH-03AL-1744, Eng. No.- S3C9241794, Chassis No.- MBX0008WB2C276606	लातेहार प्रक्षेत्र कार्यालय
4	टाटा मिनी ट्रक	Reg. No.- JH-01CW-0160	चंदवा प्रक्षेत्र कार्यालय

नोट :–
1. विस्तृत सूचना के लिए कार्य दिवस में कार्यालय अवधि के दौरान अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।
2. आम निलामी की शर्तें, वाहनों की सूची https://latehar.nic.in/ एवं https://forest.jharkhand.gov.in/ के website तथा कार्यालय वन प्रमंडल पदाधिकारी, लातेहार वन प्रमंडल के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

वन प्रमण्डल पदाधिकारी,
लातेहार वन प्रमण्डल

PR 383632 (Forest, Environment and Climate Changes)26-27*D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
Tel :- 06562-231148 Email :- municipalcouncil.medininagar@gmail.com

ज्ञापांक...../दिनांक .....

शिवाजी मैदान के बन्दोबस्ती हेतु अल्पकालिन निविदा।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शिवाजी मैदान में दिनांक 20.07.2026 से 25.09.2026 तक डिजनिलैण्ड मेला के आयोजन निमित्त बन्दोबस्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त बन्दोबस्ती निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक निविदाकर्त्ता दिनांक 08.07.2026 को समय 11:00 बजे से 03:00 बजे तक मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज (सील बन्द लिफाफ में) कार्यालय अवस्थित सील बन्द बॉक्स में जमा कर सकते है। उक्त निविदा उसी दिन दिनांक– 08.07.2026 को समय 04:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। उक्त बन्दोबस्ती खुली (Open) डाक बोली/निलामी द्वारा दिनांक 09.06.2026 को समय 12:30 बजे अपराह्न में मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में निष्पादित की जायेगी।

इस डाक/निविदा में भाग लेने हेतु निविदाकर्त्ता आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित कागजात अनिवार्य रूप से संलग्न करेंगे, अन्यथा उनकी पात्रता स्वतः समाप्त समझी जायगी और डाक बोली/निलामी में भाग नहीं ले सकेंगे। डाक की शर्तें निम्नवत है:–

1. खुली डाक/निलामी की न्यूनतम राशि– 85,90,500/– (पचासी लाख नब्बे हजार पांच सौ रूपये) निर्धारित है। इसके आगे डाक वक्ता को बोली लगानी होगी। डाकवक्ता की बोली की अन्तर राशि 10,000/– रू0 से अधिक की होगी।
2. पहचान पत्र के रूप में सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत निवासी प्रमाण–पत्र अनिवार्य रूप से तथा आधार कार्ड/वोटर आई०डी०/ड्राईविंग लाईसेंस में से कोई एक एवं पैन कार्ड संलग्न करना अनिवार्य होगा।
3. संबंधित जिला के उपायुक्त/पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्गत पूर्व वृत चरित्र प्रमाण–पत्र।
4. खुली डाक/निलामी में भाग लेने वाले व्यक्ति डाक बोलने के पूर्व डाक राशि का 25% अर्थात 21,47,700/– (एकिस लाख सैतालिस हजार सात सौ रूपये) Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation के पदनाम से बैंक ड्राफ्ट, आवेदन पत्र के साथ निर्धारित तिथि को जमा करेंगे, तभी वे डाक बोली में भाग ले सकेंगे।
5. खुलीडाक/निलामी प्रकिया में निर्धारित तिथि को निर्धारित समय पर आवेदक स्वयं अथवा शपथ पत्र के माध्यम से प्राधिकृत व्यक्ति उपस्थित होकर भाग लेंगे। निर्धारित समय में डाककर्त्ता अथवा उसके प्रतिनिधि के उपस्थित नहीं होने पर वे खुली डाक निलामी प्रकिया में भाग नहीं ले सकेंगे।
6. खुली निलामी में जिस व्यक्ति द्वारा अधिक बोली लगायी जायगी, उसको उसी दिन संध्या 05.00 बजे अपराह्न तक बोली की रकम का 25% की राशि जमा करना होगा।
7. जीएस०टी० (GST) निबंधन पत्र का स्वहस्ताक्षर प्रति जमा करना अनिवार्य होगा।
8. विगत तीन वर्ष 2024–25, 2025–26 एवं 2026–27 में से किसी दो वर्ष का आयकर रिर्टन (स्वहस्ताक्षर प्रति) जमा करना अनिवार्य होगा।
9. सफल डाकवक्ता के द्वारा डाक प्रक्रिया पूर्ण होने के 48 घंटे (कार्य अवधी दिवस) के अन्दर सम्पूर्ण राशि का बैंक ड्राफ्ट Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation में जमा करना होगा, तत्पश्चात् संवेदक को डिजनी लैण्ड मेला लगाने हेतु शिवाजी मैदान आवंटित किया जायेगा। अन्यथा उक्त राशि का ड्राफ्ट जमा नहीं करने पर उनके द्वारा डाक बोली के पूर्व जमा किये गये सुरक्षित राशि को जब्त करते हुए उनके विरूद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जायगी एवं अगले डाकवक्ता को उनके द्वारा लगायी गयी बोली की शेष राशि जमा करने पर उन्हें डिजनी लैण्ड मेला लगाने हेतु शिवाजी मैदान आवंटित किया जायेगा।
10. संवेदक निर्धारित अवधि समाप्ति के अगले दिन मैदान खाली करने एवं उसकी साफ–सफाई के साथ मैदान के भीतर आधार भुत संरचनाओं को पूर्व की स्थिति में स्थानान्तरण करेंगे एवं किसी भी प्रकार का तोड़–फोड़ या अन्य प्रकार की क्षति पाये जाने पर सुरक्षित राशि से कटौती की जायेगी। निर्धारित अवधि से किसी भी परिस्थिति में मैदान खाली होने में बिलम्ब की स्थिति होने पर डाक राशि का समानुपातिकदर से विलम्बित अवधि के लिए राशि की वसूली की जायगी। जिसेस फलडाकवक्ता के द्वारा धरोहर के रूप में जमा की गयी सुरक्षित राशि से कटौती की जायेगी। सफल डाकवक्ता की धरोहर/सुरक्षित राशि निर्धारित अवधि के समाप्ति के पश्चात् ही वापस की जायगी।
11. उच्चतम डाकवक्ता द्वारा अनुमण्डल पदाधिकारी, सदर मेदिनीनगर, विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, मेदिनीनगर, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमण्डल, मेदिनीनगर तथा अग्निशमन पदाधिकारी, मेदिनीनगर से अनापति प्रमाण पत्र प्राप्त कर मेला प्रारम्भ/उद्घाटन करने के पूर्व इस कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। तत्पश्चात् उन्हें डिजनीलैण्ड मेला प्रारम्भ/उद्घाटन करने की अनुमति दी जायगी।
12. डिजनी लैण्ड मेला में किसी प्रकार की घटना/दुर्घटना होती है और जान–माल की क्षति होती है तो संबंधित व्यक्ति को अथवा उनके आश्रित को क्षतिपूर्ति भुगतान का दायित्व संवेदक का होगा। इस संबंध में संवेदक सामूहिक बीमा/पब्लिक लाय बिलिटीज इंश्योरेंस कराना सुनिश्चित करेंगे। संवेदक यह सुनिश्चित करेंगे कि मेला में सभी सामग्री यथा झुला एवं अन्य उपकरण उच्च गुणवतापूर्ण मानक के अनुरूप होगी।
13. खुली डाक/निलामी द्वारा शिवाजी मैदान आवंटन को बिना कारण बताये अस्वीकृत करने या रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा एवं किसी भी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।
14. डाक लेने वाले व्यक्ति के द्वारा बोली गई डाक का राशि का 25% कार्यालय में सुरक्षित जमा रहेगा। मेला समाप्ति के पश्चात् शिवाजी मैदान की साफ–सफाई तथा पूर्व से किये गये सभी निर्माण (Assest) सही रहने के पश्चात् ही सुरक्षित जमा राशि का भुगतान अधोहस्ताक्षरी के द्वारा किया जायेगा।
15. किसी भी प्रकार का न्यायिक विवाद का निबटारा स्थानीय जिला न्यायालय में ही किया जा सकेगा।

ह०/–
नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 383646 District(26-27).D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा

निविदा आमंत्रण सूचना (वर्ष 2026–27)

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– पथ/गढ़वा/559/2026–27 (गै0यो0) दिनांक–01.07.2026

1	विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता	:	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा।
2	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	:	दिनांक 08.07.2026 को 12.00 बजे से दिनांक 22.07.2026 तक 3.00 बजे अपराह्न तक। (कार्यालय अवधि में)
3	निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 23.07.2026 को 3.00 बजे अपराह्न तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	:	दिनांक 23.07.2026 को 3.30 बजे अप0 के बाद।
5	परिमाण विपत्र (निविदा कागजात) की बिक्री का स्थान	:	(1) मुख्य अभियंता (यातायात) का कार्यालय, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड राँची, प्रथम तल्ला, अभियंत्रण छात्रावास सं0–2, धुर्वा, रांची। (2) आरक्षी अधीक्षक, पलामू के कार्यालय परिसर में अधीक्षण अभियंता, प0नि0वि0, पथ अंचल डालटनगंज से प्रतिनियुक्त पदाधिकारी के द्वारा। (3) कार्यपालक अभियंता, प0 नि0 वि0, पथ प्रमण्डल गढ़वा के कार्यालय परिसर में प्रतिनियुक्त पदाधिकारी के द्वारा।
6	निविदा प्राप्त करने एवं खोलने का स्थान	:	क्रमांक 5 (पांच) में उल्लेखित कार्यालयों में निर्धारित स्थानों पर
7	कार्य का विवरण :–		

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि	संवेदक की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	विलासपुर–धुरकी भाया बीरबल, खाला, खुटिया, सगमा पथ में साधारण मरम्मति कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	03 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी
2.	वंशीधर मंदिर–चित्तविश्राम–बम्बा–चना–गरदा पथ में साधारण मरम्मति कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	03 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी
3.	भंडरिया–टिहरी भाया बड़गढ़ पथ के 14वें कि0मी0 में 650.00 मी0 का डायवर्सन सड़क का निर्माण कार्य।	10,00,000.00	20,000.00	1,250.00	03 माह	चतुर्थ अथवा तृतीय श्रेणी
4.	पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा अंतर्गत विभिन्न पथों में सड़क सुरक्षात्मक उपाय कार्य।	20,00,000.00	40,000.00	5,000.00	02 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी
5.	पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा अंतर्गत विभिन्न पथों पर Regulatory Sign Board (Silence Zone) का अधिष्ठापन कार्य।	13,00,000.00	26,000.00	2,500.00	02 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी
6.	मझिआंव–सुण्डीपुर पथ के कि0मी0 0.00 से 27.300 कि0मी0 में अवस्थित पुलियों का जिर्णोद्धार–सह– साधारण मरम्मति कार्य।	15,00,000.00	30,000.00	2,500.00	03 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी
7.	मझिआंव–सुण्डीपुर पथ के 20वें कि0मी0 में गार्ड वॉल निर्माण कार्य।	25,00,000.00	50,000.00	5,000.00	03 माह	तृतीय अथवा द्वितीय श्रेणी

नोटः– (1) निविदा की राशि घट–बढ़ सकती है।
(2) परिमाण विपत्र की राशि भारतीय स्टेट बैंक जो कार्यपालक अभियंता पथ प्रमण्डल, गढ़वा के पदेन होना अनिवार्य होगा।
(3) निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, गढ़वा

PR 383730 Road(26-27).D

विचार प्रवाह किसी समस्या का निरंतर मानसिक पुनरवलोकन न करते रहें। बीच-बीच में उसे विश्राम दें कि यह स्वतः ही हल हो जाए; परंतु इसका ध्यान रखें कि आपका विश्राम इतना लंबा न हो कि आपका विवेक खो जाए। बल्कि, विश्राम के इन क्षणों का प्रयोग अपनी अन्तरात्मा के शांत क्षेत्रों की गहराइयों में उतरने के लिए करें। **- श्री श्री परमहंस योगानंद, 'सफलता का नियम'**

राष्ट्रीय नवीन मेल

डॉक्टर पर विश्वास से बचता है जीवन

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

हम में शायद ही कोई हो जिसका किसी न किसी डॉक्टर से सामना न हुआ हो।अनेक शक्तिशाली और प्रभावशाली व्यक्ति भी समय पर डॉक्टर नहीं मिलने पर बचाए नहीं जा सके जबकि बड़ी संख्या में वैसे भी सामान्य लोग हैं जिन्हें आसपास के किसी मामूली या झोलाछाप कहे जाने डॉक्टर ने बचा लिया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी ग्रामीण या सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जहां डॉक्टरों की उपस्थिति नहीं है प्रशिक्षण देकर लोगों को प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने लायक बनाने की बात कहता रहा है। रांची के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ केके सिन्हा भी इसका समर्थन करते थे। भारत में भ्रष्टाचार के बाद जनसंख्या विस्फोट और घुसपैठ ने इसकी चिकित्सा सुविधा को बूरी तरह प्रभावित किया है जबकि सरकारी अस्पतालों में विभिन्न कारणों से आई गिरावट से इलाज महंगा भी हुआ है और फाइव स्टार जैसे अस्पतालों में नेताओं अधिकारियों की भीड़ ने डॉक्टरों को भगवान से सेवा प्रदाता बना दिया है। सस्ते साधन और डॉक्टर से इलाज नहीं होने से ग्रामीण और आदिवासी समाज झाड़ फूंक या डायन हत्या ओझा गुणी के चक्कर में पड़ रहा है जबकि वीआइपी निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। यह विभाजन स्पष्ट रूप से दिखने लगा है और इसके मूल कारणों को दूर किए बिना साधनों पर करोड़ों खर्च करने पर भी आम आदमी तक समुचित इलाज पहुंचाना बड़ी चुनौती है।डॉक्टर दिवस का दिन पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का अवसर भी है। यह डॉक्टर-मरीज के उस संबंध की याद दिलाता है, जो कभी सहज, मानवीय और गहरे विश्वास पर आधारित हुआ करता था। यह रिश्ता केवल बीमारी और इलाज के बीच नहीं बनता था, बल्कि संवाद, संवेदना और विश्वास पर टिका होता था। लेकिन, आज यही भरोसा कई जगहों पर कमजोर होता दिख रहा है।चिकित्सा विज्ञान बहुत आगे बढ़ा है, पर वह चमत्कार नहीं है। हर बीमारी ठीक नहीं होती, कई गंभीर मरीज बच नहीं पाते और हर इलाज मनचाहा परिणाम नहीं देता। ऐसे में, गुस्सा अक्सर डॉक्टर पर उतरता है। दुखद यह है कि डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार, धमकी और हिंसा की घटनाएं अब सामान्य सामान्य घटना बन गई हैं। कई अस्पतालों में डॉक्टर मरीज देखने से पहले यह भी सोचते हैं कि यदि परिणाम खराब हुआ, तो क्या वह सुरक्षित रहेंगे? यह स्थिति किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था पर हमला है और उस भरोसे पर चोट है, जिसके बिना कोई भी उपचार पूरा नहीं हो सकता। जब डॉक्टरों के साथ हिंसा होती है, तब वे भय में काम करते हैं। नतीजतन, गंभीर मरीजों का इलाज करने से बचते हैं और उन्हें तुरंत रेफर कर देते हैं। यह रक्षात्मक चिकित्सा अंततः मरीज और समाज, दोनों के लिए हानिकारक होती है। पर, इस समस्या को केवल डॉक्टर बनाम मरीज के रूप में देखना अधूरा होगा। समाज को समझना होगा कि डॉक्टरों के प्रति बढ़ता गुस्सा केवल व्यक्तिगत व्यवहार का परिणाम नहीं होता। उसके पीछे स्वास्थ्य व्यवस्था की कई कमजोरियां भी हैं। सरकारी अस्पतालों में भीड़ है, संसाधन सीमित हैं और डॉक्टर व नर्सों की संख्या पर्याप्त नहीं है। निजी अस्पतालों में इलाज महंगा होने के कारण मरीजों को लगता है कि वे बीमारी से अधिक व्यवस्था से लड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में अविश्वास पैदा होता है। मरीज के परिजनों को लगता है कि पैसा खर्च हो रहा है, पर परिणाम नहीं मिल रहा, और डॉक्टरों को लगता है कि उनके प्रयासों को समझा नहीं जा रहा। यहीं से दूरी शुरू होती है। इस टूटते भरोसे को सोशल मीडिया ने और जटिल बना दिया है। एक वीडियो, भावनात्मक पोस्ट या तीखी टिप्पणियां मिनटों में राष्ट्रीय बहस बन जाती हैं। इसका परिणाम दोतरफा है-डॉक्टरों में भय व रक्षात्मकता बढ़ती है और मरीजों के मन में अस्पतालों के प्रति संदेह गहराता है। इसका अर्थ यह नहीं कि डॉक्टरों और अस्पतालों से प्रश्न न पूछा जाए। चिकित्सा पेशा समाज से अलग नहीं है और उसमें भी कमियां हैं। कुछ जगहों पर संवाद की कमी है, कुछ अस्पतालों में बिलिंग पारदर्शी नहीं होती, और कहीं-कहीं व्यावसायिक दबाव भी दिखता है। इन बातों पर विमर्श होना चाहिए। अच्छी चिकित्सा केवल दवा लिखने का काम नहीं है। यह मरीजों को सुनने, उन्हें समझाने और भरोसा बनाने की प्रक्रिया भी है। सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन डॉक्टरों को अपमानित करना गलत है। अस्पतालों में जवाबदेही होनी चाहिए, भय का वातावरण नहीं। डॉक्टर भी थकते हैं, तनाव में रहते हैं, रातों को जागते हैं, कठिन निर्णय लेते हैं और मरीज को खोने के बाद भीतर से टूटते भी हैं, भले ही बाहर से शांत दिखें। डॉक्टर को देवता बनाने की जरूरत नहीं है, पर उसे शत्रु बनाना समाज की भूल है। डॉक्टर-मरीज संबंध को मानवीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा। पहला, सरकार को सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करनी होगी, ताकि पर्याप्त डॉक्टर, नर्स, बेड और जांच सुविधाएं उपलब्ध हों। दूसरा, अस्पतालों को संवाद और पारदर्शिता सुधारनी होगी, ताकि मरीज व उनके परिजनों को स्पष्ट जानकारी मिले और खर्च का अनुमान ईमानदारी से दिया जाए। तीसरा, समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी, क्योंकि बीमारी की घड़ी में धैर्य रखना कठिन जरूर है, पर भरोसा टूटने से इलाज बेहतर नहीं होता। इलाज केवल दवा, जांच और ऑपरेशन से नहीं होता, बल्कि भरोसे से भी होता है। जब मरीज डॉक्टर पर भरोसा करता है, तो उपचार की राह आसान होती है।

अयोध्या राम मंदिर प्रकरण

कार्यप्रणाली और पारदर्शिता का प्रश्न

आज की बात

महेंद्र तिवारी

> हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी है

अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां आने वाला हर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा अर्पित करता है। यही कारण है कि जब चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और चोरी के आरोप सामने आए तो यह मामला केवल एक आपराधिक घटना तक सीमित नहीं रहा। इसने धार्मिक संस्थानों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही और निगरानी व्यवस्था पर व्यापक बहस शुरू कर दी। पिछले कुछ दिनों में विशेष जांच दल की कार्रवाई ने इस पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। विभिन्न समाचार रिपोर्टों के अनुसार जांच अब केवल कथित चोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी देखा जा रहा है कि चढ़ावे की गिनती और जमा करने की जो व्यवस्था तय थी, उसका पालन वास्तव में हुआ या नहीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि चढ़ावे की गिनती के लिए मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच एक निर्धारित व्यवस्था बनाई गई थी। इस व्यवस्था का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नकदी की गिनती पूरी पारदर्शिता के साथ हो और किसी एक व्यक्ति या समूह के भरोसे पूरी प्रक्रिया न रहे। बताया जा रहा है कि गिनती के समय दोनों पक्षों के अधिकृत प्रतिनिधियों की संयुक्त उपस्थिति आवश्यक थी। यदि जांच में यह सिद्ध होता है कि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो यह केवल व्यक्तिगत लापरवाही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी निगरानी व्यवस्था की कमजोरी भी सामने आएगी।

जांच एजेंसियां केवल कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार बैंक अभिलेख, लेनदेन का विवरण, अभिलेखों का मिलान, संबंधित कर्मचारियों की भूमिका और अन्य वित्तीय पहलुओं की भी गहन पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यवस्था में कई स्तरों पर निगरानी हो और उसके बावजूद कथित अनियमितता सामने आए तो स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न उठता है कि नियंत्रण तंत्र किस स्तर पर कमजोर पड़ा। यही कारण है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। रिपोर्टों में यह भी कहा गया है कि चढ़ावे की गिनती से जुड़े कई संचालन संबंधी नियमों की समीक्षा की जा रही है। इनमें निगरानी व्यवस्था, कर्मचारियों का नियमित परिवर्तन, निर्धारित पहचान व्यवस्था, अभिलेखों का सुरक्षित रखरखाव और पूरी प्रक्रिया की जवाबदेही जैसे पहलू शामिल हैं। किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में नकदी और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्राप्त होती हैं। इसलिए ऐसी संस्थाओं में केवल ईमानदारी पर्याप्त नहीं होती बल्कि मजबूत संस्थागत व्यवस्था भी उतनी ही आवश्यक होती है। विशेष जांच दल की कार्रवाई ने यह संकेत दिया है कि मामला केवल अनुमान के आधार पर नहीं चल रहा है। उपलब्ध समाचारों के अनुसार कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है और 8 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इससे यह स्पष्ट होता

है कि जांच एजेंसियां संभावित भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। हालांकि किसी भी व्यक्ति की अंतिम जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही माना जाएगा। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक संस्थानों में आने वाला धन सामान्य सरकारी राजस्व नहीं होता। यह सीधे श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा होता है। कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से चढ़ावा देता है और उसे विश्वास होता है कि उसका योगदान उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह अर्पित किया गया है। यदि इस विश्वास पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव केवल संबंधित संस्था तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास पर भी पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार जांच में वित्तीय लेनदेन के साथ-साथ संबंधित व्यक्तियों की संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति की घोषित आय और वास्तविक संपत्ति के बीच असामान्य अंतर पाया जाता है तो जांच एजेंसियां उस पहलू को भी जांच के दायरे में ले सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध अंतिम निष्कर्ष घोषित नहीं हुआ है और जांच जारी है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रश्न भी खड़ा किया है। किसी भी संस्था में नियम केवल कागज पर लिखे रहने के लिए नहीं बनाए जाते। उनका उद्देश्य जोखिम को कम करना और जवाबदेही सुनिश्चित करना होता है। यदि संयुक्त उपस्थिति, अभिलेख सत्यापन, निगरानी और नियमित निरीक्षण जैसे नियमों का पालन नहीं किया गया तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए जांच एजेंसियां केवल यह नहीं देखतीं कि कथित चोरी किसने की, बल्कि यह भी देखती हैं कि उसे रोकने वाली व्यवस्था क्यों असफल हुई।

देश के अनेक बड़े मंदिरों में अब आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले निगरानी उपकरण, डिजिटल अभिलेख, स्वचालित गिनती प्रणाली और बहुस्तरीय सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं धीरे धीरे सामान्य होती जा रही हैं। ऐसे में यदि किसी स्थान पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं होता तो यह प्रशासनिक दृष्टि से गंभीर विषय बन जाता है। मामले ने राजनीतिक प्रतिक्रिया भी उत्पन्न की है। विपक्षी दलों ने निष्पक्ष जांच, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और पूरी जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठाई है। दूसरी ओर जांच एजेंसियां अपने स्तर पर साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। ऐसे मामलों में राजनीतिक बयान और कानूनी जांच को अलग-अलग दृष्टि से देखना आवश्यक होता है। अंतिम सत्य केवल साक्ष्यों और न्यायिक प्रक्रिया से ही सामने आता है। रिपोर्टों के अनुसार इस प्रकरण के बीच ट्रस्ट स्तर पर भी महत्वपूर्ण बैठकों की तैयारी की गई है। इन बैठकों में प्रशासनिक ढांचे, भविष्य की कार्यप्रणाली और आवश्यक सुधारों पर विचार होने की संभावना जताई गई है। यदि ऐसा होता है तो यह केवल वर्तमान विवाद का समाधान नहीं होगा बल्कि भविष्य में ऐसी आशंकाओं को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इस मामले से एक व्यापक सीख भी मिलती है। किसी भी संस्था की विश्वसनीयता केवल उसके उद्देश्य से नहीं बल्कि उसकी कार्यप्रणाली से भी तय होती है। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही मजबूत उसकी वित्तीय व्यवस्था और आंतरिक निगरानी होनी चाहिए। पारदर्शिता केवल आरोपों का उत्तर नहीं देती बल्कि भविष्य के विवादों को भी रोकती है। जांच अभी जारी है और इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। यह संभव है कि जांच के अंत में कुछ आरोप सही सिद्ध हों, कुछ गलत साबित हों और कुछ मामलों में केवल प्रक्रियागत कमियां सामने आएं। इसलिए वर्तमान समय में सबसे महत्वपूर्ण बात यही है कि जांच निष्पक्ष, वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित हो। किसी भी व्यक्ति या संस्था को दोषी या निर्दोष मानने का अधिकार अंततः न्यायिक प्रक्रिया का ही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कण-कण से तिजोरी तक : आस्था का बाजार

अलग बात

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

सनातन परंपरा ने ईश्वर को कभी किसी एक देवालय की परिधि में नहीं बाँधा। वह वृक्ष की छाया में था, नदी की धारा में था, अग्नि की ज्वाला में था, आकाश की निस्तब्धता में था और सबसे बढ़कर मनुष्य के अंतःकरण में था। वह अनुभव था, वस्तु नहीं; चेतना था, संग्रह नहीं। आज समय की विडंबना देखिए कि जिस सत्ता को ऋषियों ने 'नेति-नेति' कहकर समस्त सीमाओं से परे स्थापित किया, आज उसी को हम स्वर्ण-मंडित शिखरों, अभेद्य तिजोरियों और संगठित प्रबंधन के भीतर खोजने लगे हैं। यह केवल धार्मिक संरचनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना में घटित एक सूक्ष्म विस्थापन है- जहां अध्यात्म भी धीरे-धीरे बाज़ार की भाषा सीखने लगा है। धर्म तब तक जीवित रहता है, जब तक वह मनुष्य को भीतर की यात्रा पर ले जाता है। जैसे ही वह बाहर की भव्यता का उपासक बनता है, उसका केंद्र बदलने लगता है। मंदिर तब केवल पूजा अर्चना का स्थान नहीं रह जाता; वह प्रतिष्ठा, प्रभाव और संसाधनों का प्रतीक बनने लगता है। श्रद्धा की ऊंचाई का माप अंतःकरण की निर्मलता के स्थान पर, दानपात्र की गहराई से होने लगता है और चढ़ावे में कमी की चिंता वैसी ही दिखाई देने लगती है जैसी किसी व्यापारिक प्रतिष्ठान को अपने घटते हुए लाभ की होती है। यहीं से धर्म मौन हो जाता है और बाज़ार वाचाल। इस परिवर्तन की सबसे बड़ी त्रासदी यह होती है कि मनुष्य का धार्मिक मनोविज्ञान ही बदल जाता है। प्रार्थना आत्मसमर्पण नहीं, अपेक्षाओं का अनुबंध बन जाती है। कभी मनुष्य ईश्वर के सम्मुख स्वयं को रिक्त करने जाता था; आज वह इच्छाओं की एक लंबी सूची लेकर उपस्थित होता है। उसके हाथ जुड़े अवश्य होते हैं, किंतु भीतर एक अदृश्य गणित चलता रहता है - इतना अर्पण करूँगा तो उतनी कृपा मिलेगी, इतना दान दूंगा तो उतना प्रतिफल मिलेगा। यह वही क्षण होता है जब श्रद्धा अनजाने ही सौदे में रूपांतरित हो जाती है। बाज़ार का सबसे पुराना सिद्धांत-'निवेश और प्रतिफल'-धीरे-धीरे धर्म की देहरी पर अपना अधिकार जमा लेता है। इसी मनोभूमि पर वे छद्म आध्यात्मिक साम्राज्य फलते-फूलते हैं, जिनकी जड़ें वैराग्य में नहीं, महत्वाकांक्षी स्वार्थ में होती हैं। इतिहास में साधु वह था जिसने संसार छोड़ा था; आज अनेक स्थानों पर संसार ने साधु का वेश धारण कर लिया है। गेरुआ वस्त्र त्याग का नहीं, प्रभाव का परिधान बन गया है। आज वाणी में विरक्ति रहती है और जीवन में वैभव; मुख पर अध्यात्म होता है और मन में विस्तार की योजनाएं। भय, रोग, असफलता और भविष्य की चिंता- मनुष्य की इन्हीं स्वाभाविक दुर्बलताओं को पूंजी बनाकर आध्यात्मिकता का एक समानांतर उद्योग खड़ा कर दिया गया है। विडंबना यह है कि जितना अधिक भीतर का शून्य (खोखलापन) बढ़ता है, उतनी ही अधिक बाहर की चमक आवश्यक लगने लगती है। ईश्वर को स्वर्ण, रजत और रत्नों से अलंकृत करने की प्रवृत्ति भी इसी मनोविज्ञान का विस्तार है। परमात्मा को वैभव की आवश्यकता कभी नहीं होती; वैभव की आवश्यकता तो मनुष्य के अहंकार को होती है। जो व्यक्ति अपनी उपलब्धियों को संचय में मापता है, वह अनजाने में ईश्वर की महिमा को भी उसी तराजू पर तौलने लगता है। उपनिषदों ने जिस ब्रह्म को 'पूर्ण' कहा, उसे मनुष्य अपने अपूर्ण वैभव से पूर्ण करने का प्रयास करता है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी? और जब यही मानसिकता 'वीआईपी दर्शन' के रूप में प्रकट होती है, तब धर्म का संकट और अधिक गहरा उठता है। मंदिर वह स्थान था जहाँ सभी भेद समाप्त हो जाते थे-वहां न पद का अर्थ था, न धन का, न जाति का, न सामर्थ्य का। किंतु जब ईश्वर तक पहुंचने की दूरी भी मनुष्य की आर्थिक क्षमता से निर्धारित होने लगे, तब यह केवल व्यवस्था नहीं रहती, यह समभाव की मूल अवधारणा पर आघात बन जाती है। संसार की असमानताओं से थका हुआ मनुष्य यदि मंदिर में भी समानता का अनुभव न कर सके, तो फिर वह उसे कहाँ खोजे? कल्पना कीजिए कि यदि एक दिन चढ़ावे की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाए, वीआईपी दर्शन की व्यवस्था समाप्त हो जाए और अध्यात्म के नाम पर खड़े समस्त व्यावसायिक ढांचे विलीन हो जाएं, तो सबसे कम विचलित वही व्यक्ति होगा जिसकी आस्था भीतर प्रतिष्ठित है। **(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

वह लड़की जो खबर बन गई

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

शहर में उस सुबह अजीब हलचल थी। लोग चाय की दुकानों पर जमा थे। अखबारों के बंडल खुल रहे थे। मोबाइलों की स्क्रीनें चमक रही थीं। हर तरफ एक ही खबर थी, लेकिन किसी को पूरी खबर मालूम नहीं थी। बस इतना पता था कि कोई लड़की खबर बन गई है। कौन थी, कहां की थी, उसके साथ क्या हुआ, यह किसी को ठीक से नहीं मालूम था। फिर भी सब विशेषज्ञ बने बैठे थे। चायवाले रामू ने कप धोते हुए पूछा, "कौन थी वह लड़की?" सामने बैठे बाबूजी बोले, "अरे, कोई होगी। आजकल तो रोज कोई न कोई खबर बन जाती है।" एक ग्राहक हंसा, "हमारे देश में आदमी पैदा बाद में होता है, खबर पहले बन जाता है।" सब हंस दिए। अखबार मेज पर पड़ा था, जैसे किसी की लाश चौराहे पर पड़ी हो और लोग उसके जूतों का ब्रांड देख रहे हों। तभी एक बूढ़ी औरत वहाँ आई। उसने कांपते हाथों से अखबार उठाया और देर तक तस्वीर को देखती रही। उसकी आंखें भर आईं। रामू ने पूछा, "अम्मा, जानती हो क्या उसे?" बूढ़ी औरत ने सिर झुका लिया। बोली, "नहीं बेटा, मैं उसे नहीं जानती। लेकिन उसके आँसू मेरी उम्र के लगते हैं।" लोग चुप हो गए। फिर किसी ने बात बदल दी। हमारे समाज में दुख से ज्यादा असुविधाजनक कोई विषय नहीं होता। यहाँ आदमी शोक से नहीं, शोक की अवधि से परेशान होता है। उधर खबर फैलती जा रही थी। शहर में हर कोई लड़की के बारे में बात कर रहा था। केवल लड़की ही कुछ नहीं बोल रही थी। शायद इसलिए कि खबरों की दुनिया में पात्रों की नहीं, शीर्षकों की आवाज सुनी जाती है। दोपहर तक टीवी चैनल सक्रिय हो गए। स्टूडियो सज गए। बहस शुरू हो गई। एंकर गरजा, "देश जानना चाहता है कि दोषी कौन है।" ऐसा लगा जैसे देश अभी तक छुट्टी पर था और एंकर ने उसे जगाया हो। स्क्रीन पर आठ खिड़कियाँ खुलीं। आठ चेहरे दिखाई दिए। नौवां चेहरा उस लड़की का होना चाहिए था, लेकिन वह कहीं नहीं थी। एक नेता बोले, "यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है।" दूसरे नेता बोले, "यह विपक्ष की विफलता है।" तीसरे नेता बोले, "यह सत्ता की विफलता है।" एक विशेषज्ञ ने चश्मा ठीक करते हुए कहा, "हमें सामाजिक चिंतन की आवश्यकता है।"

राष्ट्रीय नवीन मेल

धर्म-अध्यात्म

आनंद की चिरस्थायी और नित्य परिवर्तनशील आंतरिक अवस्था

श्री श्री परमहंस योगानंद

जब मन शक्तिशाली हो और हृदय शुद्ध हो, तो आप मुक्त हैं। यह मन ही है जो आपको शरीर की पीड़ा से जोड़ता है। जब आप शुद्ध विचारों को सोचते हैं और मानसिक रूप से शक्तिशाली होते हैं, तब आप बुरे कर्मों के पीड़ादायक प्रभावों से दुःखी नहीं हो सकते। इसे मैंने बहुत प्रसन्नतादायक पाया है। अवचेतन निद्रा में, आप मुक्त हैं। जब आप समाधि में ईश्वर के साथ एक होते हैं, तो आपका कोई कर्म नहीं होता। इसीलिए सन्तजन कहते हैं, "निरन्तर प्रार्थना करो।" जब आप निरन्तर प्रार्थना एवं ध्यान करते हैं, तब आप अधिचेतना के क्षेत्र में चले जाते हैं, जहाँ कोई भी कष्ट आप तक नहीं पहुंच सकते। आप इन विधियों द्वारा इसी समय, कर्मों से मुक्त हो सकते हैं। जब भी कार्मिक कष्ट आपको पीड़ा दें, तो सो जाएं या शुद्ध विचार सोचें और मन को इस्पात की तरह बनाएं, स्वयं से कहें : मैं इन सबसे ऊपर हूं।" या, सर्वोत्तम यह होगा कि गहन ध्यान में अधिचेतना की दिव्य अवस्था में चले जाएं। उस चेतना का परमानन्द आपकी आत्मा की स्वाभाविक अवस्था है, परन्तु शरीर के साथ इतने लम्बे समय से एकात्म होकर आप अपनी वास्तविक प्रकृति को भूल गए हैं। आत्मा की उस दुःख रहित परमानन्दमयी अवस्था को पुनः प्राप्त करना ही होगा। आत्मा की प्रकृति (व्यक्तिगत ब्रह्म के रूप में) परमानन्द हैः आनन्द की चिरस्थायी, नित्य-नवीन एवं नित्य परिवर्तनशील आन्तरिक अवस्था। यह परमानन्द उस व्यक्ति को सदा के लिए अक्षय आनन्द प्रदान करता है जो इसे प्राप्त कर लेता है, चाहे वह शारीरिक कष्टों या मृत्यु के परीक्षणों से ही क्यों न गुज़र रहा हो। भौतिक उपचार- औषधियां, भौतिक सुविधाएं, मानवीय सान्त्वनाएं - पीड़ा मिटाने में अपनी भूमिका रखते हैं, परन्तु महानतम् उपचार है क्रियायोग का अभ्यास तथा यह प्रतिज्ञापन कि आप ईश्वर के साथ एक हैं। यह समस्त कष्टों, पीड़ाओं तथा शोकावस्थाओं के लिए राम-बाण उपचार है- अर्थात् समस्त व्यक्तिगत एवं सामूहिक कर्मों से मुक्ति का मार्ग। **–पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार**

फेसबुक वॉल से

एक्स से

बांग्लादेश की बदलती सैन्य सोच व भारत के सामने नई सुरक्षा चुनौती

देश की बात

कांतिलाल मांडोत

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय में भारत की निर्णायक भूमिका रही थी। दोनों देशों ने दशकों तक सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया। किंतु पिछले कुछ समय से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, उसकी सैन्य सोच और विदेश नीति में दिखाई दे रहे बदलावों ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। विशेष रूप से बांग्लादेशी सेना में धार्मिक प्रतीकों और इस्लामी पहचान को अधिक प्रमुखता देने की खबरों ने भारत सहित पूरे क्षेत्र का ध्यान आकर्षित किया है। हाल के घटनाक्रमों के अनुसार बांग्लादेशी सेना की कुछ नई बटालियनों का नाम इस्लामी इतिहास के शुरुआती खलीफाओं के नाम पर रखा गया है और सेना के पारंपरिक राष्ट्रवादी नारों के स्थान पर धार्मिक नारों को महत्व दिए जाने की चर्चा भी सामने आई है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो यह केवल सैन्य परंपरा का परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि बांग्लादेश की बदलती वैचारिक दिशा का संकेत भी माना जाएगा। किसी भी सेना का चरित्र केवल उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, प्रतीकों और प्रशिक्षण से भी निर्धारित होता है। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामी संगठनों और धार्मिक समूहों का प्रभाव बढ़ने की चर्चा लगातार हो रही है। लंबे समय तक अवामी लीग ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद और "जय बांग्ला" की भावना को राष्ट्रीय पहचान का आधार बनाया था। अब यदि सेना के भीतर धार्मिक पहचान को अधिक महत्व दिया जा रहा है तो यह उस वैचारिक परिवर्तन का हिस्सा माना जा सकता है जो देश की राजनीति और समाज में भी दिखाई दे रहा है। बांग्लादेश की इस बदलती सोच के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। पहला कारण घरेलू राजनीति है। किसी भी देश की सरकार और सत्ता प्रतिष्ठान अपने समर्थक सामाजिक वर्गों को संतुष्ट करने के लिए कई बार सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करते हैं। यदि इस्लामी संगठनों का प्रभाव बढ़ता है तो सेना सहित अन्य संस्थाओं पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक माना जाता है। दूसरा कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन है। बांग्लादेश आज चीन और पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास इसी रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। इससे वह अपने रक्षा विकल्पों को व्यापक बनाना चाहता है ताकि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता न रहे। तीसरा कारण भारत के साथ कुछ पुराने और नए विवाद भी हैं। सीमा पर अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा, जल बंटवारा, व्यापारिक असंतुलन तथा राजनीतिक बयानबाजी जैसे मुद्दों ने समय-समय पर दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक और धार्मिक समूह भारत विरोधी भावनाओं को घरेलू राजनीति में समर्थन जुटाने के लिए भी इस्तेमाल करते रहे हैं। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा बांग्लादेश या उसकी पूरी जनता भारत विरोधी है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक, बुद्धिजीवी और व्यापारी भी हैं जो भारत के साथ अच्छे संबंधों को अपने देश के हित में मानते हैं। भारत के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का है। यदि भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट सैन्य गतिविधियां बढ़ती हैं या सीमा क्षेत्रों में तनाव का वातावरण बनता है तो उसका सीधा प्रभाव असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। भारत पहले ही सीमा पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, बाड़ और सुरक्षा बलों की तैनाती को मजबूत कर चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की उकसाने वाली गतिविधि या घुसपैठ की संभावना पर स्वाभाविक रूप से गंभीर नजर रखी जाएगी। अवैध घुसपैठ भी लंबे समय से भारत के लिए एक संवेदनशील विषय रही है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सख्त बनाया है और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। इस कारण दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए पूरे समुदाय या पूरे देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होता। सीमा सुरक्षा और कानून का पालन दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है। जहां तक मुस्लिम खलीफाओं के नाम पर सैन्य इकाइयों के गठन का प्रश्न है, इसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं। समर्थकों का तर्क हो सकता है कि यह केवल धार्मिक और ऐतिहासिक प्रेरणा का विषय है, जबकि आलोचक इसे सेना के बढ़ते वैचारिक और धार्मिक झुकाव के रूप में देखते हैं। किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले यह देखना आवश्यक होगा कि भविष्य में बांग्लादेश की सैन्य नीति, प्रशिक्षण और व्यवहार किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। भारत के लिए इस समय सबसे उपयुक्त नीति सतर्कता और संयम की होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज का दोहा

खंजर सा ले हाथ में, सब हैं सबके मित्र।
छिड़क रहे हैं ये सभी, वहां खून का इत्र।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : डॉ राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

एसआईटी अब 15 जुलाई तक सौंपेगी अंतिम जांच रिपोर्ट

अयोध्या दान मामले में योगी सरकार ने बढ़ाई जांच अवधि

एजेंसी। लखनऊ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या तीर्थ क्षेत्र में दान प्रकरण की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) की समय-सीमा 15 जुलाई तक बढ़ा दी है। मामले के विभिन्न पहलुओं की गहन छानबीन के लिए एसआईटी ने मुख्यमंत्री से अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्होंने एसआईटी को आगामी 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी का गठन करने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि एसआईटी इस प्रकरण में हर पहलू की सघनता और निष्पक्षता से जांच करते हुए दूध का दूध और पानी का पानी करेगी। दोषियों को किसी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। गत 23 जून को एसआईटी के प्रमुख सदस्य लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अपना प्रारंभिक प्रतिवेदन गृह विभाग को सौंपा था, जिसमें कठोर संस्तुतियां की गई थीं। इन संस्तुतियों के आधार पर गत 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्णमोहन की लिखित शिकायत पर श्रीराम जन्मभूमि थाने में पहली एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें 8 नामजद व अन्य अज्ञात व्यक्तियों को अभियुक्त बनाया गया था। सभी नामजद अभियुक्त गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एसआईटी की जांच पर पूरे प्रदेश की निगाहें लगी हुई हैं। वहीं, विपक्ष भी इस मुद्दे पर सरकार को लगातार घेरने में जुटा हुआ है। ज्ञात हो कि अयोध्या में राममंदिर में चढ़ावा मामले में राजनीतिक विरोध भी जारी है। सपा के बाद कांग्रेस भी इस मुद्दे के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रही हैं जबकि हर मंच से मुख्यमंत्री योगी विपक्ष को घेरने में जुटे हैं।

हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज के सदस्य गृह मंत्री से मिले

जनसांख्यिकीय बदलावों पर शीघ्र सौंपें सिफारिशें : अमित शाह

- **जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों का करेगी दौरा**

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जनसांख्यिकीय बदलावों पर गठित हाई लेवल कमेटी ऑन डेमोग्राफिक चेंजेज से जल्द से जल्द अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने का आग्रह किया है। समिति ने बुधवार को यहां गृह मंत्री के आवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट कर अपनी कार्ययोजना की जानकारी दी। बैठक के दौरान गृह मंत्री को बताया गया कि जनसांख्यिकीय बदलावों से संबंधित जमीनी स्थिति का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए समिति विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करेगी। इसके साथ ही समिति केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी विचार-विमर्श करेगी ताकि जनसंख्या में हो रहे बदलावों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर फीडबैक प्राप्त किया जा सके।

समिति ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दौरे अधिक प्रभावी और संवादात्मक बनाने के उद्देश्य से एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई है। इसके माध्यम से संबंधित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से आवश्यक सूचनाएं पहले ही प्राप्त की जाएंगी, जिससे अध्ययन को अधिक व्यवस्थित और तथ्यपरक बनाया जा सके।सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नावलेकर समिति के अध्यक्ष हैं। समिति में जनगणना आयुक्त के अलावा पूर्व आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव तथा प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) की सदस्य डॉ. शमिका रवि सदस्य के रूप में शामिल हैं।

समिति देश के विभिन्न हिस्सों में अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी, उनके कारणों का विश्लेषण करेगी तथा उनसे निपटने के लिए आवश्यक नीतिगत, विधायी और प्रशासनिक उपायों पर अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपेगी।

- केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के साथ भी व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा

अवैध प्रवास पर अध्ययन करेगी हाई-पावर्ड डेमोग्राफी समिति

गृह मंत्री अमित शाह ने समिति की कार्ययोजना की सराहना करते हुए गृह सचिव को निर्देश दिए कि समिति के दैनिक कार्यों और उसके दौरों के दौरान हरसंभव प्रशासनिक एवं अन्य आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने समिति से अपने अध्ययन को शीघ्र पूरा कर सरकार को जल्द से जल्द सिफारिशें सौंपने का सुझाव दिया। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को अपने संबोधन में 'हाई-पावर्ड डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा की थी। इसके तहत केंद्र सरकार ने अवैध प्रवास तथा अन्य असामान्य कारणों से देश में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए इस उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

राम मंदिर में पैसे गिनने की नौकरी से पहले पानी बेचता था अविनाश: सुंदरलाल

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा मामले की जांच तेज हो गई है। इस मामले में पुलिस ने अविनाश शुक्ला नामक युवक को गिरफ्तार किया है, जिस पर मंदिर ट्रस्ट से जुड़े धन के दुरुपयोग और गबन के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी के अनुसार, अविनाश शुक्ला अयोध्या के कौशलपुरी फेज-2 इलाके में एक योग केंद्र से जुड़ा हुआ था, जहां वह कुछ समय से रह रहा था। यह योग केंद्र पिछले दो दशकों से अधिक समय से चल रहा है और यहां योगाचार्य सीमा तिवारी के अनुसार कई छात्र और जरूरतमंद लोग रहते और सीखते रहे हैं। इसी केंद्र से अविनाश का संपर्क उसके भाई अभिषेक शुक्ला के माध्यम से हुआ था। योगाचार्य सीमा तिवारी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि अभिषेक लगभग दस साल पहले आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति में इस केंद्र में आया था। उसे गुरुजी ने न केवल शिक्षा दी बल्कि रहने और खाने की भी व्यवस्था की। इसके बाद में अभिषेक को नौकरी मिली और वह स्थिर हो गया। इसी दौरान उसने अपने छोटे भाई अविनाश को भी यहां बुला लिया था। करीब डेढ़ साल पहले अविनाश को राम मंदिर में नौकरी मिलने की जानकारी सामने आई है। घटना के संबंध में यह भी बताया गया कि 5 जून को पुलिस ने योग केंद्र और संबंधित स्थानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान परिसर की तलाशी ली गई और अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए ले जाया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के किराए के घर से 20 लाख रुपए से अधिक नकद बरामद किए जाने की बात कही जा रही है। हालांकि इस पर आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। सीमा तिवारी ने बताया कि उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों से मिली। उन्हें अविनाश के कथित गबन में शामिल होने की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग में 5 जून की घटना कैद हुई थी, जिससे बाद में स्थिति स्पष्ट हुई है।

दृष्टिपात

राम मंदिर चंदा की कांग्रेस ने की निष्पक्ष जांच और ट्रस्ट समिति भंग करने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा और कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं अभिनेता विक्रम मस्ताल ने राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे और वित्तीय लेन-देन में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार और संबंधित ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने, वर्तमान ट्रस्ट समिति को भंग करने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विक्रम मस्ताल ने आरोप लगाया कि प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के नाम पर देश-विदेश से प्राप्त चंदे के उपयोग में व्यापक वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पूरे मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कांग्रेस की ओर से मांग की गई कि वर्तमान ट्रस्ट समिति को तत्काल भंग किया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच किसी स्वतंत्र और विश्वसनीय एजेंसी से कराई जाए। पार्टी ने वर्ष 2019 से 2025 के बीच अयोध्या और आसपास हुई भूमि खरीद की भी व्यापक जांच कराने की मांग उठाई। पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है और उससे जुड़े प्रत्येक वित्तीय लेन-देन में पूर्ण पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में अब तक केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई है।

सरकारी अस्पतालों में लगेंगे सीसीटीवी, कंट्रोल रूम से होगी निगरानी: निशांत कुमार

पटना। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता लोगों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कोशिश है कि मरीजों का इलाज जिला अस्पतालों में ही हो जाए और जरूरत पड़ने पर ही उन्हें पटना रेफर करना पड़े। मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए एक सॉफ्टवेयर भी विकसित किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य विभाग के कंट्रोल रूम से अस्पतालों की निगरानी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी अस्पतालों का निरीक्षण करेंगे और अपनी टीम को भी भेजेंगे, लेकिन तकनीक के जरिए नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। यदि कहीं कोई अनियमितता पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निशांत कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री का पदभार संभालने के बाद उन्हें सबसे अधिक शिकायत डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों की अनुपलब्धता की मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि डॉक्टर समय पर ड्यूटी करें और मरीजों को बेहतर इलाज मिले। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी अस्पतालों में 504 प्रकार की दवाइयां उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल करीब 350 दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं और शेष दवाओं की उपलब्धता पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

केतन अग्रवाल की हत्या के पहले सिया ने किया था रिहर्सल

पुणे। रियल एस्टेट बिजनेसमैन केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। केतन को लोहगढ़ किले से धक्का देने से पहले सिया गोयल और चेतन चौधरी ने मर्डर की प्लानिंग के साथ ही रिहर्सल भी की थी। पुणे ग्रामीण पुलिस की जांच से पता चला है कि आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी ने 18 जून को लोहगढ़ किले की चट्टान से केतन को धक्का देने से पहले मार्केट यार्ड के पास एक पहाड़ी पर इस अपराध की रिहर्सल की थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 'सिया और चेतन ने पूछताछ के दौरान पहाड़ी पर इस काम की प्रैक्टिस करने की बात कबूल की है।' अधिकारी ने कहा, 'हम उस सही जगह की पहचान करेंगे जहां रिहर्सल हुई थी और वहां का पंचनामा करेंगे। दोनों आरोपियों ने यह भी बताया कि अपराध को अंजाम देने से पहले उन्होंने इसकी रिहर्सल कैसे की थी।' 3 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में चेतन है और पुलिस ने चेतन चौधरी का वो स्कूटर भी जब्त कर लिया है, जिससे वो केतन की हत्या के दिन लोहगढ़ किले पर गया था। अधिकारी ने कहा, 'हम चेतन चौधरी की मौजूदगी में लोहगढ़ किले में हुए घटनाक्रम को फिर से दोहराने की योजना बना रहे हैं।

- सिया-चेतन ने कबूली रिहर्सल वाली बात

आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत घूसखोरी मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के एक मामले में आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत को बुधवार को गिरफ्तार किया है। गहलावत वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), दिल्ली में तैनात हैं। सीबीआई ने बुधवार को बताया कि इस मामले में 8 जून को दिल्ली पुलिस के एक इंस्पेक्टर और दो निजी व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत ने निजी व्यक्तियों से रिश्वत की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि वह अपने व्यक्तिगत प्रभाव का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में नकली दवाओं की बिक्री से जुड़े उन मामलों में राहत दिला सकते हैं, जिनकी जांच सीबीआई कर रही है। जांच के दौरान सीबीआई ने पहले दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह सहित छह अन्य निजी व्यक्तियों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 25 लाख रुपये की ट्रैप राशि बरामद की गई थी। इसके अलावा करीब 90 लाख रुपये नकद तथा कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। सीबीआई के अनुसार, दीपक गहलावत से जुड़े कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

भारत-पाक के बीच कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान, जल्द रिहाई की मांग

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत बुधवार को अपनी-अपनी हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की ताजा सूची का आदान-प्रदान किया है। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान से सजा पूरी कर चुके 188 भारतीय कैदियों और मछुआरों की जल्द रिहाई और वतन वापसी की मांग दोहराई है। नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक माध्यमों (डिप्लोमैटिक चैनल) के जरिए एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची का आदान-प्रदान किया। इस दौरान विदेश मंत्रालय (एमईए) ने पाकिस्तान से नागरिक कैदियों, मछुआरों, उनकी नौकाओं और पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद लापता भारतीय रक्षा कर्मियों को जल्द रिहा कर भारत भेजने की मांग की। भारत और पाकिस्तान के बीच साल 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत दोनों देश हर साल एक जनवरी और एक जुलाई को अपनी हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूची एक-दूसरे के साथ साझा करते हैं। भारत ने पाकिस्तान को अपनी हिरासत में मौजूद 386 नागरिक कैदियों और 53 मछुआरों की सूची सौंपी है।

सनातन बोर्ड के गठन से चढ़ावे का होगा सदुपयोग और रुकेगी चोरी : देवकीनंदन

आईएएनएस। नई दिल्ली

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के आरोप, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार के बयान, सनातन बोर्ड, चंपत राय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत विभिन्न मुद्दों पर आईएएनएस से विशेष बातचीत की। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "मैं अभी इस मुद्दे पर ज़्यादा कुछ नहीं कह सकता। सभी जानते हैं कि यदि ऐसा कुछ हुआ है तो इसकी जांच चल रही है। लेकिन अगर ऐसा हुआ है, तो उन 100 करोड़ हिंदुओं और सनातन भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिनकी भगवान राम में आस्था है।"

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि राम मंदिर के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद विहिप की भूमिका समाप्त हो गई थी। इसके बाद मंदिर निर्माण से लेकर उसके संचालन तक उनकी कोई भूमिका नहीं रही। इस पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "किसी ने मुझसे आलोक जी के उस बयान के बारे में पूछा कि फैसले के बाद राम मंदिर से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद, सनातन और देश के लिए बहुत काम किया है तथा आगे भी करते रहेंगे। मैं उनकी बात से सहमत हूं। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा कहा है कि एक सनातन बोर्ड का गठन होना चाहिए। मैंने संघ और विहिप के लोगों के साथ इस विषय पर चर्चा की है। कई वरिष्ठ लोग भी मानते हैं कि इसके लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए। जैसे आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को संविधान का ज्ञान होता है, वैसे क्या उन्हें रामायण, वेद और शास्त्रों का भी ज्ञान होता है? धर्म से जुड़े कार्य धर्माचार्यों पर छोड़ दिए जाने चाहिए, जबकि प्रशासन और सरकार अपने दायित्व निभाएं। यदि राम मंदिर से शंकराचार्यों को जोड़ा गया होता तो आज कथित चढ़ावा चोरी जैसे आरोपों का सामना नहीं करना पड़ता।

लिफ्ट देकर लूट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-49 थाने की पुलिस ने राह चलते लोगों को कार में बैठाकर लूटपाट करने और मोबाइल का लॉक खुलवाकर बैंक खाते से रकम ट्रांसफर करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से पीड़ित का लूटा गया आईफोन -16, स्मार्ट वॉच, चार्जर, आधार कार्ड, 2,300 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई कार बरामद की गई है। इसके बाद आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन, चार्जर, पावर बैंक और नकदी छीन ली। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ित को धमकाकर उसके मोबाइल का लॉक खुलवाया और मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से उसके बैंक खाते से अपने खातों में धनराशि स्थानांतरित कर ली।

- मोबाइल का लॉक खुलवाकर खाते से उड़ाते थे रुपए

पाकिस्तान : पीओके हिंसा की तुलना 'जलियांवाला बाग नरसंहार' से की

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर जल रहा है। महीनों से अपने हक को लेकर लोग आंदोलनरत हैं। हाल ही में निहत्थे लोगों पर सुरक्षाबलों की बर्बर कार्रवाई में 18 निर्दोष मारे गए। पाकिस्तानी संसद में नेता प्रतिपक्ष महमूद खान अचकजई इस पूरे घटनाक्रम से आहत हैं, और उन्होंने इन मौतों की तुलना जलियांवाला बाग नरसंहार से की है।वरिष्ठ राजनेता ने अपनी एक्स अकाउंट पर प्रेस वार्ता के कुछ वीडियो क्लिप्स साझा किए हैं। सोमवार (29 जून) रात हुई प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तानी सत्ता को उसका क्रूर चेहरा दिखाते हुए महमूद खान ने कहा, "आपने संवेदनशील क्षेत्र में 18 लोगों की जान ले ली। अगर अब और लोगों को मारना चाहते हैं, तो मार दीजिए। फिर यह एक और जलियांवाला बाग होगा।

उसके बाद जनरल डायर का अंजाम भी याद रखिए।उन्होंने याद दिलाया, "सौ साल बाद जब महारानी एलिजाबेथ भारत आई थीं, तब भारत सरकार ने जलियांवाला बाग हत्याकांड के लिए माफी मांगने को कहा था।"अचकजई ने पीओके का दर्द बयां किया। उन्होंने कहा, "यहां के लोग ऐसे नहीं थे जो चाकू, खंजर या बंदूक उठाते। आखिर उन्हें इस हद तक पहुंचने के लिए क्यों मजबूर किया गया? उन पर गोलियां चलाई गईं और 11 से अधिक लोगों की जान चली गई।"उन्होंने दावा किया कि इस दौरान विभिन्न संगठनों ने उनसे संपर्क कर कहा, "भाई, हमारे और सरकार के बीच खड़े हो जाइए।"सरकार को खुली चेतावनी देते हुए अचकजई ने कहा, "अगर हिम्मत है तो हमें भी जेल भेज दीजिए। आपने कोट लखपत जेल के 70 वर्षीय कैदियों को भी 280 साल की सजा सुना दी।

सेवानिवृत्त हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा : आर्मी चीफ

हर चुनौती से निपटने को तैयार होगी नई भारतीय सेना

- **नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ ने कार्यभार संभालने के बाद पिता और छोटे भाई को किया सैल्यूट**

एजेंसी। नई दिल्ली

नए सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ को कार्यभार संभालने के बाद बुधवार को पहला गार्ड ऑफ ऑनर साउथ ब्लॉक लॉन्स में दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ (सेवानिवृत्त) और छोटे भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ को सैल्यूट किया। अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि हमारा सबसे बड़ा मकसद स्वदेशी तरीकों का इस्तेमाल करके युद्ध जीतना होगा। हम अपनी सीमाओं और उभरते खतरों के बारे में लगातार विजिलेंस बनाए रखेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए किसी भी चुनौती का असरदार तरीके से मुकाबला करने के लिए ऑपरेशनल रेडीनेस का हाई लेवल बनाए रखेंगे। नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़कवासला के पुराने स्टूडेंट जनरल सेठ आर्म्ड कोर के पहले ऑफिसर हैं, जो 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी के रिटायरमेंट के बाद आर्मी चीफ बने हैं। वे एक जाने-माने सैन्य परिवार से आते हैं। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल केएम सेठ 1997 में आर्मी के एडजुटेंट जनरल के पद से रिटायर हुए थे, जब नए आर्मी चीफ खुद कैप्टन थे। उनके भाई रियर एडमिरल रविनीश सेठ भारतीय नौसेना में फ्लैग ऑफिसर के तौर पर कार्यरत हैं। जनरल सेठ को सैन्य क्षेत्र में जमीनी और ऑपरेशन पर फोकस करने वाले कमांडर के तौर पर जाना जाता है। उन्होंने उसी भोपाल-बेस्ड 21 स्ट्राइक कोर को कमांड किया है, जिसे कभी उनके पिता लीड करते थे। पदभार संभालने के बाद आर्मी चीफ जनरल धीरज सेठ ने कहा कि आज जब मैं भारतीय सेना के 31वें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पद संभाल रहा हूं, तो यह मेरे लिए गर्व और विनम्रता का पल है।

भविष्य की चुनौतियों को सेना तैयार

जनरल धीरज सेठ ने भारतीय सेना को तकनीक से चलने वाली भविष्य के लिए तैयार फोर्स बनाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का नेतृत्व करना और 'ड्यूटी, ऑनर और नेशन फर्स्ट' के आइडियल्स के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराना 'गर्व और विनम्रता' की बात है। आर्मी चीफ ने कहा कि इस बदलते सुरक्षा माहौल की चुनौतियों से निपटने के लिए हमें नए जोश और पक्के इरादे के साथ सेना की आधुनिकता को आगे बढ़ाना होगा। हमारा मकसद प्रौद्योगिकी समर्थित भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodonist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्रओं के लिए 50% की छूट

Facliities
- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दांतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दांत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No : 9199533383/7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

सूनी आंखें, कपकपाते हाथ व विज्ञान की उम्मीद : जब गरीब के घर का चूल्हा व अपनों की जान दोनों बचेंगे

- 'टुकुर-टुकुर' देखती बेबस निगाहें व एक्सनोट्रांसप्लांटेशन : एक मरणासन्न पिता व उसका लाचार परिवार
- कॉरपोरेट की तिजोरियां बनाम एम्स की चौखट : कब थमेगी इलाज के अभाव में दम तोड़ते गरीबों की चीख?

- मसीहा जब मशीन बन जाए: एक गरीब की कराह और भविष्य की चिकित्सा

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। सरकारी अस्पताल के एक ठंडे, सीलन भरे गलियारे में लोहे के स्ट्रेचर पर लेटा वह 32 साल का जवान, जो कभी अपने परिवार की रीढ़ था, आज दर्द से कराह रहा है। उसका लिवर व दोनों किडनी जवाब दे चुकी हैं। पेट पानी से फूल चुका है, सांसें उखड़ रही हैं और आँखों में केवल पीलापन व मौत का खौफ है। उसके सिरहाने बैठी उसकी बूढ़ी माँ, फटी हुई साड़ी के पल्लू से अपनी आँखों के आँसू सुखाते हुए भगवान को कोस रही है। पास ही खड़ी उसकी सात साल की बेटी और नौ साल का बेटा, अपनी सूनी व डरी हुई आँखों से 'टुकुर- टुकुर' कभी डॉक्टर को देखते हैं, तो कभी अपने पिता के बेजान होते जा रहे चेहरे को। पत्नी असहाय भाव से दीवार का सहारा लिए खड़ी है, उसकी हताशा इतनी गहरी है कि अब उसकी आँखों से आँसू भी सूख चुके हैं। डॉक्टरों ने कह दिया है—"या तो तुरंत अंग ढूंढो, या इन्हें घर ले जाओ।" यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, यह भारत के हर दूसरे सरकारी अस्पताल में हर रोज दम तोड़ती इंसानियत का कड़वा सच है। एक गरीब परिवार के लिए अंग खराब होने का मतलब सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि पूरे परिवार का जिंदा दफन हो जाना है।

जब अपनों को बचाने के लिए खुद को आधा मारना पड़ता है : ऐसी स्थिति में यदि कोई उम्मीद की किरण दिखती भी है, तो वह और भी भयानक होती है। पारंपरिक रूप से, अगर उस जवान पिता को बचाना है, तो उसकी बूढ़ी माँ या उसकी लाचार पत्नी को अपनी एक किडनी दान करनी होगी। सोचिए उस दर्द की गहराई को, जहाँ एक अपनों को बचाने के लिए दूसरे स्वस्थ इंसान को भी आधा अपाहिज होना पड़ता है। और यदि वह अंग दान देने वाला व्यक्ति घर का एकमात्र कमाने वाला हो, तो ऑपरेशन के बाद उसका शरीर भारी काम करने लायक नहीं रहता। नतीजा? बीमारी एक को पकड़ती है, लेकिन पूरा परिवार दाने-दाने को मोहताज होकर सड़क पर आ जाता है।

यहीं पर विज्ञान का वह चमत्कार—**'एक्सनोट्रांसप्लांटेशन' (जेनेटिकली मॉडिफाइड सूअर के अंगों का प्रत्यारोपण)**—एक मसीहा बनकर उभरता है। जब लैब में विशेष रूप से तैयार सूअर की किडनी या लिवर इस मरीज को मिल जाएगी, तो उस बूढ़ी माँ या पत्नी को अपना अंग कटवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। परिवार का कोई भी सदस्य शारीरिक रूप से कमजोर नहीं होगा। सबसे बड़ी बात, इस आधुनिक तकनीक में अंगों के 'रिजेक्शन' का खतरा इतना कम होता है कि ऑपरेशन के बाद मरीज को जीवन भर ली जाने वाली वे बेहद महंगी दवाइयां नहीं खरीदनी पड़ेंगी, जो आज एक आम इंसान को जीते-जी कंगाल बना देती हैं। डरावने और बड़े ऑपरेशन भी तब इतने सुलभ हो जाएंगे कि वे चुनिंदा बड़े डॉक्टरों के एकाधिकार से निकलकर देश के आम सर्जनों के हाथों में होंगे।

प्रतीक्षा का वह अंतहीन व खौफनाक दौर : लेकिन इस उम्मीद के पीछे एक ऐसी हकीकत भी है जो दिल को चीर देती है। विज्ञान कितना भी आगे बढ़ जाए, इस तकनीक को पूरी तरह सुरक्षित होकर भारत के आम अस्पतालों तक पहुँचने में लगभग दसियों साल का लंबा वक्त लगेगा। अब जरा उस मरीज की कल्पना कीजिए जो आज बेड पर पड़ा हर मिनट मौत से जंग लड़ रहा है। उसके लिए 5-7 -10 साल का यह इंतजार किसी अनंत काल जैसा है। वह लाचार परिवार हर रोज सुबह उठकर सोचता है कि क्या आज का सूरज उनके अपनों को देख पाएगा? यह इंतजार उन मजबूर लोगों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है, जहां इलाज तो सामने दिख रहा है, लेकिन वह इतनी दूर है कि हाथ नहीं पहुंच पा रहा।

पूंजीवाद का गिद्ध और सरकारी एम्स की ढाल : इस मानवीय त्रासदी के बीच सबसे बड़ा पाप तब होता है, जब देश की नीतियां इन लाचारों की चीखों को नजरअंदाज करके स्वास्थ्य व्यवस्था को भी 'अंबानी-अडाणी' जैसे चंद बड़े पूंजीपतियों की तिजोरियों के हवाले करने पर आमादा हो जाती हैं। आज देश में जो एक अजीब सा झक सवार हो गया है कि सब कुछ निजी हाथों में दे दिया जाए, वह इन गरीबों के लिए साक्षात यमराज का रूप है। यदि भारत को वास्तव में अपनी इस मरती हुई आबादी को बचाना है, तो उसे उस अमेरिकी कॉर्पोरेट मॉडल को लात मारनी होगी जहाँ बिना भारी-भरकम बीमा (इंश्योरेंस) के एक गरीब को अस्पताल की सीढ़ियों पर दम तोड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है। भारत को आंख मूंदकर अमेरिका के पीछे भागने के बजाय जर्मनी, जापान व चीन के रास्ते पर चलना होगा।

जर्मनी और जापान जैसे देशों में सरकार हर गरीब और बेरोजगार के इलाज का पूरा खर्च खुद उठाती है। वहाँ स्वास्थ्य कोई धंधा नहीं, बल्कि सरकार की जिम्मेदारी है। चीन ने अपने सरकारी तंत्र को इतना मजबूत किया है कि आज वह इस एडवांस रिसर्च को सीधे सरकारी अस्पतालों के माध्यम से अपनी गरीब जनता तक मुफ्त पहुँचा रहा है। भारत को भी अपनी पूरी ताकत एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों को मजबूत करने में झोंकनी होगी। जब तक यह एडवांस तकनीक सरकारी नियंत्रण में एम्स जैसी संस्थाओं के माध्यम से जमीन पर नहीं उतरेगी, तब तक कॉर्पोरेट के गिद्ध इस बीमारी को भी मुनाफे का जरिया बनाकर गरीब की खाल खींचते रहेंगे। यह सोचने का वक्त आ गया है कि देश की संस्थाएं चंद उद्योगपतियों के और धनी बनने के लिए हैं, या उस तड़पते हुए जवान पिता, उसकी सूनी आँखों से टुकुर-टुकुर देखती मासूम बेटी , बेटा , पत्नी और उसकी सिसकती माँ की जान बचाने के लिए? विज्ञान की इस खोज को गरीबों का हक बनाना ही मानवता की सबसे बड़ी सेवा होगी।

वैश्विक स्वास्थ्य व संसाधन नियंत्रण मॉडल: भारत बनाम दुनिया-

देश / मॉडल	स्वास्थ्य व्यवस्था और गरीब नागरिकों की स्थिति	देश के बुनियादी संसाधनों (पोर्ट, रेलवे, खदान आदि) पर किसका नियंत्रण?	आम जनता पर इसका सीधा असर और हकीकत
जर्मनी व इंग्लैंड (NHS)(जर्मनी बहुत बेहतर)	**पूर्णतः सरकारी/सार्वभौमिक:** इलाज का खर्च सरकार के राष्ट्रीय कोष या अनिवार्य सामाजिक बीमे से आता है। गरीब और बेरोजगार को ₹1 जेब से नहीं देना पड़ता।	**राष्ट्रीय/सार्वजनिक स्वामित्व:** रेलवे, बुनियादी ढांचे और प्रमुख सामाजिक संपत्तियों पर सरकार का कड़ा नियंत्रण और नियमन है।	जनता बिना किसी वित्तीय खौफ के सम्मानजनक जीवन जीती है। स्वास्थ्य और शिक्षा व्यापार नहीं हैं।
जापान	**कठोर सरकारी नियमन:** हर नागरिक बीमे के दायरे में है। दवाओं और इलाजों की कीमतें सरकार तय करती है। गरीब के लिए इलाज लगभग मुफ्त या बेहद न्यूनतम है।	**रणनीतिक सरकारी नियंत्रण:** हालांकि निजी क्षेत्र है, लेकिन रेलवे और सार्वजनिक संपत्तियों पर कड़ा सरकारी नियंत्रण है ताकि आम जनता का शोषण न हो।	दुनिया की सबसे लंबी जीवन प्रत्याशा (Life Expectancy) और न्यूनतम मेडिकल दिवालियापन।
चीन	**सरकारी नेटवर्क:** 95% से अधिक आबादी बुनियादी चिकित्सा बीमा के तहत सुरक्षित है। बड़े क्षेत्रीय अस्पताल सीधे सरकार के फंड से चलते हैं।	**पूर्ण सरकारी/राज्य नियंत्रण:** पोर्ट, रेलवे, खदानें, बैंक और बड़ी यूनिवर्सिटीज पूरी तरह सरकार (State) के अधीन हैं। पूंजीपतियों को हद में रखा जाता है।	आधुनिकतम तकनीक (जैसे जीन एडिटिंग, अंग प्रत्यारोपण) बहुत तेजी से और बेहद कम लागत पर सरकारी अस्पतालों के जरिए आम जनता तक पहुंच रही है।
अमेरिका (पूंजीवादी मॉडल)	**बीमा माफिया का साम्राज्य:** कोई सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज नहीं। अस्पताल और बीमा कंपनियां मिलकर आम आदमी को लूटती हैं। बिना महंगे इंश्योरेंस के इलाज का मतलब है मौत या दिवालियापन।	**कॉर्पोरेट राज:** खदानें, पोर्ट, यूनिवर्सिटीज और यहां तक कि जेलें भी निजी कंपनियों के मुनाफे का जरिया हैं। सब कुछ बाजार के हवाले है।	दुनिया का सबसे महंगा लेकिन आम आदमी के लिए सबसे क्रूर मॉडल। इलाज के कर्ज के कारण हर साल लाखों लोग सड़क पर आ जाते हैं।
भारत (वर्तमान 'घालमेल' या क्रोनी मॉडल)	**दोहरी मार और बदहाली:** सरकारी अस्पतालों (जैसे एम्स) पर भारी दबाव और बजट की कमी। दूसरी तरफ, निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों की खुली लूट, जो अब अमेरिकी राह पर बढ़ रही है।	**तेजी से निजीकरण (अंबानी-अडाणी मॉडल):** देश के महत्वपूर्ण **पोर्ट (बंदरगाह), रेलवे स्टेशन, कोयला व बिजली खदानें, हवाई अड्डे, और बड़ी यूनिवर्सिटीज** धीरे-धीरे चुनिंदा पूंजीपतियों को सौंपे जा रहे हैं।	**भयानक असमानता:** गरीब और मध्यम वर्ग इलाज और पढ़ाई के लिए जमीन-जेवर बेचने को मजबूर है। देश की पूरी संपत्ति चंद सेठों के हाथों में सिमट रही है, जिससे आम आदमी पूरी तरह असहाय हो चुका है।

इस 'घालमेल मॉडल' का आम आदमी पर सीधा और जानलेवा हमला

जब देश के बंदरगाह, खदानें और रेलवे जैसी जीवन रेखाएं चंद उद्योगपतियों के हवाले कर दी जाती हैं, तो सरकार केवल एक मूकदर्शक बनकर रह जाती है। इसका सबसे खतरनाक असर चिकित्सा और शिक्षा पर भी पड़ रहा है।

1. बीमा माफिया का जाल: जब सरकार अपने अस्पतालों को मजबूत करने के बजाय 'निजी बीमा' ((इंश्योरेंस) आधारित मॉडल को बढ़ावा देती है, तो वह सीधे तौर पर गरीब को कारपोरेट के जाल में धकेलती है। ये बीमा कंपनियां क्लेम पास करने के समय हजार बहाने बनाकर हाथ खड़े कर देती हैं, और मरीज अस्पताल के बेड पर दम तोड़ देता है।

2. एम्स जैसी संस्थाओं का दम घोंटना: जब सरकारी बजट का एक बड़ा हिस्सा इन पूंजीपतियों को सब्सिडी और टैक्स माफी के रूप में दे दिया जाता है, तो एम्स व राजकीय मेडिकल कॉलेजों के पास नई तकनीकों (जैसे सूअर के अंग प्रत्यारोपण या कैंसर की आधुनिक जेनेरिक दवाएं) के रिसर्च के लिए पैसा ही नहीं बचता।

3. रोजगार व इलाज दोनों का छीनना: एक गरीब या बेरोजगार व्यक्ति, जिसकी सूनी आंखें अपने मरणासन्न प्रियजन को देखकर 'टुकुर-टुकुर' रोती हैं, वह इस घालमेल मॉडल में कहीं नहीं ठहरता। निजी अस्पताल उसे तब तक अंदर नहीं घुसने देते जब तक उसकी जेब में लाखों रुपए या किसी बड़ी कंपनी का कार्ड न हो।

सच्चाई यही है: यदि भारत को इस भयानक मानवीय त्रासदी से बचना है, तो उसे अमेरिका के इस फेल और क्रूर मॉडल की नकल बंद करनी होगी। जब तक जल, जंगल, जमीन, पोर्ट व अस्पताल सरकार के पास नहीं होंगे, तब तक देश की बहुसंख्यक गरीब जनता को न तो न्याय मिलेगा और न ही जीने का हक। विज्ञान के सारे चमत्कार तब सिर्फ इन चंद उद्योगपतियों के महलों की शोभा बढ़ाएंगे, और गरीब का बच्चा अस्पताल की चौखट पर सिर्फ सिसकते हुए अपने पिता , माता , परिजन को तड़पते हुए ,तिल - तिल मरते हुए देखने के लिए मजबूर रहेगा।

फ्रांस ने ईरान विरोधी रैली पर रोक लगाई

एजेंसी । पेरिस

फ्रांस ने राजधानी पेरिस में प्रस्तावित ईरान विरोधी रैली पर सुरक्षा कारणों से रोक लगा दी है। यह कार्यक्रम ईरान विरोधी संगठन नेशनल काउंसिल ऑफ रेजिस्टेंस' (एनसीआरआई) की राजनीतिक शाखा द्वारा आयोजित किया जा रहा था लेकिन इसे शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही रद्द कर दिया गया।

ईरान की सरकारी समाचार मीडिया संगठन प्रेस टीवी के अनुसार फ्रांसीसी पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने चेतावनी दी थी कि देश-विदेश में बढ़ते तनाव के बीच इस कार्यक्रम से सुरक्षा जोखिम और हिंसा भड़कने का अंदेशा है। अधिकारियों ने कहा कि हालात "अस्थिर और संवेदनशील" हैं इसलिए रैली की अनुमति नहीं दी जा सकती। एनसीआरआई को ईरान समर्थित संगठन पीपल्स मुजाहिदीन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ ईरान (पीएमओआई/एमकेओ) की राजनीतिक शाखा माना जाता है। ईरान सरकार ने इस संगठन को लंबे समय से आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया हुआ है। सुरक्षा रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे रेजा पहलवी के राजशाही समर्थक समूह और पीएमओआई समर्थकों के बीच तनाव बढ़ रहा था। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जताई कि यह टकराव हिंसक झड़पों में बदल सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया गतिविधियों और वीडियो में हथियारों के प्रदर्शन और धमकियों का भी उल्लेख था, जिसमें प्रदर्शन को रोकने या निशाना बनाने जैसी बातें सामने आईं। इसी के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हस्तक्षेप करते हुए कार्यक्रम पर रोक लगाने का फैसला लिया।

वेनेजुएला में भारतीय नाविक की हुई थी मौत नहीं मिले कई अंग

- परिवार ने उठाई जांच की मांग

नई दिल्ली । वेनेजुएला में हृदयाघात की वजह से भारतीय नाविक की मई महीने में मौत हो गई थी। अब नाविक के परिवार ने ऑटोप्सी रिपोर्ट के आधार पर दावा किया है कि मृतक के दिमाग, दिल और फेफड़े समेत कई अंग गायब थे। ये बात सामने आने के बाद, 'फेडरेशन ऑफ सीफेरर्स यूनियंस ऑफ इंडिया' (एफएसयूआई) ने उनकी मौत के हालात की पूरी जांच की मांग की है। ये आरोप तब सामने आए जब उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले 33 वर्षीय राकेश चौहान के शव का भारत में दोबारा पोस्टमार्टम (री-ऑटोप्सी) किया गया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने की फ्रांस दौरे की शुरुआत

आर्थिक व निवेश संबंधों को नई मजबूती देने पर रहेगा फोकस

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक निवेशकों से होंगी मुलाकात

- वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से अलग-अलग बैठकें
- उद्योगपतियों के साथ गोलमेज चर्चा में निवेश अवसरों पर संवाद
- नई मध्यम वर्गीय आबादी के विकास विषय पर पैनल चर्चा में भाग लेंगी।
- यूरोप के प्रतिष्ठित आर्थिक नीति सम्मेलन में भारत का पक्ष रखेंगी

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को फ्रांस के आधिकारिक दौरे की शुरुआत की, जहां वह भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने, आर्थिक सहयोग को गहरा करने और निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लेंगी। इस दौरे का सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम फ्रांस के ऐक्स-एन-प्रोवेंस में आयोजित होने वाला भारत-फ्रांस आर्थिक एवं वित्तीय संवाद (ईएफडी) होगा। इस बैठक की सह-अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त, औद्योगिक ऊर्जा और डिजिटल संप्रभुता मंत्री रोलैंड लेस्क्योर करेंगे। इस संवाद के दौरान दोनों देश विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों की तलाश करेंगे और द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। फ्रांस प्रवास के दौरान वित्त मंत्री कई वैश्विक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) के साथ अलग-अलग बैठकें भी करेंगी।

इसके अलावा वह शीर्ष उद्योगपतियों के साथ एक गोलमेज चर्चा (राउंडटेबल) में भी हिस्सा लेंगी। इन बैठकों में भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति, सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधार, बढ़ते निवेश अवसरों और दीर्घकालिक विकास की संभावनाओं को वैश्विक निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। निर्मला सीतारमण 'नई मध्यम वर्गीय आबादी के विकास को कैसे बढ़ावा दिया जाए' विषय पर आयोजित एक विशेष पैनल चर्चा में भी भाग लेंगी। यह चर्चा लेस रेनकॉन्ट्रेंस इकोनॉमिक्स डी'ऐक्स-एन-प्रोवेंस के तहत आयोजित होगी, जिसे यूरोप के सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आर्थिक और सार्वजनिक नीति मंचों में से एक माना जाता है। इस सम्मेलन का आयोजन ले सर्कल डेस इकोनॉमिस्ट्स द्वारा किया जाता है, जिसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, केंद्रीय बैंक प्रमुख, उद्योगपति, अर्थशास्त्री, शिक्षाविद और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करते हैं।

पूर्वी सिंहभूम में मलेरिया से चार की मौत के बाद झारखंड सरकार अलर्ट

जिम्मेदारी तय कर संक्रमण को फैलने से रोकें : अपर मुख्य सचिव

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्वी सिंहभूम जिले में मलेरिया से हुई मौत और राज्य में बढ़ते संक्रमण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए झारखंड सरकार ने पूरे राज्य में अलर्ट जारी कर दिया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी उपायुक्तों को पत्र भेजकर मलेरिया की रोकथाम, निगरानी और उपचार के लिए तत्काल प्रभाव से व्यापक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन क्षेत्रों में मलेरिया के मामले सामने आ रहे हैं, वहां युद्धस्तर पर कार्ययोजना लागू की जाए और प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय

सभी जिलों के उपायुक्तों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश

कर संक्रमण को फैलने से रोका जाए। बुखार प्रभावित इलाकों में बहुद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (एमपीडब्ल्यू) और सहियाओं के माध्यम से सक्रिय सर्वे (एक्टिव सर्वे) चलाया जाएगा। मलेरिया की आशंका वाले प्रत्येक मरीज की तत्काल जांच होगी और संक्रमित पाए जाने पर बिना विलंब उपचार शुरू किया जाएगा।

निर्देश में गंभीर मरीजों के लिए विशेष चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी मरीजों की नियमित निगरानी और फॉलो-अप किया जाएगा, जबकि गंभीर रोगियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि किसी भी क्षेत्र में मलेरिया का एक नया मामला मिलने पर पूरे इलाके में फीवर सर्वे या मास सर्वे अभियान चलाया जाए। प्रत्येक गांव का ग्रामवार मलेरिया डेटा तैयार किया जाएगा तथा अधिक प्रभावित गांवों की सहियाओं को रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट और आवश्यक मलेरिया रोधी दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पर्याप्त मात्रा में जांच सामग्री और दवाओं का भंडारण सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों में कीटनाशी दवाओं का छिड़काव, लार्वा नियंत्रण अभियान और मच्छरजनित रोगों की रोकथाम संबंधी गतिविधियों को तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने त्रिस्तरीय मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू की है।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी उपायुक्तों से मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रमों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने और प्रभावित क्षेत्रों में संक्रमण पर शीघ्र नियंत्रण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

दस लाख दहेज के लिए मारपीट, केस दर्ज

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र के सेक्टर तीन गोल चक्कर सीडी क्वार्टर संख्या 90 में रहने वाली रजनी कुमारी के साथ पति व ससुराल पक्ष के लोगों ने मारपीट की। पीड़िता जब मामले की जानकारी देकर थाना से लौट रही थी तो पति की कथित प्रेमिका रानी सोनी ने भी उसके साथ मारपीट की व मोबाइल छिनने का प्रयास किया। दो बच्चों की मां रजनी की लिखित शिकायत पर मामले में पति प्रकाश कुमार, सास उर्मिला देवी, ससुर कृष्णदेव प्रसाद, ननद ज्योति सिन्हा, ननदोई सुदीप सिन्हा, जेठ दीपक कुमार के खिलाफ नामजद केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी प्रकाश कुमार के साथ वर्ष 2014 में हुई थी। शादी के बाद से ही पीड़िता को दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा था। पिछले दिन इसी मामले में ससुराल पक्ष की ओर से कार का ऋण चुकता करने को लेकर पिता से दस लाख रुपये मांग कर लाने को कहा गया। बताया गया कि पूर्व में भी इसी तरह की प्रताड़ना मामले में सभी आरोपी जेल गए थे।

एसआईआर को लेकर भाजपा की चुनाव आयोग से शिकायत

सीएम की तस्वीर वाले थैले और दोहरे मतदाता पंजीकरण की जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने पश्चिमी सिंहभूम में बीएलओ द्वारा मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले थैले के इस्तेमाल और जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र में कुछ मतदाताओं के नाम दो स्थानों पर दर्ज होने के मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (एसआईआर) के प्रदेश संयोजक राकेश प्रसाद ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग को इस संबंध में दो अलग-अलग पत्र भेजे हैं।

पहले पत्र में भाजपा ने आरोप लगाया है कि 30 जून से शुरू हुए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान पश्चिमी सिंहभूम जिले में कुछ बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मुख्यमंत्री की तस्वीर वाले थैले का उपयोग किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि भारत निर्वाचन आयोग एक स्वतंत्र और निष्पक्ष संवैधानिक संस्था है, इसलिए इस प्रकार की सामग्री का उपयोग चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर सकता है। भाजपा ने इस मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है।

दूसरे पत्र में भाजपा ने जगन्नाथपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-176 पर कई मतदाताओं के नाम एक ही बूथ पर दो स्थानों पर दर्ज होने का आरोप लगाया है। पार्टी का दावा है कि संबंधित मतदाताओं के दो-दो मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर भी दर्ज हैं, जो निर्वाचन नियमों के अनुरूप नहीं है।

भाजपा ने कहा है कि शिकायत के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज और प्रमाण भी निर्वाचन आयोग को उपलब्ध कराए गए हैं। पार्टी ने आयोग से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

मानवता के सच्चे प्रहरी हैं चिकित्सक, उनका सम्मान पूरे समाज का सम्मान : आलोक दूबे

नवीन मेल संवाददाता

- चिकित्सक केवल इलाज नहीं, बल्कि जीवन में नई उम्मीद भी देते हैं : लाल किशोर नाथ शाहदेव

रांची। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे एवं मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव सदर अस्पताल, रांची पहुंचकर चिकित्सकों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर, कलम भेंट कर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर चिकित्सकों के मानवता की सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

सम्मानित होने वाले चिकित्सकों में सदर अस्पताल के उपाध्यक्ष डॉ. विमलेश कुमार सिंह, डॉ हिमालय झा, डॉ हरिश्चंद्र, डॉ आरके सिंह, डॉ एसपी सिंह, डॉ प्रण्णति बाखला, डॉ श्वेता लाल, डॉ. सविनय कुमार, डॉ पूनम, डॉ अरुणोदय, डॉ रंजू सिंह, डॉ रजनी, डॉ तन्मय प्रसाद, डॉ उषा सिंह एवं डॉ एबीके बाखला शामिल थे। इसके अतिरिक्त कांग्रेस नेताओं ने वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अजीत सहाय एवं वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुबोध कुमार सिंह को उनके क्लीनिक पहुँचकर भी सम्मानित किया।

मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का जीवंत उदाहरण हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी चिकित्सक अपने परिवार से अधिक मरीजों के जीवन को प्राथमिकता देते हैं। कोरोना महामारी से लेकर हर आपदा के समय चिकित्सकों ने जिस साहस, प्रतिबद्धता और मानवता का परिचय दिया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पर चिकित्सकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि चिकित्सक समाज के ऐसे प्रहरी हैं जो दिन-रात लोगों के जीवन की रक्षा में जुटे रहते हैं। उनका योगदान शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने में डॉक्टरों की भूमिका सदैव अविस्मरणीय रहेगी।

इस अवसर पर सदर अस्पतालके उपाध्यक्ष डॉ विमलेश कुमार सिंह ने कहा कि "हमारे लिए यह गौरव का क्षण है जब समाज हमें सम्मान देता है। हमारी हमेशा यही कोशिश रहती है कि अपने कार्यों के माध्यम से समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरें और लोगों के लिए विश्वास एवं गौरव का प्रतीक बनें। यह सम्मान हमें और अधिक समर्पण एवं सेवा भाव के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

जमशेदपुर हत्याकांड में दोषी पुलिस अधिकारियों व कर्मियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा : आदित्य साहू

- जमशेदपुर में आज शाम मशाल जुलूस और 03 जुलाई को जमशेदपुर बंद की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर की घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि कानून के शासन पर सीधा हमला है। झारखंड में 'रूल ऑफ लॉ' का गंभीर संकट है। श्री साहू पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना के विरोध और प्रदेश में ध्वस्त से ध्वस्ततम हो चुकी कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग को लेकर जमशेदपुर शहर में 02 जुलाई की शाम को भाजपा और आम जनता के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं 03 जुलाई को राज्य की बिगड़ी कानून व्यवस्था के खिलाफ जमशेदपुर पूर्णतः बंद रहेगा। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि राज्य सरकार एवं पुलिस प्रशासन ने प्रदेश की विधि व्यवस्था को लेकर तत्काल ठोस कारगर कदम नहीं उठाया तो झारखंड बंद भी कराने का काम पार्टी करेगी।

श्री साहू ने कहा कि जमशेदपुर की घटना रौंगटे खड़ी करने वाली है। यह घटना राज्य में अपराधियों द्वारा समानांतर सरकार चलाने और खुलेआम नंगा नाच करने का भी बड़ा उदाहरण है। इस घटना से पूरा राज्य हतप्रभ है। जमशेदपुर की जो घटना है, अपराधी एक युवा पर जानलेवा हमला करते हैं, वे उसे दौड़ा दौड़ा कर बेरहमी से पीटते हैं, वह युवा भागकर जान बचाने के लिए पुलिस की वाहन में घुसता है। और अपराधी पुलिस के सामने पुलिस वाहन से खींचकर उसकी हत्या कर देते हैं। दुखद बात यह है कि पूरे घटनाक्रम में पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। राज्य सरकार और यहां के पुलिस प्रशासन के लिए इससे शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? पुलिस की मौजूदगी में पुलिस वैन से युवक को खींचकर हत्या कर देना बताता है कि अपराधियों के मन में कानून का कोई भय नहीं बचा है।

श्री साहू ने इस मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उनपर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी पर 302 का मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की जरूरत है। साथ ही सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग के साथ सभी दोषियों पर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रदेश अध्यक्ष ने साथ ही सरकार से राज्य में बिगड़ती कानून - व्यवस्था पर श्वेत पत्र जारी करने और अपराध नियंत्रण की स्पष्ट कार्ययोजना प्रस्तुत करने की भी मांग की है।

श्री साहू ने कहा कि गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में पीट पीट कर हत्या कर दी गई। पूरे राज्य में अपराध और अपराधियों का बोलबाला है। बच्चों का अपहरण हो रहा है। महिलाएं बच्चियां असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार चेत जाए और पूरे राज्य में अमन शांति का माहौल कायम करवाने के लिए ठोस कदम उठावें। साथ ही आम लोगों की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करे। सरकार दोषियों पर सख्ती से कार्रवाई करे अन्यथा भाजपा का एक एक कार्यकर्ता सड़क पर उतरने का काम करेगा, जिसे संभालना सरकार के बूते की बात नहीं रहेगी। इस दौरान प्रेस वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता अविनेश सिंह एवं दीनदयाल बरनवाल भी मौजूद रहे।

जमशेदपुर की दर्दनाक घटना पर राजनीति बंद करे भाजपा : राकेश

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के बयान को राजनीतिक अवसरवाद का परिचायक बताते हुए कहा कि जमशेदपुर की दुखद घटना पूरे राज्य के लिए पीड़ादायक है। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है और स्पष्ट रूप से मानती है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसे कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए। लेकिन भाजपा इस संवेदनशील घटना को राजनीतिक मंच बनाकर अपनी खोती हुई जमीन तलाशने में जुट गई है। सिन्हा ने कहा कि भाजपा को जनता को गुमराह करने से पहले अपने शासनकाल का इतिहास देख लेना चाहिए। देश आज भी मॉब लिंचिंग, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, सांप्रदायिक हिंसा, पेपर लीक, किसानों पर अत्याचार और मणिपुर जैसी घटनाओं को नहीं भूला है। अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाने की राजनीति करने वाली भाजपा यह बताए कि महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले और सांप्रदायिक हिंसा भड़काने वाले कितने लोगों के खिलाफ उसने अपने दल के भीतर कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने घटना का गंभीर संज्ञान लिया है। पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है और जांच आगे बढ़ रही है। कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। लेकिन भाजपा का उद्देश्य न्याय नहीं, बल्कि जनभावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ उठाना है।

चैंबर प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से की मुलाकात, उद्योग व निवेश पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य में उद्योग, व्यापार और निवेश के मौजूदा परिदृश्य को लेकर मुख्यमंत्री के साथ सकारात्मक और रचनात्मक चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को राज्य के औद्योगिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों से अवगत कराया। साथ ही बताया कि फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही एक राज्यस्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े उद्योगपति, व्यापारी और उद्यमी शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में झारखंड में उद्योगों के विकास, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिनिधिमंडल में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मलहोत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, सह सचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, क्षेत्र उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह सलूजा, उदयशंकर, रमेश कुमार चिनी, विनय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे।

47 लाख 'अनमैप्ड' मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करे चुनाव आयोग : कांग्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुंजनी ने चुनाव आयोग से राज्य में सामने आए करीब 47 लाख 'अनमैप्ड' मतदाताओं की सूची सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं के नाम और स्थिति की पूरी जानकारी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाए और संबंधित मतदान केंद्रों (बूथ) पर भी सूची प्रदर्शित की जाए, ताकि प्रत्येक मतदाता अपने नाम का सत्यापन कर सके। सतीश पौल मुंजनी ने कहा कि जिन मतदाताओं को एएसडीडी श्रेणी में चिह्नित किया गया है, उनकी सूची भी तत्काल सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग के पास यह आंकड़े उपलब्ध हैं तो उन्हें जनता से साझा करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता का आधार है। उन्होंने चुनाव आयोग से अपनी गाइडलाइन और पेसा अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करते हुए इन सूचियों को संबंधित ग्राम सभाओं में भी पढ़वाने की मांग की। उनका कहना है कि इससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के मतदाताओं को सही जानकारी मिल सकेगी और किसी पात्र मतदाता का नाम गलती से हटने से बचाया जा सकेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को मतदान का अधिकार देता है। ऐसे में लाखों मतदाताओं की स्थिति अस्पष्ट रहने और संबंधित सूचियां सार्वजनिक नहीं होने से चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक योग्य मतदाता के अधिकारों की रक्षा करना भी है।

125वें स्मरण पर्व पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को समर्पित राज्यव्यापी जनजागरण अभियान

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पर्व के अवसर पर भाजपा द्वारा राज्यभर में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। भाजपा प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने बताया कि भारतीय जनता युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में यह अभियान 23 जून से 6 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में जनजागरण कार्यक्रम, संगोष्ठी और संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं और महिलाओं को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान तथा केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकसित भारत के संकल्प से जोड़ना है। गणेश मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रमों के दौरान पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और संगठन के नेता युवाओं से संवाद करेंगे तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में 1 जुलाई को लोहरदगा (कुड़ू): मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व सांसद सुदर्शन भगत एवं अजातशत्रु। 2 जुलाई दुमका (एसपी कॉलेज): मुख्य वक्ता सुनील सोरेन, राज पालीवार, सीताराम पाठक और मनीष दुबे। 4 जुलाई धनबाद महानगर (इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट भवन): मुख्य वक्ता बिरंची नारायण एवं संजीव कुमार। 5 जुलाई रांची महानगर (स्टेट लाइब्रेरी, मोरहाबादी): मुख्य वक्ता प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह। 5 जुलाई पलामू (हरिहरगंज): मुख्य वक्ता श्याम नारायण दूबे, प्रेम सिंह और विश्वजीत पाठक। 6 जुलाई जमशेदपुर महानगर (जुस्को सभागार): मुख्य वक्ता शशांक राज। 6 जुलाई गिरिडीह महानगर (केएन बक्सी कॉलेज): मुख्य वक्ता गणेश मिश्रा एवं शिवशक्ति बक्सी शामिल हैं।

पेज एक के शेष

4 नए सूचना...

चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के साथ झारखंड राज्य सूचना आयोग के नियमित कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। लंबे समय से लंबित मामलों की सुनवाई दोबारा शुरू होगी, जिससे सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत दायर हजारों अपीलों और शिकायतों के निस्तारण का रास्ता साफ होगा। ज्ञात हो कि 8 मई 2020 को तत्कालीन प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आयोग में नियमित सुनवाई लगभग ठप हो गई थी। आयोग में पर्याप्त सूचना आयुक्त नहीं होने के कारण अपीलों और शिकायतों का निस्तारण प्रभावित हुआ।

झारखंड में पहली...

खास बात यह है कि श्रीलंका सशस्त्र बलों की टीम डिफेंडर्स एफसी पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रही है। इस बार डूरंड कप में कुल 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिसमें मोहन बागान सुपर जाइंट, ईस्ट बंगाल एफसी और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी जैसी मशहूर टीमें शामिल हैं। इसके मुकाबले देश के पांच शहरों - कोलकाता, रांची, इंफाल, शिलांग और गुवाहाटी - में खेले जाएंगे। रांची को मेजबान बनाना टूर्नामेंट के विस्तार और झारखंड में फुटबॉल को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। रांची में इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और फुटबॉल के प्रति युवाओं का रुझान भी बढ़ेगा।

पूर्व विधायक पौलुस...

पौलुस सुरीन और जेठा कच्छप को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। अदालत ने जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था तथा जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया था। अभियोजन के अनुसार, वर्ष 2013 में खूंटी जिले के तोरपा क्षेत्र में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोबिंद की उनके घर के सामने बने चबूतरे पर अंधाधुंध गोलीबारी कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के संबंध में कर्रा थाना में कांड संख्या 27/2013 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में पूर्व विधायक पौलुस सुरीन, नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो, पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप एवं अन्य आरोपियों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया था। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपने आरोपों के समर्थन में 12 गवाहों के बयान दर्ज कराए, जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया। झारखंड हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद इस बहुचर्चित दोहरे हत्याकांड में पौलुस सुरीन और जेठा कच्छप को राहत मिल गई है। हालांकि, मामले में अन्य आरोपियों के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया पूर्व निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार जारी रहेगी।

सब रजिस्ट्रार की...

पुलिस के अनुसार, वायरल वीडियो में यह साफ दिखा कि जमीन विवाद के कारण सभी लोगों ने मिलकर सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या की। वीडियो में किसने ईंट और पत्थर चलाए और किसने लाठी चलाई, सबकुछ रिकॉर्ड हुआ है। विनय कुमार ने बालेश्वर पटेल के सिर पर ईंट से हमला किया था और इसके बाद लाठी-डंडे से इतना मारा कि उनकी मौत हो गई। एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने कहा कि हत्याकांड की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेटिंग टीम (एसआईटी) बनाई गई है। इस टीम का नेतृत्व रामगढ़ एसडीपीओ आलोक रंजन कर रहे हैं। साथ ही, इस मामले में दर्ज कांड संख्या 151/26 का अनुसंधानकर्ता मांडू थाना प्रभारी सदानंद को बनाया गया है। जांच में किसी भी तरह की कमी नहीं रहे, इसके लिए पुलिस प्रशासन पहले से ही काफी सतर्कता बरत रहा है। उन्होंने कहा कि हत्या के मामले में जल्द ही चार्जशीट सौंपा जाएगा और अपराधियों को सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। एसपी ने कहा कि इस कांड में कुल 10 लोग अभियुक्त हैं। आठ लोग मौका ए वारदात पर मौजूद थे। प्राथमिकी में हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव का भी नाम मौजूद है, जिन पर षड्यंत्र रचने का आरोप है। वे लोग घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। उनकी इस वारदात में क्या संलिप्तता रही है, इसकी जांच चल रही है। एसपी लुनायत ने बताया कि बालेश्वर पटेल ने बलसगरा, हुवाग सियारीटांड़ में दो जमीन खरीदी थी। एक 40 डिसमिल और दूसरा 11 डिसमिल का है। 11 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सब रजिस्टार बालेश्वर पटेल ने महेश प्रसाद से जमीन रजिस्ट्री कराई थी। जिस जमीन की उन्होंने रजिस्ट्री कराई थी, उसी जमीन पर रामू साव उर्फ ज्ञानी अपना मकान बना कर रह रहा था। जमीन पर अवैध कब्जे की वजह से यह विवाद शुरू हुआ और बेहद दुखद घटना घटी।

आरटीआई में सूचना...

पत्रांक 167/ज०सू०को०, दिनांक 29 जून 2026 के माध्यम से अंचल अधिकारी को निर्देश दिया है कि मांगी गई सभी सूचनाएं साक्ष्य सहित एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराई जाएं। आरटीआई आवेदन में प्रमुख रूप से यह जानकारी मांगी गई है कि संबंधित भूमि की पंजी-2 किसके नाम से संधारित है, क्या उक्त भूमि किसी व्यक्ति के नाम बंदोबस्त की गई है तथा भूमि की वास्तविक प्रकृति क्या है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें। आदेश की अवहेलना या सूचना उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

सीजेआई से मांगी...

इससे मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते, स्कूली बच्चों, नौकरीपेशा लोगों और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जाम में फंसने के कारण कई गंभीर मरीजों की मौत हो चुकी है तथा कई गर्भवती महिलाओं का प्रसव भी रेलवे फाटक के पास ही हुआ है। किसानों ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग इस गंभीर जनसमस्या के समाधान के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने पत्र में कहा कि यदि इस समस्या का समाधान संभव नहीं है, तो उन्हें इस असहनीय पीड़ा से मुक्ति दिलाने के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति प्रदान की जाए। पत्र भेजने वालों में अयूब खान, सुरेंद्र सिंह, बैजनाथ ठाकुर, रसीद मियां, पचु गंझू, शोभन उरांव, निरंजन ठाकुर, दसवा परहैया, राजू कुमार साव, हनुक लकड़ा, साजिद खान, रविशंकर गंझू, राजेश कुमार साव, जिदन टोपनो, माईकल हंस, सनीका मुंडा, बुधराम बारला, मुन्ना मुंडा, अर्जुन होरो, सिमॉन भेंगरा, बोने मुंडा, महेंद्र गंझू, अमित भेंगरा, सुलेंदर भोगता, गुजरा गंझू, थोमस टोपनो, रवि उरांव सहित अन्य किसान शामिल हैं।

30 दिन जेल...

सरकार का तर्क है कि 30 दिन का समय किसी भी व्यक्ति के लिए जमानत लेने के पर्याप्त मौके देता है, इसलिए इसे प्राकृतिक न्याय के खिलाफ नहीं माना जा सकता। वहीं विपक्ष लगातार इस प्रस्ताव को लोकतंत्र और संघीय ढांचे के खिलाफ बता रहा है। सूत्रों के अनुसार मानसून सत्र में इस बिल को चर्चा और पारित कराने के लिए लाया जा सकता है। विपक्षी दलों के कई नेताओं ने पहले ही इस पर कड़ा विरोध जताया है और जेपीसी की रिपोर्ट पर असहमति नोट देने की तैयारी भी चल रही है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026

एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट

सेंथिलकुमार की जीत के साथ शुरुआत, सेमवाल और शमीना बाहर

एजेंसी । मुंबई

एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट में बुधवार को टॉप सीड वेलवन सेंथिलकुमार ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, जबकि ओम सेमवाल को हार का सामना करना पड़ा। मुंबई स्थित जुहू विले पार्ले जिमखाना क्लब में जारी 15,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट में सेंथिलकुमार ने बिना किसी खास परेशानी के अयान वजीरल्ली को 11-4, 11-9, 11-6 से शिकस्त दी। चौथी सीड हाफेज और 7वीं सीड एंडो भी सीधे गेम में जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में पहुंचे। मंगलवार को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में तीसरी सीड को हराने वाले सेमवाल, मिस्र के 8वीं सीड जियाद इब्राहिम के खिलाफ भी एक और उलटफेर भरी जीत की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, 22 वर्षीय खिलाड़ी अंतिम चरणों में थोड़े लड़खड़ा गए और एक कड़े फैसले वाले गेम में हार गए। इब्राहिम ने 11-9, 11-13, 11-8, 8-11, 11-9 से जीत हासिल की।

शमीना रियाज भी महिलाओं के क्वार्टर फाइनल में लड़खड़ा गईं और जापान की 6वीं सीड अकारी मिडोरिकावा से चार गेम में हार गईं। 1-1 के रिकॉर्ड के साथ मैच में उतरीं जापानी खिलाड़ी ने 12-10, 11-8, 5-11, 11-2 से जीत हासिल की। इससे पहले, मंगलवार को टूर्नामेंट के रोमांचक दिन शमीना रियाज और ओम सेमवाल ने बड़े उलटफेर किए थे। जहां शमीना ने साउथ अफ्रीका की टॉप सीड हेले वार्ड को चार गेम में हराया, वहीं सेमवाल ने जबरदस्त अनुशासन, सहनशक्ति और कौशल का प्रदर्शन करते हुए ब्राजील के तीसरी सीड डिएगो गोब्बी को पांच गेम में मात दी। भारतीय खिलाड़ियों के अन्य मुकाबलों में, तीसरी सीड तन्वी खन्ना ने पूजा आरती रघु को 3-0 से मात दी, जबकि 5वीं सीड सूरज कुमार चंद सोमवार रात मिस्र के जियाद इब्राहिम से तीन गेम में हार गए।

पुरुष एकल (दूसरा दौर) के परिणाम

- शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलावन सेंथिलकुमार ने अयान वजीरल्ली को 3-0 (11-4, 11-9, 11-6) से हराया।
- चौथी वरीयता प्राप्त ए. हाफेज ने ए. देवान को 3-0 (12-10, 11-3, 11-9) से मात दी।
- सातवीं वरीयता प्राप्त टी. एंडो (जापान) ने आर. बैथा को 3-0 (11-9, 11-8, 11-5) से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल के परिणाम

- एम. स्याफिक कमाल (मलेशिया) ने एस. एल्टोरगमैन (मिस्र) को 3-1 (11-7, 6-11, 11-5, 11-8) से मात दी।
- आठवीं वरीयता प्राप्त इब्राहिम ने ओम सेमवाल को 3-2 (11-5, 11-13, 11-8, 8-11, 11-9) से हराया।

महिला एकल (दूसरा दौर) के परिणाम

- चौथी वरीयता प्राप्त एन. खफागी ने एस. वत्स को 3-1 (7-11, 11-4, 11-5, 11-7) से मात दी।
- पांचवीं वरीयता प्राप्त एम. फाथी ने ए. दुबे को 3-0 (12-10, 11-4, 11-6) से शिकस्त दी।

तेलंगाना टी20 लीग हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की बेहतरीन पहल : एरॉन

नई दिल्ली । तेलंगाना टी20 लीग (टीजी20) का आयोजन 21 जून से हो रहा है। फाइनल मुकाबला 12 जुलाई को खेला जाएगा। लीग में 8 टीमें खेल रही हैं। टीम रंगा रेड्डी राइजर्स (आरआरआर) का प्रदर्शन अच्छा रहा है। टीम 4 मैचों में 3 जीत के साथ 6 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। आरआरआर के सलामी बल्लेबाज एरॉन जॉर्ज ने लीग को हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक शानदार पहल बताया है। एरॉन जॉर्ज ने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, "यह हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन की एक बेहतरीन पहल है। इससे युवा प्रतिभाओं को और उन लोगों को भी बहुत मौका मिल रहा है जो अपने करियर में बहुत आगे नहीं बढ़ पाए हैं और अभी भी जगह बनाने के लिए लड़ रहे हैं। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें अलग-अलग टैलेंट वाले क्रिकेटरों का एक अलग ग्रुप है, और कम उम्र में इस तरह का प्लेटफॉर्म मिलना बहुत अच्छा है। अपनी टीम की तैयारियों के बारे में जॉर्ज ने कहा, "यह बहुत अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि यह सब नए लोगों से बातचीत करने, यह समझने के बारे में है कि हम सभी एक टीम के माहौल में कैसे असरदार हो सकते हैं।

'इंग्लैंड, स अफ्रीका को हरा सकता है,' सेफा मैच से पहले शिखा पांडे की भविष्यवाणी

नई दिल्ली । आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाना है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज शिखा पांडे को उम्मीद है कि यह एक कड़ा मुकाबला होगा। उनका कहना है कि दोनों टीमों में नॉकआउट के दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत और अनुभव है। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम रविवार को खिताब के लिए ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। सेमीफाइनल-2 को लेकर शिखा ने साउथ अफ्रीका की इंग्लैंड के हालात से परिचित होने की बात कही। हालांकि, शिखा का मानना है कि इंग्लैंड की मजबूत बैटिंग लाइन-अप निर्णायक साबित हो सकती है। पांडे ने साउथ अफ्रीका को ग्लोबल टूर्नामेंट्स में सबसे खतरनाक टीमों में से एक बताते हुए उनके स्वभाव और इंग्लिश परिस्थितियों में खेलने के अनुभव का जिक्र करते हुए 'जियोस्टार' से कहा, "वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका बहुत आक्रामक खेलती है। उनके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण और दबाव झेलने वाले बल्लेबाज हैं। उनके कई खिलाड़ियों ने इंग्लैंड में काफी क्रिकेट खेला है। मारिजैन कैप ने खुद यहां की पिचों पर 'द हंड्रेड' के तीन-चार सीजन खेले हैं।

ईशान किशन

नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन आईसीसी की ताजा मेंस टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने करीब 12 महीने से टॉप पर काबिज अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा है। ईशान टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले भारत के चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। वहीं, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान 848 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

ईशान को वर्ल्ड कप के प्रदर्शन का मिला फायदा : ईशान किशन ने इस साल की शुरुआत में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है। ईशान ने वर्ल्ड कप के दौरान लगभग 200 के स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाए थे। इसमें कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया मैच भी शामिल है, जिसमें वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। ताजा रैंकिंग में ईशान के 876 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

चक्रवर्ती-बुमराह एक-एक स्थान नीचे खिसके

टी-20 गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती और जसप्रीत बुमराह को नुकसान हुआ है। दोनों खिलाड़ी एक-एक पायदान नीचे खिसककर तीसरे और छठे स्थान पर आ गए हैं। इस सूची में अफगानिस्तान के राशिद खान ने अपना नंबर-1 का स्थान बरकरार रखा है।

गेंदबाजों में बुमराह टॉप पर

टेस्ट गेंदबाजों की लिस्ट में भारत के जसप्रीत बुमराह पहले स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी 861 अंकों के साथ दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क 838 अंकों के साथ तीसरे और पैट कमिंस 832 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं, साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 825 रेटिंग अंकों के साथ टॉप-5 में पांचवें स्थान पर मौजूद हैं।

टॉप पर आने वाले चौथे भारतीय बने, अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर खिसके, वरुण-बुमराह को नुकसान

आईएएस सुहास यथिराज

बचपन में संघर्ष, पढ़ाई में होशियार पैरालंपिक गेम्स में देश को जिताए पदक

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के स्टार पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी और आईएएस अधिकारी सुहास एल यथिराज पैरालंपिक गेम्स में देश को पदक दिला चुके हैं। कई बार विश्व और एशियाई स्तर पर पदक जीत चुके सुहास खेल और प्रशासन, दोनों क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए पहचाने जाते हैं। 2 जुलाई 1983 को कर्नाटक के हसन में जन्मे सुहास का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। सुहास को जन्म से ही पैर में दिक्कत थी। इसके बावजूद वह खेल में बेहद दिलचस्पी रखते थे। परिवार ने उनका भरपूर साथ भी दिया। सुहास की प्रारंभिक शिक्षा कन्नड़ भाषा में हुई, जिसके चलते उन्हें अंग्रेजी मीडियम के स्कूल में दाखिला लेने में काफी दिक्कतें आईं। पिता की नौकरी ट्रांसफर वाली थी। ऐसे में सुहास की पढ़ाई अलग-अलग शहरों में हुई। गांव से प्रारंभिक शिक्षा हासिल करने वाले सुहास ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी से कम्प्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की। साल 2005 में पिता की मृत्यु ने उन्हें अंदर से झकझोर दिया था। अब सुहास ने ठान लिया था कि उन्हें सिविल सर्विस ज्वाइन करनी है, जिसके बाद उन्होंने यूपीएससी की तैयारी शुरू कर दी।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप

भारत की अंडर-19 और अंडर-23 टीमें घोषित, विश्वनाथ व चंद्रिका अगुवाई करेंगे

नई दिल्ली । भारत अंडर-19 और अंडर-23 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले और उभरते हुए खिलाड़ियों का मिला-जुला दल उतारेगा। यह प्रतियोगिता 3 से 16 जुलाई के बीच इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित होगी। मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ सुरेश और वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप गोल्ड मेडलिस्ट चंद्रिका पुजारी इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत की अगुवाई करेंगे। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने बुधवार को दोनों आयु वर्गों के लिए टीमों की घोषणा कर दी। पुरुषों के अंडर-23 वर्ग में 50 किग्रा कैटेगरी में मौजूदा एशियन चैंपियन विश्वनाथ टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें गंगा (55 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा), वंशज (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), नीरज (75 किग्रा), आर्यन मलिक (80 किग्रा), रॉकी चौधरी (85 किग्रा), हेमंत सांगवान (90 किग्रा) और ईशान कटारिया (90+ किग्रा) भी शामिल हैं। महिलाओं की अंडर-23 टीम में निधि (48 किग्रा), तनु (51 किग्रा), निशा (54 किग्रा), प्राची (57 किग्रा), निकिता चंद (60 किग्रा), काजल (65 किग्रा), शिवानी (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), नैना (80 किग्रा) और प्रियंका (80+ किग्रा) शामिल हैं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की रफ्तार तेज, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में पैसेंजर ईवी रजिस्ट्रेशन 90 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

पेट्रोल-डीजल महंगे होने से बढ़ा ईवी का आकर्षण

- पश्चिम एशिया संकट के बीच ईंधन कीमतों में वृद्धि का लगाया जा रहा है असर
- कम परिचालन लागत के कारण उपभोक्ता इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़े

भारत में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों (ईवी) की मांग तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहनों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) लगभग 90 प्रतिशत बढ़कर 82,737 यूनिट्स पर पहुंच गया। यह जानकारी वाहन पोर्टल के रजिस्ट्रेशन आंकड़ों से सामने आई है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 43,710 यूनिट्स के मुकाबले पंजीकरण में बढ़ोतरी हुई है, और उद्योग के अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल और डीजल की बढ़ी कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों की कम परिचालन लागत (रनिंग कॉस्ट) ने उपभोक्ताओं को बैटरी चालित वाहनों की ओर आकर्षित किया। पूरी तिमाही के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग लगातार मजबूत रही। अप्रैल में 24,963 यूनिट, मई में 27,320 यूनिट और जून में यह बढ़कर 30,454 यूनिट तक पहुंच गई। इस दौरान टाटा मोटर्स ने 32,283 इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन पंजीकृत किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 15,794 यूनिट की तुलना में 104 प्रतिशत अधिक हैं। जून में कंपनी की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 63,083 यूनिट रही, जो पिछले साल जून के 37,237 यूनिट के मुकाबले 69 प्रतिशत अधिक है। वहीं, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में टाटा मोटर्स की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री 46 प्रतिशत बढ़कर 1,82,574 यूनिट हो गई। जून में कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री 14,800 यूनिट रही, जबकि पिछले साल जून में यह 5,228 यूनिट थी। इस तरह जून में ईवी बिक्री दोगुने से भी अधिक बढ़ी। पूरी तिमाही में कंपनी की ईवी बिक्री 112 प्रतिशत बढ़कर 34,467 यूनिट रही। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन रजिस्ट्रेशन लगभग दोगुने होकर 20,112 यूनिट पर पहुंच गए, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 10,144 यूनिट थे। हालांकि, हुंडई मोटर इंडिया के इलेक्ट्रिक पैसेंजर वाहन रजिस्ट्रेशन में गिरावट दर्ज की गई। कंपनी के रजिस्ट्रेशन 2,142 यूनिट से घटकर 1,386 यूनिट रह गए। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने बड़ी संख्या में ग्राहकों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित किया।

भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 444 अंक उछला

मुंबई । वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, सेंसेक्स 443.97 अंकों यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,922.64 के स्तर पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 140.10 अंकों यानी 0.59 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,005.85 पर बंद होने में सफल रहा। दिन के सत्र में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 76,478.67 से मामूली बढ़त के साथ 76,545.21 पर फ्लैट शुरुआत की थी, हालांकि दिन के कारोबार में इसने 631.41 अंकों यानी 0.82 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 77,110.08 का इंट्रा-डे हाई छुआ। वहीं एनएसई निफ्टी अपने पिछले बंद 23,865.75 से 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 23,897.65 पर खुला और दिन के कारोबार में इसने 24,049.90 का दिन का हाई टच किया, जो 0.77 प्रतिशत की बढ़त को दर्शाता है। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.34 प्रतिशत और 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

व्हाट्सऐप के नए यूजरनेम फीचर पर सरकार सख्त, जल्द भेजा जा सकता है नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप के आगामी यूजरनेम फीचर के संभावित दुरुपयोग को लेकर केंद्र सरकार सतर्क हो गई है। सरकार इस फीचर को लेकर गंभीर चिंताएं जता रही है और इसी के मद्देनजर जल्द ही व्हाट्सऐप को नोटिस भेजा जा सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, सरकार को आशंका है कि टेलीग्राम की तरह व्हाट्सऐप का यह नया फीचर भी फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने या गलत जानकारी फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसी वजह से सरकार ने इस प्रस्तावित फीचर पर नाराजगी जताई है और इसे लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सूत्रों का कहना है कि यदि किसी नए फीचर के कारण धोखाधड़ी या साइबर अपराध की आशंका बढ़ती है, तो संबंधित मैसेजिंग प्लेटफॉर्म को भी उसकी जवाबदेही तय करनी होगी। सरकार का मानना है कि व्हाट्सऐप जैसे प्लेटफॉर्म को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके उत्पादों का इस्तेमाल किसी की पहचान की नकल (इम्पर्सोनेशन) या भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए न हो। दरअसल, व्हाट्सऐप जल्द ही ऐसा फीचर शुरू करने जा रहा है, जिसके तहत उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना सिर्फ यूजरनेम के जरिए परिवार, दोस्तों या व्यवसायों से संपर्क कर सकेंगे। व्हाट्सऐप के मुताबिक, उपयोगकर्ता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की तरह एक यूनिक यूजरनेम चुन सकेंगे। मेटा ने कहा है कि इस फीचर का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं के मोबाइल नंबर की गोपनीयता की रक्षा करना है। कंपनी के अनुसार, किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए दूसरे उपयोगकर्ता को उसका सटीक यूजरनेम पता होना जरूरी होगा। हालांकि, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुविधा गोपनीयता बढ़ाने के साथ-साथ फर्जी पहचान बनाकर लोगों को ठगने और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे जोखिम भी बढ़ा सकती है। उनका मानना है कि भारत जैसे बड़े डिजिटल बाजार में करोड़ों उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए मजबूत एंटी-अब्यूज सिस्टम और प्रभावी सुरक्षा उपाय अनिवार्य होंगे।

आरबीआई ने रवि शंकर को बनाया नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

1 जुलाई से प्रभावी हुई नियुक्ति

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रवि शंकर को नया एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 1 जुलाई 2026 से प्रभावी हो गई है। आरबीआई ने आधिकारिक बयान जारी कर इस नियुक्ति की जानकारी दी। इस पद पर पदोन्नति से पहले रवि शंकर आरबीआई के सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग (डीएसआईएम) में एडवाइजर-इन-चार्ज के रूप में कार्यरत थे। आरबीआई के अनुसार, रवि शंकर एक अनुभवी केंद्रीय बैंकिंग सांख्यिकीविद् हैं और उन्हें रिजर्व बैंक में तीन दशक से अधिक का अनुभव है। अपने लंबे करियर के दौरान उन्होंने कॉरपोरेट और बैंकिंग सांख्यिकी, सरकारी प्रतिभूति बाजार, सेटलमेंट सिस्टम, ऋण प्रबंधन और विभिन्न आर्थिक सर्वेक्षणों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया है। इसके अलावा, वह मैक्रोइकोनॉमिक सांख्यिकी और नीतिगत मामलों से जुड़े कई महत्वपूर्ण समितियों और कार्य समूहों के सदस्य भी रह चुके हैं। केंद्रीय बैंक ने बताया कि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में रवि शंकर सांख्यिकी एवं सूचना प्रबंधन विभाग (डीएसआईएम) की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 183.50 रुपए की कटौती, कारोबारियों को मिली राहत

एजेंसी । नई दिल्ली

देशभर में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हाल ही में हुई 183.50 रुपए की कटौती से होटल, रेस्टोरेंट और छोटे व्यापारियों को राहत मिली है। कीमतों में इस कमी के बाद कारोबारियों ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि कई लोगों का कहना है कि बाजार में दामों का उतार-चढ़ाव लगातार चिंता का कारण बना हुआ है। दिल्ली के कई दुकानदारों और रेस्टोरेंट संचालकों ने बताया कि पहले बढ़ती कीमतों के कारण उन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था और इसका सीधा असर उनके कारोबार और ग्राहकों पर पड़ रहा था। एक दुकानदार ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जब सिलेंडर के दाम बढ़ते हैं तो उन्हें मजबूरी में खाने-पीने की चीजों के दाम भी बढ़ाने पड़ते हैं, जिससे ग्राहक कम हो जाते हैं। अब कीमतों में कमी आने से उन्हें थोड़ी राहत जरूर मिली है और वे अपने उत्पादों को अपेक्षाकृत सस्ते दामों पर बेच पाएंगे।